संपति का ब्यौरा न देने वालों पर... 03

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 01, अंक - 304 | गाजियाबाद / गुरूवार 05 फरवरी 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

डीआरडीओ ने किया नई तकनीक का सफल टेस्ट

● लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें बनाने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने मंगलवार को सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) तकनीक का सफल फ्लाइट टेस्ट किया। इस सफलता के साथ भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है, जिनके पास यह आधुनिक तकनीक है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह टेस्ट ओडिशा के तट के पास चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज (आईटीआर) में किया गया। यह तकनीक

लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें बनाने में मदद करती है। इस तकनीक से संभावित विरोधियों के मुकाबले रणनीतिक बढ़त मिलती है। परीक्षण के दौरान सभी प्रमुख उप–प्रणालियों ने अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन किया। इनमें बिना नोजल वाला बूस्टर, सॉलिड फ्यूल डक्टेड रामजेट मोटर और फ्यूल फ्लो कंट्रोलर शामिल थे। सिस्टम को पहले ग्राउंड बूस्टर मोटर की मदद से निर्धारित मैक संख्या तक पहुंचाया गया, जिसके बाद एसएफडीआर प्रणाली ने सफलतापूर्वक काम किया। पूरे परीक्षण की निगरानी की गई।

पाक संग दोस्ती के बीच 'रियाद' पहुंचे डोभाल

सऊदी अरब के साथ मिडिल ईस्ट तनाव पर हो सकती है चर्चा

रियाद (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारत के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल सऊदी अरब पहुंचे हैं। माना जा रहा है कि वो पाकिस्तान–सऊदी रक्षा संबंध, सऊदी–यूएई तनाव और डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पीस प्लान पर बात कर सकते हैं। अजीत डोभाल का ये दौरा भारत और सऊदी अरब के बीच बढ़ते स्ट्रेटेजिक

और सिक्योरिटी सहयोग को दिखाता है। रियाद में भारतीय दूतावास के मुताबिक डोभाल का एयरपोर्ट पर सऊदी अरब में भारत के राजदूत डॉ. सुहेल एजाज खान और सऊदी अरब के राजनीतिक मामलों के उप मंत्री, राजदूत डॉ. सऊद अल–साती ने स्वागत किया। अजीत डोभाल का यह दौरा आतंकवाद विरोधी और सुरक्षा मामलों पर मजबूत द्विपक्षीय सहयोग के बीच हो रहा है। 28 जनवरी को सऊदी अरब ने जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के साथ–साथ दिल्ली के लाल किले के पास हुई आतंकी घटना की निंदा की थी। खास बात ये भी थी कि उसी दिन, स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप काउंसिल की पॉलिटिकल के तहत भारत–सऊदी अरब की तीसरी मीटिंग रियाद में हुई।

भारत सिटी सोसायटी : 3 नाबालिग बहनों ने फ्लैट की बालकनी से छलांग लगाकर किया सुसाइड

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना टीला मोड़ क्षेत्र स्थित भारत सिटी सोसायटी से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। सोसायटी की अंदर नौवीं मंजिल पर बने फ्लैट की बालकनी से छलांग लगाकर 3 नाबालिग बहने प्राची उम्र - 16 वर्ष, निशिका उम्र - 14 वर्ष और उम्र- 12 वर्ष ने सुसाइड कर लिया। सुसाइड बीती रात लगभग 2 किया गया, जिसकी अंदाजन वजह मोबाइल ऐप गेम बताया जा रहा है। सुसाइड की सूचना मिलते ही सोसायटी में हड़कंप मच गया और चारों ओर मदद की चीख पुखार होने लगी। सुसाइड की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों बच्चियों

के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पूरा मामला थाना टीला मोड़ क्षेत्र स्थित भारत सिटी सोसायटी का है, जहाँ 1 टावर के फ्लैट नंबर 907 में चेतन अपने परिवार के साथ रहते है। चेतन की दो बीवियां और पांच बच्चे है। बीती

रात चेतन ने जब अपनी बेटियों को गेम खेलने से मना किया तो वह पानी पीने का बहाना बनाकर दूसरे कमरे में चली गई। उन्होंने कमरे के अंदर की सारी फोटो को फ्लेट हुए एक डायरी में नोट भी लिखा। इसके बाद उन्होंने अंदर से

कैमरा बंद किया और फ्लैट की बालकनी से सीधा नीचे छलांग लगा दी। पिता चेतन ने बताया कि लगभग ढाई साल से इन्होंने स्कूल जाना बंद कर दिया था। यह तीनों क्लास में फेल हो गई थी और शर्म की वजह से स्कूल

नहीं जा रही थी। इसी दौरान इन्होंने आपस में गेम खेलना शुरू कर दिया था, जिसमें बड़ी बेटी बस और बाकी की दोनों बेटियां असिस्टेंट बनती थी। दोनों छोटी बेटियां बड़ी बेटी की बात बिना सवाल के पूरा करती थी। बीती रात जब उन्होंने गेम खेलने से मना किया तो वह उसी बात से नाराज हो गई थी। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल ने बताया कि मौके से मोबाइल और एक डायरी बरामद की गई है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

संसद के बाद अब स्पीकर के ऑफिस में हुआ हंगामा

● विपक्ष और बीजेपी सांसदों में बहस, महिला सांसदों ने संभाला मोर्चा

निशिकांत सदन में किताबें दिखाकर बोले-गांधी परिवार पुराना गद्दार

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के ऑफिस में विपत्र और बीजेपी सांसदों के बीच बहस हुई है। ऑफिस का जो वीडियो सामने आया है इसमें विपक्ष की महिला सांसद केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेण रिजिजू से कुछ कहती नजर आ रही हैं। वहीं, लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गांधी परिवार और कांग्रेस पर लिखी किताबें और नोट्स दिखाए। उन्होंने कहा इन किताबों में गांधी परिवार और कांग्रेस परिवार की मक्कारी, गद्दारी, भ्रष्टाचार और अय्याशी का जिक्र है।

निशिकांत की कोट की गई किताबों में एडविना एंड नेहरू, रेमिनिसेंस ऑफ द नेहरू एज, द रेड साड़ी, एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर समेत दूसरी किताबें और नोट्स दिखाए। आज फिर चेयर की तरफ विपक्षी सांसदों ने पेपर उड़ाए। विपक्ष के हंगामे के कारण दोपहर 2 बजे शुरू हुई कार्यवाही केवल 8 मिनट ही चल सकी। लोकसभा शाम 5 बजे तक स्थगित की गई।

● भारत के कृषि और खाद्य क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा गया है

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में अमेरिका से टैरिफ डील पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि डील ऐतिहासिक है। भारत के कृषि और खाद्य क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा गया है। यह डील भारत के विकास में बेहद फायदेमंद होगी। गोयल के भाषण के दौरान विपक्षी सांसद हंगामा करते रहे। विपक्ष ने (राहुल गांधी) को बोलने दो', नरेंद्र मोदी–सरेंडर मोदी और 'डरता है डरता है नरेंद्र मोदी डरता है' के नारे लगाए। विपक्ष के हंगामें पर लोकसभा को दोपह 2 बजे तक स्थगित किया गया।

भाजपा सरकार ने देश की हालत खराब कर दी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में कहा– भाजपा सरकार ने देश की हालत बहुत खराब कर दी है। देखना होगा आने वाले दिनों में क्या होती है। 6062 शब्दों का भाषण इस सरकार ने तैयार करवाया है। पर कई अहम सवालों पर अभिभाषण मौन है। मैं सदन में पांच जरूरी मुद्दे रखना चाहता हूं, जिन पर बात नहीं हुई। खड़गे ने कहा– मैं आपको यह दिखाना चाहता हूं कि देश की जनता की भलाई के लिए कितना समय दिया गया और कितना समय देश के बाहर बिताया गया। पिछले 11 सालों में मोदी सरकार ने सामाजिक न्याय को कमजोर किया है। महिलाओं को बीजेपी केवल वोटबैंक की तरह देखती है। अगर प्रधानमंत्री मोदी वाकई महिलाओं को आगे लाना चाहते, तो अब तक महिला आरक्षण को लागू कर चुके होते। 100 साल पहले महिलाओं को वोट देने का अधिकार नहीं था और भारत में भी करीब 77–78 साल पहले तक महिलाओं को यह अधिकार नहीं मिला था, लेकिन उस दौर में कांग्रेस ने सरोजनी नायडू को पार्टी का अध्यक्ष बनाया। इसके विपरीत, आज तक न तो बीजेपी ने और न ही आरएसएस ने किसी महिला को अध्यक्ष बनाया है। कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में एससी–एसटी समुदाय के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं और काम किए थे, लेकिन मोदी सरकार ने उन योजनाओं को खत्म कर दिया।

काशी में सुपारी किलर बनारसी यादव एनकाउंटर में ढेर

● रियल एस्टेट कारोबारी की शूटरों से हत्या करवाई थी, हुलिया बदलने में माहिर था

सुपारी किलर, मृतक

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में सुपारी लेकर रियल एस्टेट कारोबारी की शूटरों से हत्या करवाने वाला बनारसी यादव एनकाउंटर में मारा गया। मंगलवार देर रात इनपुट के आधार पर एसटीएफ ने उसकी घेराबंदी की। इंस्पेक्टर ने उसे सरेंडर करने की चेतावनी दी, लेकिन उसने फायरिंग कर दी। बदमाश की गोली से दो सिपाही बाल-बाल बचे। इसके बाद एसटीएफ ने जवाबी फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग करते हुए पुलिसवाले उसकी ओर बढ़े। बनारसी और जवानों के बीच आमने-सामने 5 राउंड फायरिंग हुई।

● **हुलिया बदलने में माहिर, मोबाइल नहीं इस्तेमाल करता था–** बनारसी यादव पूर्वांचल के बड़े और शातिर शूटरों में गिना जाता था। सुपारी लेकर हत्याएं करने वाले बनारसी को पुलिस नाम से तो जानती थी, लेकिन उसका चेहरा और तस्वीर किसी के पास नहीं थी। यही वजह रही कि कई घटनाओं को अंजाम देने के बाद भी बनारसी पुलिस की पकड़ से दूर रहा।

● केंद्रीय मंत्री को गद्दार बताया, बिट्टू ने कहा-देश के दुश्मनों से लेना-देना नहीं

राहुल ने नरवणे की किताब दिखाई, बोले-पीएम को दूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्मी चीफ एमएम नरवणे की जिस किताब को लेकर संसद में दो दिन से हंगामा हो रहा है। राहुल गांधी बुधवार को वही किताब लेकर संसद पहुंचे। उन्होंने कहा कि अगर आज पीएम आए तो उन्हें यह किताब दूंगा। राहुल ने किताब का वह पेज खोलकर दिखाया, जिसमें लिखा है कि प्रधानमंत्री ने आर्मी चीफ से कहा था- जो उचित समझो वह करो!। राहुल ने कहा कि सरकार और रक्षा मंत्री कह रहे है कि किताब का अस्तित्व नहीं है। देखिए यह रही किताब। राहुल ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि प्रधानमंत्री आज लोकसभा में आने की हिम्मत करेंगे। अगर प्रधानमंत्री आते हैं तो मैं खुद जाकर उन्हें यह किताब सौंपूंगा, ताकि वे इसे पढ़ सकें और देश को इसके बारे में पता चल सके। लोकसभा में दो दिन से पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड बुक पर हंगामा हो रहा है। इसके चलते कई बार सदन स्थगित हो चुका है। राहुल इस किताब के अंश लोकसभा में पढ़ना चाहते हैं। स्पीकर ओम बिरला ने इसकी इजाजत नहीं दी है। इधर, कांग्रेस के कुछ सांसदों ने बजट सत्र के छठे दिन संसद के मकर द्वार के पास प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान राहुल गांधी ने रवनीत सिंह बिट्टू को पास से गुजरते देखकर कहा कि देखो एक गद्दार आ रहा है, देखिए इसका चेहरा। राहुल गांधी ने हाथ मिलाने की पेशकश करते हुए कहा कि हैलो भाई, मेरे गद्दार दोस्त। चिंता मत करो, आप वापस (कांग्रेस में) आ जाओगे। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने हाथ नहीं मिलाया। उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि देश के दुश्मनों से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। रवनीत सिंह बिट्टू 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी में शामिल हुए थे। इससे पहले वे तीन बार कांग्रेस सांसद रह चुके हैं। वे पहली बार 2009 में आनंदपुर साहिब से लोकसभा के लिए चुने गए थे। इसके बाद 2014 और 2019 में जीत हासिल की।

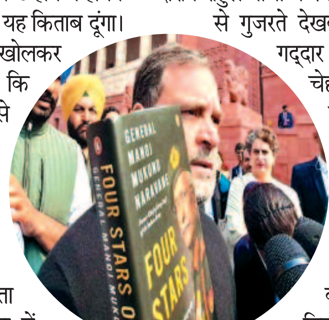

बिट्टू ने दो साल पहले राहुल को गद्दार कहा था

यह पहली बार नहीं है जब रवनीत सिंह बिट्टू और राहुल गांधी के बीच बयानबाजी देखने को मिली है। सितंबर 2024 में बिट्टू

ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। बिट्टू ने अमेरिका में सिखों को लेकर राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि राहुल गांधी ने सिखों को बांटने की कोशिश की है। सिख किसी पार्टी से जुड़े नहीं हैं। यह चिंगारी लगाने की कोशिश है। राहुल गांधी देश के नंबर वन टेररिस्ट हैं।

पीएम मोदी जैसी कार में सवार होंगे नीतिश कुमार

● एके-47 की गोलियां चले या दागे जाएं रॉकेट, सेफ रहेंगे सीएम

पटना (एजेंसी)। एके-47 की गोलियां हों या रॉकेट लॉन्चर, बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की नई कार का कोई कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा। सीएम नई बुलेटप्रूफ रेंज रोवर गाड़ी से चलेंगे। ऐसी गाड़ी में पीएम नरेंद्र मोदी चलते हैं। सीएम के काफिले के लिए बिहार सरकार जल्द 4 नई गाड़ियां खरीदने वाली है। इसकी शुरुआती कीमत 2.5 करोड़ रुपए है। रेंज रोवर गाड़ी का मॉडल क्या है। इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। मॉडल और बुलेट प्रूफिंग के लेवल के अनुसार लागत बढ़ सकती है। पीएम जिस रेंज रोवर की सवारी करते हैं वह 10 करोड़ से अधिक की है। पुलिस मुख्यालय के मुताबिक बिहार

के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार बुलेटप्रूफ कार इस्तेमाल करते हैं। छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और कई और राज्यों के सीएम भी बुलेटप्रूफ गाड़ियों से चलते हैं।

पीएम मोदी भी करते हैं रेंज रोवर की सवारी

नरेंद्र मोदी मर्सिडीज–मेबैक एस 650 गार्ड, रेंज रोवर सेंटिनल, टोयोटा लैंड क्रूजर और बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज की कार में सवार होते हैं। मोदी के रेंज रोवर सेंटिनल की कीमत 10 करोड़ रुपए से अधिक है। ऐसी जानकारी मिल रही है कि नीतीश की कार भी पीएम जैसी हो सकती है। रेंज रोवर सेंटिनल आर्मर्ड वर्जन है। भारी कवच लगाने से कार का वजन बढ़ जाता है। इसके चलते इसमें 5 लीटर का सुपरचार्ड एफ 8 इंजन लगा है। यह 375 बीएचपी पावर जेनरेट कर सकता है। रेंज रोवर सेंटिनल 218 किमी की रफ्तार से दौड़ सकती है। 10 सेकंड में 0–100 किमी की स्पीड पकड़ लेती है। कार लेटेस्ट टेक्नोलॉजी से लैस है।

कांग्रेस ने की लापता बच्चों के मामलों पर टास्क फोर्स की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने राजधानी में छोटे बच्चों, विशेषकर लड़कियों के बड़ी संख्या में लापता होने की घटनाओं पर गहरी चिंता जताते हुए दिल्ली के उपराज्यपाल को पत्र लिखा है। उन्होंने इन मामलों की गंभीरता से जांच के लिए एक विशेष टास्क फोर्स गठित करने की मांग की है। देवेन्द्र यादव ने बताया कि वर्ष 2026 के पहले 27 दिनों में ही दिल्ली से 807 लोग लापता हो चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या में बच्चे, किशोरियां और महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन औसतन 27 लोगों के गायब होने के बावजूद न तो दिल्ली सरकार और न ही केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से कोई ठोस कार्रवाई दिखाई दे रही है, जो बेहद चिंताजनक है। उन्होंने राजधानी की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि हत्या, बलात्कार, लूटपाट, जबरन वसूली और महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। यादव ने पिछले वर्ष के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि दिल्ली में हत्याएं, हत्या के प्रयास, बलात्कार और महिलाओं से जुड़े अपराध यह साबित करते हैं कि पुलिस व्यवस्था आम जनता को सुरक्षा देने में विफल रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ओर केंद्र सरकार 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे नारों का प्रचार करती है, वहीं देश की राजधानी में ही लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब बेटियां सुरक्षित नहीं होंगी तो उनके शिक्षा और भविष्य की बात करना केवल नारा बनकर रह जाएगा। देवेन्द्र यादव ने जोर देकर कहा कि अधिकतर लापता होने की घटनाएं गरीब परिवारों से जुड़ी हैं और मौजूदा हालात में एक मजबूत जांच तंत्र की सख्त जरूरत है। इसी उद्देश्य से उन्होंने टास्क फोर्स के गठन की मांग की है ताकि राजधानी में बढ़ते अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सके और लोगों में सुरक्षा का भरोसा बहाल हो।

ओल्ड राजेंद्र नगर हादसा : सीबीआई ने पूरी नहीं की जांच, मृतक छात्र के पिता ने लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओल्ड राजेंद्र नगर में कोचिंग सेंटर में पानी भरने से छात्रों की मौत के मामले में नई याचिका दाखिल की गई है। याचिका मृतक छात्र नेविन डालविन के पिता जय दालविन ने दाखिल की है। याचिका में आरोप लगाया गया कि सीबीआई ने मामले में पक्षपातपूर्ण और अधूरी जांच की है। राउज एवेन्यू कोर्ट में प्रोटेस्ट याचिका दाखिल की गई है। याचिका में दावा किया कि सीबीआई ने जांच के दौरान महत्वपूर्ण सबूतों को नजरअंदाज किया और मामले की गहराई से पड़ताल नहीं की। पिता ने आगे जांच की मांग की है ताकि हादसे के असली जिम्मेदारों को सजा मिल सके। सीबीआई ने हाल ही में राउज एवेन्यू कोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया कि मामले में कोई अतिरिक्त जांच की आवश्यकता नहीं है। एजेंसी ने दावा किया कि सभी सबूत एकत्र कर लिए हैं और विभिन्न कोणों से उनकी जांच पूरी हो चुकी है। सीबीआई ने पहले ही इस मामले में चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें कोचिंग सेंटर के मालिक समेत छह आरोपियों को नामित किया गया था। एजेंसी ने आरोप लगाया था कि बेसमेंट को एमसीडी की मंजूरी के विपरीत व्यावसायिक उपयोग (लाइब्रेरी और परीक्षा हॉल) के लिए जानबूझकर इस्तेमाल किया था, जो बाढ़ के प्रति संवेदनशील था। हादसे में श्रेया यादव तान्या सोनी और नेविन दलविन नामक तीन छात्रों की डूबने से मौत हो गई थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने अगस्त 2024 में जांच दिल्ली पुलिस से हटाकर सीबीआई को सौंपी थी। जांच में कोचिंग सेंटर के अलावा एमसीडी और दिल्ली फायर सर्विस के कुछ अधिकारियों की भी लापरवाही सामने आई थी, जिनके खिलाफ पूरक चार्जशीट दाखिल की गई।

सड़क दुर्घटना मामले में एमएसीटी ने केंद्र सरकार से मांगी मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटियाला हाउस स्थित मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने सड़क हादसों में मुआवजे से वंचित रह जाने वाले पीड़ित परिवारों के मुद्दे पर केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। एमएसीटी ने कहा है कि ऐसे मामलों के लिए किसी स्पष्ट सरकारी नीति या योजना का अभाव है, जिसके चलते कई पीड़ित परिवार कानूनी दावों के बावजूद राहत से बाहर रह जाते हैं। यह मामला वर्ष 2024 में दक्षिण परिसर इलाके में हुए एक सड़क हादसे से जुड़ा है, जिसमें कार की टक्कर से साइकिल सवार की मौत हो गई थी। मृतक की पत्नी ने मुआवजे के लिए दावा याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई के दौरान पीठासीन अधिकारी अभिलाष मल्होत्रा ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि हादसे में कार चालक की भी मौत हो चुकी है। चालक के कानूनी वारिस पहले से ही कई मुकदमों का सामना कर रहे हैं। न्यायाधिकरण ने अपने आदेश में कहा कि हादसे में शामिल वाहन का चालक ही उसका मालिक था और उसकी मृत्यु हो चुकी है। चालक के माता-पिता बेहद गरीब हैं और झुग्गी में रहकर जीवन यापन कर रहे हैं। उनके पास मृत बेटे की कोई संपत्ति नहीं है, जिससे मुआवजे की वसूली की जा सके। ऐसे में पीड़ित परिवार को मुआवजा दिलाना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं दिखता। एमएसीटी ने यह भी स्पष्ट किया कि साइकिल सवार पीड़ित का मामला न तो दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) की किसी योजना के तहत आता है और न ही किसी अन्य सरकारी सहायता योजना के दायरे में है। इन असाधारण परिस्थितियों को देखते हुए न्यायाधिकरण ने सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से सहायता मांगी है। एमएसीटी ने आदेश की एक प्रति मंत्रालय को भेजने के निर्देश दिए हैं और मंत्रालय से कहा है कि वह 27 फरवरी को होने वाली अगली सुनवाई में अपना प्रतिनिधि भेजे, ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि क्या ऐसे मामलों में पीड़ित परिवार को किसी सरकारी योजना के तहत मुआवजा दिया जा सकता है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सजा समीक्षा बोर्ड का फैसला रद्द करते हुए कैदी की रिहाई का आदेश दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुद्ध जयंती पार्क सामूहिक दुष्कर्म मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व राष्ट्रपति के अंगरक्षक हरप्रीत सिंह की समयपूर्व रिहाई का आदेश दिया है। अदालत ने सजा समीक्षा बोर्ड (एसआरबी) के फैसले को रद्द करते हुए कहा कि 23 साल से अधिक समय जेल में बिताने और लगातार अच्छे आचरण के बावजूद रिहाई से इनकार करना मनमाना, असंगत और रिकॉर्ड के विपरीत है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि केवल अपराध की गंभीरता के आधार पर किसी कैदी को अनिश्चितकाल तक जेल में रखना सुधारात्मक न्याय की भावना के खिलाफ है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने हरप्रीत सिंह की याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली दंडात्मक के साथ-साथ सुधारात्मक सिद्धांत पर आधारित है। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि एसआरबी ने वर्ष 2016 से अब तक 12 बार हरप्रीत की समयपूर्व रिहाई की याचिका सिर्फ अपराध की गंभीरता के आधार पर खारिज की। बोर्ड ने उसके जेल में आचरण, सुधार की प्रक्रिया, अनुशासन और दोबारा अपराध करने की शून्य संभावना जैसे अहम पहलुओं पर कोई विचार नहीं किया। हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि अपराध की गंभीरता एक स्थिर तथ्य है, जो समय के साथ बदल नहीं सकता, लेकिन इसे हमेशा के लिए रिहाई में बाधा बना देना न्याय के सुधारात्मक उद्देश्य को निष्प्रभावी कर देता है। अदालत ने कहा कि यदि कैदी ने लंबा समय जेल में बिताया है और उसके आचरण से सुधार स्पष्ट है, तो उसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। वर्ष 2009 में सुनाई गई थी सजा हरप्रीत सिंह को वर्ष 2003 में दर्ज एक मामले में दोषी ठहराया गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, वह अपने तीन साथियों के साथ सैन्य वर्दी में बुद्ध जयंती पार्क पहुंचा था। वहां एक युवक और युवती को रोका गया, युवक से मारपीट कर लूटपाट की गई और युवती को जबरन सैन्य वाहन में बैठाकर दुष्कर्म किया गया। ट्रायल कोर्ट ने वर्ष 2009 में हरप्रीत को आईपीसी की धारा 366, 376, 394 और 34 के तहत उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने 2012 में उसकी अपील खारिज कर दी थी। करीब 23 साल जेल में बिताने, 21 वर्षों से अधिक समय तक बेदाग आचरण और कई प्रशंसा प्रमाण मिलने के बावजूद उसकी रिहाई टलती रही। अब हाईकोर्ट के आदेश से उसकी तत्काल रिहाई का रास्ता साफ हो गया है।

हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद सोसाइटी को मिलेगा पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 04 फरवरी (वेब वार्ता)। दिल्ली उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद वेस्टएंड ग्रीन फार्म्स सोसाइटी के निवासियों को पानी की आपूर्ति का रास्ता साफ हो गया है। अदालत के समक्ष दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) ने भरोसा दिलाया कि वह आवश्यक शुल्क के भुगतान पर सोसाइटी को पानी उपलब्ध कराएगा। इसके बाद कोर्ट ने अवमानना याचिका का निपटारा कर दिया। यह मामला वेस्टएंड ग्रीन फार्म्स सोसाइटी द्वारा दायर अवमानना याचिका से जुड़ा था। इसमें आरोप लगाया गया था कि जल बोर्ड ने 15 अक्तूबर 2025 और चार दिसंबर 2025 को पारित हाईकोर्ट के आदेशों का जानबूझकर पालन नहीं किया। इन आदेशों में डीजेबी को सोसाइटी में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। यह याचिका न्यायमूर्ति अमित बंसल की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध हुई थी। कोर्ट के आदेशों की हुई अवहेलना सोसाइटी की ओर से पेश अधिवक्ता सुमित गहलोत ने अदालत को बताया कि बार-बार दिए गए निर्देशों के बावजूद जल बोर्ड ने पानी की आपूर्ति नहीं की, जो अदालत के आदेशों की अवहेलना है। उन्होंने कहा कि सोसाइटी में लगभग 170 फार्महाउस हैं, जो वसंत कुंज के रजोकरी और रंगपुरी इलाकों में स्थित हैं। यहां के निवासी हर साल करोड़ों रुपये का कर अदा करते हैं। इसके बावजूद उन्हें पानी जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित रखा गया। अधिवक्ता ने यह भी कहा कि अधिकारियों की लगातार निष्क्रियता के कारण सोसाइटी को अदालत के आदेशों को लागू कराने के लिए अवमानना याचिका दाखिल करनी पड़ी।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने 'कैंसर जागरूकता, रोकथाम और स्क्रीनिंग कार्यक्रम का किया शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व कैंसर दिवस के मौके पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (डीएससीआई) की पहल 'कैंसर जागरूकता, रोकथाम और स्क्रीनिंग कार्यक्रम (सीएपीएस) का शुभारंभ किया। इसका मकसद राजधानी दिल्ली में कैंसर का जल्दी से पता लगाने, रोकथाम और आसानी से मिलने वाली कैंसर देखभाल सेवाओं को और ज्यादा मजबूत करना है। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, डॉक्टर्स, नर्स, टेक्नीशियन और हेल्थकेयर स्टाफ भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. पंकज सिंह ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि कैंसर के बढ़ते मामले को काबू करने के लिए समय पर स्क्रीनिंग और जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बेहतर हेल्थकेयर सुविधाओं के कारण पड़ोसी राज्यों से बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए आते हैं, इसलिए यहां ज्यादा मरीजों की रिपोर्ट दर्ज होती है, जबकि देरी से टेस्टिंग होने से कैंसर जोखिम को और बढ़ाता है।

सीएपीएस पहल के तहत हमारी सरकार कम्युनिटी-बेस्ड तरीका अपना रही है। विशेष रूप से महिलाओं के लिए कैंसर स्क्रीनिंग को सुलभ और रेगुलर बनाने की दिशा में हम तेजी से काम कर रहे हैं। खास तौर पर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस मोबाइल कैंसर स्क्रीनिंग वैन, जिनमें मैमोग्राफी और एचपीवी डीएनए टेस्टिंग की व्यवस्था होगी को पहले से बताई गई प्रमुख जगहों और राजधानी के दूर-दराज के इलाकों में तैनात किया जाएगा ताकि दिल्ली के नागरिक अपने रोजाना के शेड्यूल को डिस्टर्ब किए बिना अपनी स्क्रीनिंग करवा सकें।

कार्यक्रम के दौरान सुविधाजनक और प्राइवेट स्क्रीनिंग के लिए एक सेल्फ-टेस्टिंग किट भी लॉन्च की गई। इस किट के माध्यम से महिलाएं खुद ही वैजाइनल स्वैब सैंपल लेकर लेबल युक्त वायल में सुरक्षित रख सकेंगी, जिसका एचपीवी डीएनए टेस्टिंग आरटी-पीसीआर तकनीक के जरिए किया जाएगा। टेस्ट रिपोर्ट एक हफ्ते के भीतर शेयर की जाएंगी, जिसके बाद मेडिकल सलाह के साथ जरूरत पड़ने पर जरूरी इलाज भी बताया जाएगा। मैमोग्राफी रिपोर्ट के नतीजों को तुरंत एनालिसिस किया जाएगा। साथ ही जिन महिलाओं को इलाज की जरूरत होगी, उनके लिए जरूरी फॉलो-अप केयर भी सुनिश्चित किया जाएगा।

इसके अलावा कैंसर जागरूकता, कैंसर का जल्दी पता लगाने के तरीकों, तंबाकू विरोधी जागरूकता अभियान और भविष्य के जोखिमों को कम करने के लिए सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन की सुविधा को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

पंकज कुमार सिंह ने कहा कि कैंसर की रोकथाम हमारे प्रधानमंत्री का एक प्रमुख विजन है और हमारी मुख्यमंत्री भी इस मुद्दे को बेहद गंभीरता से ले रही हैं। वर्तमान में हमारा विशेष फोकस कैंसर जागरूकता पर है, क्योंकि कई मरीज टेस्ट के लिए बहुत देर से आते हैं, जिससे इलाज बेहद मुश्किल हो जाता है। जागरूकता के साथ-साथ हम व्यापक स्क्रीनिंग को भी बेहद मजबूत कर रहे हैं, ताकि कैंसर का जल्दी से पता चल सके और उसका गुणवत्तापूर्ण इलाज हो सके। हम बहुत जल्द सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन शुरू करने और मोबाइल कैंसर वैन के जरिए टेस्टिंग की सुविधाएं लोगों तक पहुंचाने के लिए काम कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि जहां भी संभव हो बीमारी को रोका जाए और प्रत्येक नागरिक को समय पर बेहतर इलाज मिले।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के बयान के विरोध में किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस मुख्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को लेकर दिए गए बयान के विरोध में किया गया।

प्रदर्शन के दौरान वीरेंद्र सचदेवा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने केवल एक मंत्री को नहीं, बल्कि पूरे सिख समुदाय का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास सिख विरोधी रहा है और 1984 के दंगों के दौरान भी कांग्रेस ने सिखों को गद्दार कहा था। सचदेवा ने आरोप लगाया कि आज भी कांग्रेस की सोच वही है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने उस कौम को गाली दी है जिसने देश के लिए शहादत का कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्हें अपने बयान पर माफी मांगनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राहुल गांधी से सार्वजनिक माफी की मांग की। उल्लेखनीय है कि, संसद परिसर में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी, जिसके बाद यह राजनीतिक विवाद हुआ।

कालकाजी हादसे में मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कालकाजी क्षेत्र में पिछले वर्ष पेड़ गिरने से हुई दुखद दुर्घटना में जान गंवाने वाले सुधीर कुमार के परिजनों को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि का चेक सौंपा। इस अवसर पर दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी भी मौजूद रहे, जिन्होंने मुख्यमंत्री के इस मानवीय कदम के लिए आभार जताया और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मृतक की पत्नी सुनीता देवी को विधवा पेंशन उपलब्ध कराई जाए और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की प्रक्रिया भी शुरू की जाए। उल्लेखनीय है कि यह हादसा भारी बारिश के दौरान हंसराज सेठी मार्ग पर हुआ था, जब एक बड़ा पेड़ बाइक सवार सुधीर कुमार पर गिर गया था, जिसमें उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी और उनकी बेटी भी घायल हुई थी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सुनीं समस्याएं, मौके पर ही दिए समाधान के निर्देश

–होली–दिवाली पर मुफ्त गैस सिलेंडर की राशि के फैसले पर महिलाओं ने सीएम का जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रमुख संवाददाता दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में आयोजित जनसुनवाई के दौरान शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से आए दिल्लीवासियों की समस्याएं और सुझाव ध्यान से सुने। 'जनता का शासन, जनता के द्वारा' के तहत उन्होंने न सिर्फ हर शिकायत को गंभीरता से लिया, बल्कि मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश भी दिए। जनसुनवाई में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन, टूटी सड़कों, जलभराव और सफाई व्यवस्था जैसे मुद्दे प्रमुख रूप से सामने आए। मुख्यमंत्री ने हर नागरिक से व्यक्तिगत बातचीत की और उनके प्रार्थना पत्रों पर तत्काल संज्ञान लिया।

उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनसुनवाई में उठने वाली शिकायतों के निपटारे में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है। जनसुनवाई केवल समस्याएं सुनने का मंच नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच भरोसे को मजबूत करने का माध्यम है। जब कोई नागरिक सीधे मुख्यमंत्री के सामने अपनी बात रखता है और उस पर कार्रवाई होती है तो प्रशासन पर विश्वास बढ़ता है। हमारी सरकार पूरी तरह जवाबदेह है और दिल्ली के हर नागरिक की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है। जनसुनवाई के दौरान दिल्ली के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से आई महिलाओं और मध्यमवर्गीय परिवारों ने होली और दिवाली पर निःशुल्क गैस सिलेंडर की राशि देने की योजना के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि कैबिनेट द्वारा 242 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी और सीधे बैंक खाते में 853 रुपये की राशि भेजने के फैसले ने उनके त्योहारों की खुशियों को और बढ़ा दिया है। महिलाओं ने इसे बड़ी राहत बताते हुए कहा कि महंगाई के इस दौर में यह योजना उनके रसोई बजट को संभालने में काफी मददगार साबित होगी।

केंद्रीय बजट में रेल और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने से दिल्ली में प्रदूषण कम होगा : सिरसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय बजट में घोषित 'हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर' में निवेश और इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रोत्साहन राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण कम करने के साथ ही संपर्क तथा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बजट को दूरदर्शी बताते हुए सिरसा ने कहा, ''केंद्रीय बजट देश की आर्थिक यात्रा में एक नए दौर की शुरुआत करता है और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि यह प्रदूषण, संपर्क और समावेशी विकास जैसी प्रमुख चुनौतियों का समाधान करता है। हरित आवागमन पहलों पर प्रकाश डालते हुए सिरसा ने कहा कि दिल्ली-वाराणसी कॉरिडोर सहित सात 'हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर' पर ध्यान केंद्रित करने के साथ ही इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र के लिए 5,000 करोड़ रुपये का आवंटन राष्ट्रीय राजधानी में कार्बन उत्सर्जन को कम करने तथा वायु गुणवत्ता में सुधार करने में महत्वपूर्ण रूप से मदद करेगा। उन्होंने कहा, ''यह बजट दिल्ली के बुनियादी ढांचे को भी मजबूत करेगा।'' सिरसा ने कहा कि केंद्र ने दिल्ली की सार्वजनिक उधार लेने की सीमा को बढ़ाकर 21,000 करोड़ रुपये कर दिया है, जिससे राजधानी में बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने में मदद मिलेगी। केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए सिरसा ने कहा कि 100 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ महिलाओं के नेतृत्व वाले किसान उत्पादक संगठनों को पहली बार बाजारों से जोड़ा जाएगा। महिला केंद्रित पहलों के बारे में बात करते हुए सिरसा ने कहा कि महिलाओं के बजट में 11 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जबकि देश भर के शहरों में लड़कियों के छात्रावास खोलने के लिए 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिला उद्यमियों को पांच लाख करोड़ रुपये की योजनाओं के माध्यम से सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा, ''लखपति दीदी 2.0 योजना के तहत, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं बिना किसी गारंटी के पांच लाख रुपये तक का ऋण प्राप्त कर सकेंगी।''

दिल्ली की रेखा गुप्ता भाजपा सरकार के खिलाफ ''आप'' ने खोला मोर्चा

–निगम में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग के नेतृत्व में 'आप' पार्षदों ने भलस्वा कूड़े के पहाड़ पर प्रदर्शन कर की नारेबाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 04 फरवरी (वेब वार्ता)। दिल्ली के भलस्वा लैंडफिल साइट का कूड़ा दिल्ली देहात में डलवा रही भाजपा सरकार के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग के नेतृत्व में ''आप'' पार्षदों ने भलस्वा लैंडफिल साइट पर जाकर भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। अंकुश नारंग ने कहा कि भाजपा की एमसीडी भलस्वा का कूड़ा हज़ारों ट्रकों में भरकर दिल्ली देहात के भलस्वा, किराड़ी, रामा विहार, मुंडका, स्वरूप नगर के गांवों में डाल रही है। इससे इलाके में पानी जमा हो रहा है और लोग बीमार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएम रेखा गुप्ता बेकसूर लोगों की जिंदगी बर्बाद न करें। अगर दिल्ली को कूड़ा मुक्त नहीं कर सकती हैं तो इस्तीफा दे दें। इस अवसर पर एमसीडी सह-प्रभारी प्रवीण कुमार व प्रीति डोंगरा समेत पार्टी के निगम पार्षद और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भलस्वा लैंडफिल साइट पर प्रदर्शन के दौरान एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की चार इंजन वाली सरकार है और चारों के चारों इंजन फेल हैं। भलस्वा का कूड़े का पहाड़ कहीं से भी कम होता नहीं दिख रहा है। ''आप'' सरकार के समय यह पहाड़ एक तरफ से खत्म हो गया था, लेकिन अब यह फिर से बढ़ता दिख रहा है। उन्होंने कहा कि भलस्वा से कूड़े के पहाड़ को हटाकर किराड़ी और मुंडका ले जाया जा रहा है। वहां कूड़े के कारण बच्चों और लोगों की मौत हो रही है, पानी जमा हो रहा है और लोगों को मिलने वाली सुविधाएं खत्म हो चुकी हैं।

अंकुश नारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके मंत्री कहते थे कि कूड़े के पहाड़ को जाना पड़ेगा, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कूड़े के पहाड़ को किराड़ी, मुंडका या दिल्ली के किसी और कोने में जाना होगा। जब से एमसीडी और दिल्ली सरकार में भाजपा आई है, पूरी दिल्ली को गंदा कर दिया है। मजलिस पार्क और निरंकारी ग्राउंड में कूड़ा पड़ा है। किराड़ी और मुंडका में कूड़े के ढेर लगे हैं और वहां के फ्लाईओवर के पास नई लैंडफिल साइट बन रही हैं। आम आदमी पार्टी गांव-देहात, किराड़ी और मुंडका में कूड़ा डालने का विरोध करती है और भलस्वा साइट को खत्म करने की मांग करती है। अंकुश नारंग ने कहा कि जितनी तेजी से अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में इस पहाड़ को खत्म किया जा रहा था, अब भाजपा की सरकार में वैसा नहीं हो रहा है। दिल्ली के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि जिसकी एमसीडी है, उसी की दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार है। तीनों सरकारें भाजपा की हैं, फिर भी भाजपा काम नहीं कर पा रही है। इससे साफ है कि भाजपा की नीयत में खोट है। वे सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। कूड़े को दिल्ली के अलग-अलग कोनों में भेजकर सीएम रेखा गुप्ता लोगों की जिंदगी बर्बाद कर रही हैं। बदबू के कारण लोगों का यहां रहना दूभर हो गया है और घरों के अंदर तक कूड़ा पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री लोगों का दर्द नहीं समझ सकती हैं तो कुर्सी छोड़ दें। रेखा गुप्ता को इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा सरकार ने एक कूड़ा नीति निकाली है, जिसके तहत किराड़ी और मुंडका को कूड़े से भरा जा रहा है। अंकुश नारंग ने कहा कि दिल्ली की मासूम जनता ने भाजपा के बड़े-बड़े वादों पर भरोसा करके उन्हें मौका दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि इस बार एक्यूआई 700 के पार चला गया। हमें नहीं पता था कि भाजपा ने जो '400 पार' का नारा दिया था, वह लोकसभा सीटों के लिए नहीं, प्रदूषण के एक्यूआई के लिए था। मुख्यमंत्री को शर्म आनी चाहिए कि उन्हें यह नहीं पता कि मुंडका और किराड़ी में कूड़ा फेंका जा रहा है।

दिल्ली सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में बम की धमकियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को दिल्ली सचिवालय में बम की धमकी मिलने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियों ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत तत्काल मोर्चा संभाल लिया और पूरे परिसर को घेरकर सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। धमकी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस के साथ फायर विभाग, बम निरोधक दस्ता (बीडीएस), डॉग स्क्वॉड और अन्य संबंधित यूनिट की टीमें मौके पर पहुंचीं। घंटों चली गहन जांच के दौरान सचिवालय परिसर के हर हिस्से की बारीकी से तलाशी ली गई। हालांकि जांच के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई। इसके बाद धमकी को झूठा यानी हॉक्स करार दिया गया। फायर विभाग के अधिकारियों के अनुसार, बम की धमकी से जुड़ी कॉल सुबह 11 बजकर 24 मिनट पर उनके कंट्रोल रूम में प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही सभी संबंधित एजेंसियों को अलर्ट किया गया और कुछ ही देर में टीमें मौके पर पहुंच गईं। सुरक्षा कारणों से परिसर में मौजूद कर्मचारियों और आगंतुकों को सतर्क किया गया और जांच पूरी होने तक आवाजाही सीमित कर दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कॉल करने वाले की पहचान के लिए तकनीकी टीम की मदद ली जा रही है और कॉल डिटेल्स खंगाली जा रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि हाल के दिनों में दिल्ली के विभिन्न सरकारी और सार्वजनिक संस्थानों को इस तरह की धमकियां मिल चुकी हैं।

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने बजट को बताया ऐतिहासिक, कहा विकसित भारत की नींव करेगा मजबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बांसुरी स्वराज ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के पेश किए गए बजट को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट विकसित भारत की नींव को मजबूत करता है।

दिल्ली पार्टी कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद ने बुधवार को कहा कि यह आम बजट दुरगामी, दुरदर्शी और विकसित भारत की नींव को सुदृढ़ करने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि निर्मला सीमारण का लगातार 9वीं बार बजट पेश करना इस बात को दर्शाता है कि भारतीय बजट एक सुरक्षित हाथों में हैं। इस बजट में हर वर्ग के लिए बहुत कुछ है। एक साल के इस बजट में अगले 25 साल का विजन और पांच साल का प्लान है क्योंकि युवा शक्ति को इस बजट का केन्द्र बिंदु बनाया गया है।

बांसुरी स्वराज ने कहा कि इस बजट में आई.टी. सेक्टर के लिए बहुत कुछ है। इलेक्ट्रॉनिक समानो के मैन्यूफैक्चरिंग के लिए 40,000 करोड़ रुपये का बजट का प्रावधान किया गया है। इस बार बजट में सरकार ने विदेशी क्लाउड कंपनियों को भारत की ओर आकर्षित करने के लिए बड़ा एलान किया है। विदेशी क्लाउड कंपनियों को भारत में डेटा सेंटर लगाने पर 2047 तक टैक्स छूट देने का प्रस्ताव रखा गया है।

भाजपा सांसद ने कहा कि भारत विस्तार एक ऐसा एआई प्लेटफॉर्म है जहां देश के किसान भी फसलों से संबंधित जानकारी भी समयानुसार ले सकते हैं। बांसुरी स्वराज ने कहा कि 'ऑरेंज इकोनॉमी' एक प्रकार नया उभरता हुआ सेक्टर हैं जो युवाओं को सबसे ज्यादा आकर्षित करता है और इसी को ध्यान में रखते हुए अटल टिंकरिंग लैब्स की तर्ज पर यह सुनिश्चित किया गया है कि भारत के 15000 स्कूलो में कंटेंट क्रिएटर लैब्स बनाई जाएंगी। 'ऑरेंज इकोनॉमी' में मुख्य रुप से फिल्में, संगीत, गेमिंग, फैशन, डिजाइन, एनिमेशन, डिजिटल सामग्री, विज्ञापन, प्रकाशन और यहां तक कि सॉफ्टवेयर और प्लेटफॉर्म भी शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि इस बजट में 23 फीसदी यानि 2.2 लाख करोड़ रुपये इन्फ्रास्ट्रक्चर और जॉब क्रिएचर पर मुख्य रुप से फोकस किया गया है। युवा शक्ति को जॉब सिकर की बजाय जॉब क्रिएटर बनने की भूमिका निभाने का प्रावधान भी किए गए हैं।

भाजपा सांसद ने कहा कि जब हम युवाओं की बात करते हैं तो उसमें देश की बच्चियां भी शामिल है और इस बजट में यह प्रावधान किया गया है कि भारत के हर एक जिले में बच्चियों के लिए एक हॉस्टल भी बनाया जाए। बेटियां साइंस के सेक्टर सहित अन्य सभी वर्गों में अपना योगदान दे रही हैं इसलिए उनकी सुरक्षित रहने की व्यवस्था पर भी सरकार पूरी तरह से ध्यान दिया है।

बांसुरी स्वराज ने कहा कि पिछले आठ महीनों से भारत लगातार अभूतपूर्व ट्रेड डील साइन कर रहा है।

भारत-न्यूजीलैंड डील, भारत-यूके डील, भारत-ओमान डील हो सभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से ही हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में भारत का यूरोपीयन यूनियन के साथ डील को मदर ऑफ ऑल डील कहा जा रहा है। यह विश्व के एक चौथाई जीडीपी को कवर करने वाली डील है। पत्रकार वार्ता के दौरान प्रदेश प्रवक्ता यासिर जिलानी और प्रदेश कार्यालय मंत्री बृजेश राय भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

गन्ना लदे डनलप को ट्रक ने मारी टक्कर, किसान की मौत, बैल भी मरा

पीलीभीत, एजेंसी। बीसलपुर-पीलीभीत मार्ग पर मंगलवार तड़के गन्ना लदे डनलप को ट्रक से टक्कर लग गई। हादसे में किसान की मौत हो गई। उसका एक बैल भी मर गया। किसान डनलप में गन्ना लादकर चीनी मिल जा रहा था। रास्ते में जय गुरुदेव आश्रम के पास हादसा हो गया। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव नसरुल्लापुर निवासी सुनील गंगवार ने बताया कि उनका भाई 35 वर्षीय हरीश गंगवार मंगलवार को तड़के डनलप में गन्ना भरकर किसान सहकारी चीनी मिल में तुलवाने जा रहा था। बीसलपुर-पीलीभीत हाईवे पर जय गुरुदेव आश्रम के सामने विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार लकड़ी भरे ट्रक से डनलप को टक्कर लग गई। हादसे में हरीश गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सीएचसी लाया गया। जहां चिकित्सक ने हरीश को मृत घोषित कर दिया। डनलप में खींच रहे एक बैल की भी मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लिया है।

वाईब्रेटर मशीन में उतरे करंट से मजदूर की मौत

हमीरपुर, एजेंसी। कोतवाली क्षेत्र के खंडेह गांव के मंदिर में स्लैब डालते समय वाइब्रेटर मशीन में उतरे करंट की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। भाई ने घटना को लेकर थाने में शिकायती पत्र दिया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। मौदहा कोतवाली क्षेत्र के खंडेह गांव निवासी सपत कुमार (35) रविवार को मजदूरी करने के लिए निकला था। गांव के ही रामकृष्ण मंदिर पर स्लैब डालने का काम कर रहा था। मजदूर सपत ने शाम साढ़े पांच बजे निर्माण सामग्री जैसे ही वाइब्रेट मशीन डालकर स्विच ऑन किया। अचानक मशीन में उतरे करंट की चपेट में आकर वहीं गिरकर तड़पने लगा। साथी मजदूरों ने वाइब्रेटर मशीन बंद कराते हुए घायल युवक को बाहर निकाला और गंभीर हालत में इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौदहा कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सपत के बड़े भाई श्रीचंद्र ने थाना पहुंचकर घटना की जानकारी दी। बताया कि सपत पांच भाइयों में चौथे नंबर का था। सपथ अपने पीछे पत्नी पिंकी व तीन वर्षीय बेटे आयुष को छोड़ गया है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि मंदिर में छत डाल रहे मजदूर की करंट से मौत होने की सूचना मिली थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज गया है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

बहराइच, एजेंसी। नारायनपुर निवासी बाइक सवार को रविवार रात अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चचेरे भाई अनिल ने बताया कि अमित कुमार (39) रविवार की शाम बाइक से शादी का कार्ड देने अपने मामा के घर चैसार जा रहे थे। तुलसीराम पुरवा के निकट किसी अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे अमित गंभीर रूप से घायल हो गए। उधर से गुजर रहे लोगों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने अमित को आनन-फानन पयागपुर सीएचसी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण कर अमित को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना देते हुए शव आगे की कार्यवाही के लिए भेज दिया।

भारत-नेपाल सीमा से सटे क्षेत्र से हटाएंगे अतिक्रमण

बहराइच/बाबागंज, एजेंसी। नेपाल सीमा से सटे क्षेत्र से अतिक्रमण हटाया जाएगा। इसके लिए एसडीएम नानपारा ने सोमवार को राजस्व, पुलिस, एसएसबी व वन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सीमा से सटे शून्य से 15 किमी के संवेदनशील क्षेत्र में सरकारी जमीन पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाने की कार्ययोजना बनाई गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए एसडीएम मोनालिसा जौहरी ने कहा कि सरकारी जमीन पर किए गए कब्जे को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, विधिसम्मत और नियमों के तहत कराई जाए, जिससे आम जनमानस में प्रशासन के प्रति विश्वास मजबूत हो सके। तहसीलदार द्वारा एसडीएम को सौंपी गई रिपोर्ट में बताया कि सीमावर्ती क्षेत्र के शून्य से 15 किमी के दायरे में 367 अतिक्रमण चिह्नित किए गए थे। इनमें से 184 अतिक्रमण को पूर्व में हटाया जा चुका है, जबकि 13 जगहों से अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया चल रही है।

डीएम की अध्यक्षता में हुआ जनसुनवाई का आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान नगर निगम, जीडीए, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने सभी प्रार्थियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना व समझा गया। उन्होने प्रार्थियों से जाना कि उनके द्वारा पूर्व में भी इस सम्बंध में कोई प्रार्थना पत्र दिया गया था अथवा नहीं। उन्होने सभी प्रार्थियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का पूर्ण गुणवत्ता के साथ समाधान कराया जायेगा। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में आयी शिकायतों को शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं। उन्होने कहा कि स्थलीय निरीक्षण योग्य शिकायतों का स्थलीय निरीक्षण कर ही गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाएं। इसके साथ ही सभी शिकायतों के निस्तारण उपरान्त शिकायतकर्ता से उसका फीडबैक लेना भी सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण समाधान हेतु अधिकारी सदैव तत्पर रहें। इस दौरान एडीएम ई ज्योति मौर्या उपस्थित रहे।

प्रदेश में सभी सहायक शिक्षकों की नियुक्तियों की होगी जांच, फर्जी शिक्षकों की नियुक्ति रद्द करने के आदेश

लखनऊ, एजेंसी। पूरे प्रदेश भर के बेसिक शिक्षकों की नियुक्ति की जांच की जाएगी। ऐसा कोर्ट के आदेश के बाद होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस मामले में सख्त रूख अपनाया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बेसिक शिक्षा विभाग में फर्जी दस्तावेज के आधार पर नौकरी मामले में नाराजगी जताई है। साथ ही पूरे प्रदेश में सहायक अध्यापकों की नियुक्तियों की छह माह में जांच करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि धोखाधड़ी से प्राप्त नियुक्तियां न केवल अवैध हैं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था और छात्रों के भविष्य के साथ अन्याय है। यह तल्ख टिप्पणी न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने गरिमा सिंह की याचिका पर की। देवरिया के एक उच्चतर प्राथमिक विद्यालय में गलत दस्तावेज से नौकरी कर रही गरिमा सिंह की नियुक्ति निरस्त करने के मामले में हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि गलत प्रमाण पत्रों के आधार पर कई शिक्षक वर्षों तक सेवा में बने रहते हैं, जो अधिकारियों की मिलीभगत के बिना संभव नहीं है। ऐसी अवैध नियुक्तियां शिक्षा व्यवस्था की जड़ों को कमजोर करती हैं और छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करती हैं।

अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश : हाईकोर्ट ने प्रमुख सचिव (बेसिक शिक्षा) को निर्देश दिया कि पूरे प्रदेश में शिक्षकों की नियुक्तियों की गहन जांच कराई जाए। फर्जी पाए जाने वाले शिक्षकों की नियुक्ति तत्काल रद्द की जाए और उनसे वेतन भी वसूला जाए। ऐसे मामलों में लापरवाही या मिलीभगत बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

अविमुक्तेश्वरानंद बोले- हमारा पद सांविधानिक जो संविधान से पहले से चला आ रहा

वाराणसी, एजेंसी। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने सोमवार को प्रदेश के पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह पर हमला बोला और कहा कि हमारा पद सांविधानिक है जो संविधान से बहुत पहले से चला आ रहा। मंत्री ने कहा था कि देश संविधान से चलता है। हमारी सरकार अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य नहीं मानती है।

शंकराचार्य ने कहा कि किसी को हराने या जिताने के लिए नहीं बोलते। यह हमारा काम नहीं है। हां, अपनी करनी से कोई हार या जीत जाए तो हम क्या कर सकते हैं। हमारा काम सनातन धर्मियों को सच्ची शिक्षा देना है। गो माता की हत्या जैसे पाप से अपने सनातन समाज के अनुयायियों को बचाना है। इसके लिए काम कर रहे हैं।

बरेली में सिटी मजिस्ट्रेट रहे अलंकार अग्निहोत्री पर कहा कि वह रविवार की शाम आए थे। उस समय मेरा मौनकाल था। उनकी बातों को सुना। उन्होंने अपने आगे के आंदोलनों के बारे में बताया है। उन्हें तिलक लगाकर सम्मानित किया। उन्हें आशीर्वाद दिया। वह अपने लक्ष्य में सफल हों, लेकिन हम अपनी तरफ से उनसे बात नहीं कर पाए।

शंकराचार्य ने कहा कि त्यागपत्र अंलकार अग्निहोत्री ने दिया था। इनका त्यागपत्र जहां का तहां है। इनकी पेशबंदी में एक और त्यागपत्र दिलवाया गया था वह वापस हो चुका है। वह आदमी थूक कर चाट चुका है। हमने तभी कह दिया था यह जो त्यागपत्र दिया जा रहा है, यह चार दिन में वापस हो जाएगा।

जनता से हमारा संवाद चल रहा है। संतों के लिए पत्र लिख रहे हैं। हम देश के संतों से बात करना चाहते हैं कि आप किस दिशा में जा रहे हो। सनातन के साथ साथ की जो यात्रा है उसमें सनातन के साथ चल रहे हो कि कहीं बिखर कर रहे हो।

शंकराचार्य ने कहा कि गेरुआ वस्त्रों पर कहा कि मांस के व्यापारी के साथ मत जुड़िए। यह सोचकर कि यह गेरुआ कपड़ा पहने हुए हैं। गेरुआ रंग पर मत जाइए, उसका आचरण देखिए क्या है। उनका काम देखिए। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा मांस बिकता है। ऐसा नहीं होना चाहिए। माघ मेले में रखे गए सवा लाख शिवलिंग पर कहा कि वहां से मंगवा लिया है। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में गंगा के किनारे मंदिर बनवा रहे हैं। शिवरात्रि पर उसी मंदिर में उनकी प्रतिष्ठा शुरू हो जाएगी।

प्रदेश में आयकर से होगी यूपी की सबसे बड़ी कमाई

लगातार बढ़ रही है इनकम टैक्स देने वालों की संख्या

लखनऊ, एजेंसी। सरकार को होने वाली आमदनी केआंकड़ों पर नजर डालें तो यूपी को कस्टम ड्यूटी से 14347 करोड़ रुपये, यूनियन एक्साइज ड्यूटी से 6111 करोड़ रुपये और अन्य करों व शुल्कों से करीब 267 करोड़ रुपये मिलेंगे। केंद्रीय बजट में यूपी को मिलने वाले केंद्रीय करों की हिस्सेदारी में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। आमतौर पर देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता राज्य होने के कारण यूपी को सेंट्रल जीएसटी से सबसे अधिक राजस्व मिलने की उम्मीद रहती है, लेकिन इस बार तस्वीर बदली हुई है। आंकड़ों के मुताबिक यूपी को सबसे ज्यादा कमाई इनकम टैक्स से होगी, जो राज्य की बढ़ती आय, रोजगार और टैक्स बेस के विस्तार का संकेत है।

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए जारी राज्यवार वितरण तालिका के अनुसार यूपी को इनकम टैक्स के रूप में करीब 95698 करोड़ मिलने का अनुमान है। यह राज्य को मिलने वाली कुल केंद्रीय कर हिस्सेदारी का बड़ा हिस्सा है। इसके बाद कॉर्पोरेशन

टैक्स से लगभग 78939 करोड़ रुपये और सेंट्रल जीएसटी से करीब 73546 करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है। यानी केंद्र से मिलने वाले करों में सीजीएसटी यूपी की शीर्ष आय का स्रोत नहीं है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो यूपी को कस्टम ड्यूटी से 14347 करोड़ रुपये, यूनियन एक्साइज ड्यूटी से 6111 करोड़ रुपये और अन्य करों व शुल्कों से करीब 267 करोड़ रुपये मिलेंगे। सभी मदों को मिलाकर यूपी को केंद्र के करों में कुल 2.68 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की हिस्सेदारी मिलने का अनुमान है, जो देश में सबसे अधिक है। विशेषज्ञों के मुताबिक इनकम टैक्स से बढ़ी कमाई का सीधा मतलब है कि राज्य में करदाताओं की संख्या बढ़ी है और लोगों की औसत आय में सुधार हुआ है। बीते कुछ वर्षों में औद्योगिक निवेश, स्टार्टअप गतिविधियों, एमएसएमई विस्तार और संगठित रोजगार में वृद्धि से टैक्स नेटवर्क मजबूत हुआ है। इसका असर अब केंद्र से मिलने वाली हिस्सेदारी में साफ दिख रहा है।

सीजीएसटी में कम हिस्सेदारी : सीजीएसटी में अपेक्षाकृत कम हिस्सेदारी का कारण यह माना जा रहा है कि यूपी भले ही बड़ा उपभोक्ता राज्य है, लेकिन उत्पादन आधारित राज्यों की तुलना में यहां इनपुट टैक्स क्रेडिट और निर्यात आधारित गतिविधियां कम हैं। इसी वजह से जीएसटी में यूपी की हिस्सेदारी इनकम टैक्स और कॉरपोरेशन टैक्स से पीछे रह गई।

बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान : चट्टानों के चुंबकत्व से समझी जा रही धरती बनने की कहानी

लखनऊ, एजेंसी। बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान में चट्टानों के चुंबकत्व से धरती बनने की कहानी समझी जा रही है। दिशा ज्ञान के लिए पक्षी चुंबकीय क्षेत्र का उपयोग करते हैं।

राजधानी लखनऊ में बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान (बीएसआईपी) में रॉक मैग्नेटिज्म इन अर्थ साइंसेज विषय पर सोमवार को तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि पंजाब विवि के एमेरिटस प्रो. अशोक सहनी ने बताया कि 1980 के दशक से पूर्व दक्कन इंटरट्रैपियन शैलक्रमों को इओसीन काल का माना जाता था। लेकिन, 1980 के बाद इन निक्षेपों से डायनासोर की अस्थियां, अंडों के खोल और दांत मिलने के बाद इन्हें क्रेटेशस काल का माना गया। कहा कि पर्यावरणीय चुंबकत्व का उपयोग मिट्टी बनने की प्रक्रिया, धूल के स्रोतों की पहचान और प्रदूषण की निगरानी में किया जाता है।

इससे पहले उद्घाटन सत्र में संयोजक वैज्ञानिक-डी डॉ. मो. आरिफ ने बताया कि रॉक मैग्नेटिज्म का

उपयोग पुराचुंबकत्व, भूस्तरीय दिनांकन, प्लेट विवर्तनिकी और पुराजलवायु अध्ययन में किया जाता है। कार्यशाला की सह-संयोजक वैज्ञानिक-एफ डॉ. बिनिता फर्तियाल ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को रॉक मैग्नेटिज्म की बुनियादी जानकारी देना है।

एनसीईएसएस तिरुवनंतपुरम के पूर्व वैज्ञानिक-जी प्रो. टी. राधाकृष्णा ने पुराचुंबकत्व के क्षेत्र में और अधिक प्रयोगशालाओं की आवश्यकता पर जोर दिया। आईआईटी कानपुर के प्रो. अमर अग्रवाल, आईआईटी खड़गपुर के प्रो. मनीष ममतानी, डॉ. बिनिता फर्तियाल समेत कई अन्य ने अपनी बात रखी।

बीएसआईपी के निदेशक प्रो. एम. जी. ठक्कर ने कहा कि चुंबकीय मापों से मानसून की तीव्रता, अपरदन और पर्यावरणीय परिस्थितियों का अनुमान लगाया जा सकता है। पक्षी बिना दिशा के उड़ान नहीं भरते, बल्कि पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र का उपयोग दिशा-निर्धारण और मार्गदर्शन के लिए करते हैं, जिसे 'मैग्नेटोरिसेप्शन' कहा जाता है, जहां चुंबकीय संकेतों के आधार पर स्थानिक स्मृति कार्य करती है।

चट्टान चुंबकत्व (रॉक मैग्नेटिज्म) चट्टानों और मिट्टी में मौजूद चुंबकीय गुणों के अध्ययन से संबंधित है, जिससे पृथ्वी के पुराने चुंबकीय क्षेत्र, जलवायु परिवर्तन, भूगर्भीय प्रक्रियाओं और पर्यावरणीय बदलावों को समझने में मदद मिलती है।

संपत्ति का ब्योरा न देने वालों पर शासन सख्त, जानकारी दिए बिना वेतन निकला तो नपेंगे डीडीओ

लखनऊ, एजेंसी। संपत्ति का ब्योरा न देने वाले राज्य कर्मियों को जनवरी माह का वेतन मिला तो आहरण वितरण अधिकारी (डीडीओ) पर भी कार्रवाई होगी। इस संबंध में मुख्य सचिव ने कड़े निर्देश जारी कर दिए हैं। निर्धारित तिथि 31 जनवरी तक कुल 47816 कर्मचारियों व अधिकारियों ने मानव संपदा पोर्टल पर अपनी संपत्ति का ब्योरा नहीं दिया है।

मुख्य सचिव की ओर से जारी शासनादेश में कहा गया है कि राज्यकर्मियों के लिए 31 जनवरी तक अपनी चल-अचल संपत्ति का ब्योरा मानव संपदा पोर्टल पर देना अनिवार्य किया गया था। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए थे कि जनवरी माह का देय वेतन फरवरी में उन्हीं कर्मचारियों को दिया जाए, जिन्होंने संपत्ति का ब्योरा दे दिया है।

अगर पोर्टल पर यह सूचना अपलोड न करने के बाद भी किसी कार्मिक को वेतन दिया गया है तो आहरण वितरण अधिकारी का उत्तरदायित्व तय करते हुए कार्रवाई की जाए। संबंधित सूचना सप्ताह भर के भीतर शासन को भी उपलब्ध कराई जाए।

यहां बता दें कि प्रदेश में कुल 865390 राज्य कर्मचारी व अधिकारी हैं। क्लास-1 के 2228, क्लास-2 के 5688 और क्लास-3 के 24665 कार्मिकों ने संपत्ति का ब्योरा नहीं दिया है। 15235 कर्मचारी चतुर्थ श्रेणी के हैं।

98 फीसद पुलिसकर्मियों ने दे दिया ब्योरा : प्रदेश में पुलिस बल के 98 फीसद से अधिक कर्मियों ने अपनी संपत्तियों का ब्योरा मानव संपदा पोर्टल पर दिया है। शासन के निर्देश पर संपत्तियों का ब्योरा देने में खाकी ने अनुशासन दिखाया है। जिन दो फीसद पुलिसकर्मियों ने ब्योरा नहीं दिया है, उनमें अधि5तर लंबी छुट्टी पर गए, अनुपस्थित और निलंबित कर्मी शामिल हैं।

बता दें कि मुख्य सचिव ने सभी राज्यकर्मियों को अपनी संपत्तियों का ब्योरा मानव संपदा पोर्टल पर देने का निर्देश दिया था। जिन कर्मियों द्वारा ब्योरा नहीं दिया गया है, उनका जनवरी माह का वेतन रोक लिया गया है।

पुलिस विभाग में भी ब्योरा नहीं देने वाले करीब दो फीसद कर्मियों का वेतन जारी नहीं किया गया है। बीते वर्ष भी 98 फीसद पुलिसकर्मियों ने अपनी संपत्तियों का ब्योरा दिया था, जिसे तकनीकी सेवा शाखा द्वारा मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड किया गया था।

वेतन भुगतान के लिए मदरसा मिनी आईटीआई कर्मियों ने घेरा निदेशालय : मदरसा शिक्षा परिषद की मिनी आईटीआई के प्रशिक्षकों और कर्मचारियों ने सोमवार को अल्पसंख्यक कल्याण निदेशालय का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने बीते छह महीने से वेतन न मिलने पर नाराजगी जताई। आरोप लगाया कि मानक पूरा न होने का बहाना बना कर निदेशक ने 58 मिनी आईटीआई का बजट जारी नहीं किया। ऐसे में प्रशिक्षक और कर्मचारियों के भूखे मरने की नौबत आ गई है। उन्होंने बजट जारी कर वेतन का भुगतान करने की मांग की।

इंदिरा भवन स्थित निदेशालय के घेराव की अगुवाई कर रहीं मदरसा मिनी आईटीआई स्टाफ वेलफेयर एसोसिएशन की महासचिव सूफिया बानो ने बताया कि निदेशक ने मानक पूरा न करने का बहाना लगाकर 58 मिनी आईटीआई सेंटरों का बजट रोक दिया है। उन्होंने कहा कि अगर कुछ सेंटर मानक पूरे नहीं कर रहे तो सभी केंद्रों का बजट रोकना गलत है। बाराबंकी से आए नबीउल्लाह ने कहा कि नियुक्ति का काम डीएम की अध्यक्षता वाली कमेटी करती है। अगर किसी सेंटर में कर्मचारियों के मानक पूरे नहीं है तो इसमें हम लोगों की क्या गलती है। संगठन के अध्यक्ष मोतीउल्लाह फौजी ने कहा, निदेशक मनमानी कर रहे हैं।

पीएम आवास...पांच साल बीते फिर भी नहीं पड़ी छत

हमीरपुर, एजेंसी। बेघर लोगों को खुद की छत मुहैया कराने के लिए वर्ष 2017-18 में लागू की गई प्रधानमंत्री आवास योजना का क्रियान्वयन शहर में आठ साल बीतने के बाद भी गर्त में है। यही कारण है कि पांच साल पहले स्वीकृति हुए आवास की छत अभी तक नहीं पड़ सकी है। किस्तों के अभाव में लाभार्थियों के घर की छत के सपने अटके हैं। वर्ष 2017-18 से लेकर 2023-24 तक जिले को कुल 13,268 शहरी पीएम आवास बनाए जाने की स्वीकृति मिली थी, लेकिन इनमें से डूडा विभाग 13,005 आवास पूरे होने का दावा कर रहा है। जबकि अभी भी 114 लाभार्थियों को छत पड़ने का सपना अधूरा है। विभाग इनको नोटिस जारी कर जल्द से जल्द छत डलवाए जाने के लिए निर्देशित कर रहा है और योजना की तीसरी किस्त भी रोक रखी है। वहीं 24-25 में जिले को एक भी आवास नहीं मिले। सदर तहसील के वार्ड कुछेछा निवासी लाभार्थी रहमान उर्फ पप्पू ने बताया कि वह अविवाहित है। उसका बड़ा भाई व उसके बच्चे अलग रहते हैं। उसका वर्ष 2021 में पीएम आवास स्वीकृति हुआ था। योजना के तहत उसे दो किस्त प्राप्त हो चुकी हैं। दूसरी किस्त के 38 हजार रुपये घर से चोरी हो जाने के कारण उसकी छत नहीं पड़ पा रही है। तीसरी किस्त अटकी होने से छत का सपना पूरा नहीं हो पा रहा है। जबकि विभाग से कई बार तीसरी किस्त भेजे जाने की गुहार लगा चुका है। वर्ष 2017-18 से लेकर 2023-24 तक जिले को कुल 13,268 शहरी पीएम आवास बनाए जाने की स्वीकृति मिली थी। इनमें से डूडा विभाग 13,005 आवास पूरे होने का दावा कर रहा है। छत लेबल तक 13,205 आवास पूरे हैं। अभी भी 114 आवास अधूरे हैं। वर्ष 2017-18 में कुल 978 शहरी पीएम आवास जिले को मिले थे।

संक्षिप्त समाचार

हत्याकांड में शामिल 4 नाबालिगों को किया गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। पटना के मसौढ़ी में युवक रोहित कुमार की चाकू मारकर हत्या की गई थी। मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। प्रेम-प्रसंग को लेकर वारदात हुई है। जिसमें पुलिस ने 4 नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार ने बताया कि घटना 31 जनवरी को मसौढ़ी बाजार स्थित सामुदायिक भवन के पास हुई थी। कुछ युवकों ने छात्र रोहित कुमार को चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घायल रोहित कुमार को तुरंत एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। घटना के बाद रोहित के पिता गिरिजा कुमार ने मसौढ़ी थाने में 11 युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए 4 नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। बताया जा रहा है कि सभी छात्र मसौढ़ी के एक ही कोचिंग संस्थान में पढ़ते थे। प्रेम-प्रसंग को लेकर छात्रों के बीच आपसी विवाद हुआ था, जिसके बाद रोहित कुमार को चाकू मारकर घायल कर दिया गया था।

पटना में नए विधायक फ्लैट परिसर में शॉर्ट-सर्किट

पटना, एजेंसी। पटना के वीरचंद पटेल मार्ग स्थित नवनिर्मित विधायक फ्लैट परिसर में एल एंड टी कंपनी के केबल में अचानक आग लग गई। तारों में आग लगते ही तेज चिंगारी निकलने लगी। पटाखें जैसे आवाजें उठने लगी। जिससे पूरे परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के वक्त परिसर में तैनात सुरक्षा कर्मियों ने चिंगारी देखी। हालात की गंभीरता को समझते हुए उन्होंने तुरंत वरीय अधिकारियों को इसकी सूचना दी, समय रहते प्रशासन हरकत में आ गया। आग लगने की जानकारी मिलते ही बिजली विभाग ने एहतियातन पूरे इलाके की बिजली काट दी, ताकि किसी तरह का बड़ा नुकसान न हो। बताया गया कि केबल के कवर तार में आग लगी थी, जिससे शॉर्ट-सर्किट हो गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड ने स्थिति को तुरंत नियंत्रण में लिया, जबकि बिजली विभाग के इंजीनियरों ने क्षतिग्रस्त केबल को हटाने का काम शुरू किया। विद्युत विभाग ने पुराने जले हुए केबल को हटाकर नया केबल लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा मानकों की जांच के बाद ही बिजली आपूर्ति पूरी तरह बहाल की जाएगी। घटना में किसी के घायल होने या बड़े नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन अचानक हुई इस घटना से फ्लैट परिसर में रहने वाले लोगों में डर का माहौल जरूर बन गया। समय पर की गई कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया।

63 लाख को फाइलेरिया की दवा खिलाने का लक्ष्य-सीएस

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के नव नियुक्त सिविल सर्जन (सीएस) डॉ. दिलीप कुमार ने पदभार ग्रहण करने के पहले ही दिन सक्रियता दिखाई। सोमवार को उन्होंने राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत आयोजित एक मीडिया कार्यशाला में भाग लिया। यह कार्यशाला सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) के सहयोग से आयोजित की गई थी, जिसका उद्घाटन डॉ. कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर सीएस डॉ. दिलीप कुमार ने स्पष्ट किया कि जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई स्तरों पर बदलाव की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि पदभार संभाले अभी 24 घंटे भी नहीं हुए हैं, लेकिन इतने कम समय में ही उन्हें कई महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी मिली है। इस संबंध में वे जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर आवश्यक चर्चा भी कर चुके हैं। सीएस ने बताया कि जिले में कुल 63 लाख पात्र व्यक्तियों को फाइलेरिया से बचाव के लिए दवा खिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने सभी से अभियान की सफलता के लिए सर्वजन दवा सेवन करने की अपील की। इस दवा में डीईसी और एल्बेंडाजोल शामिल हैं, जो हाथी पांव और फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि दवा का सेवन आशा और स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में उनके सामने ही किया जाए। कार्यशाला में बताया गया कि सीफार के सहयोग से जिले में सीएचओ लीड रोगी हितधारक मंच का गठन किया गया है। यह मंच फाइलेरिया सहित अन्य बीमारियों के उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस मौके पर मधुबन प्रखंड के जिताउरा निवासी सीएचओ लीड पीएसपी सदस्य सह स्वयंसेवक जयशंकर यादव को सीएस डॉ. दिलीप कुमार और एसीएमओ एसएन सत्यर्थी द्वारा विकलांगता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। सीएस ने आगामी फाइलेरिया उन्मूलन 'महा-अभियान' की जानकारी दी, जो 11 फरवरी को चलाया जाएगा। इसके तहत 10 से 24 फरवरी तक आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर दवा खिलाएंगी। वहीं, 25 से 27 फरवरी तक स्कूलों में बूथ लगाकर बच्चों को दवा दी जाएगी। इस महा-अभियान के लिए जिले में 3,166 टीमें और 316 पर्यवेक्षक तैनात किए जाएंगे।

बाहुबली अनंत सिंह जेल से सीधे आए विधानसभा

सीएम नीतीश कुमार से लिया आशीर्वाद

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के ठीक पहले प्रचार के दौरान एक प्रत्याशी के करीबी की हुई हत्या के मामले में आरोपी अनंत सिंह ने मंगलवार को बजट सत्र के दौरान विधानसभा सदस्यता की शपथ ली।

अनंत सिंह आए भी अलग अंदाज से और निकले भी अनोखे अंदाज में। कभी घोड़ों तो कभी अपनी बोली के कारण वायरल रहे बाहुबली अनंत सिंह ने मंगलवार को बेउर जेल से बिहार विधानसभा का सफर किया।

गौरतलब है कि विधायक चुने जाने के बाद अनंत सिंह शपथ नहीं ले सके थे। अनुमति मिली तो पहुंचे। सावधान मुद्रा में पहुंचकर शपथ ली। सीएम नीतीश कुमार के पैर छुए। और निकले तो शेर की तरह एम्बुलेंस के पीछे की तरफ खुले हाथ बैठकर फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी करा निकल गए।

एक मामले में सजा होने के आधार पर विधायकी चले जाने के बाद अनंत सिंह ने अपनी पत्नी को मोकामा विधानसभा के उप चुनाव में उतारा था। वह जीतकर विधायक बनी थीं। वह राजद के टिकट पर विधायक थीं, लेकिन 2024 में एनडीए सरकार की वापसी के समय बहुमत साबित किए जाने के दौरान उन्होंने सत्ता का साथ

दिया। इसके कुछ समय बाद अनंत सिंह की रिहाई हो गई।

वह बरी हो गए तो बिहार चुनाव 2025 में खुद उतरे। उन्होंने राजद की वीणा देवी को 28206 मतों से हराया। मोकामा सीट पर चुनाव से पहले प्रचार के दौरान एक प्रत्याशी के समर्थक की हत्या हो गई थी, जिसमें अनंत सिंह को मुख्य आरोपी बनाया गया था। वह जीतने के बावजूद शपथ नहीं ले सके थे। अब 3 फरवरी को बजट पेश होने से पहले उन्होंने अनुमति मिलने के आधार पर शपथ ली।

अनंत सिंह बोले- मैं निर्दोष हूं, मुझे न्याय की उम्मीद : विधानसभा से निकलने के दौरान अनंत सिंह ने कहा, 'मैं न्याय की उम्मीद करता हूं। जांच चल रही है, 100 परसेंट न्याय मिलने की उम्मीद है। विपक्ष अब बोलने लायक नहीं है। तेजस्वी को अब किसी और पार्टी से टिकट लेकर चुनाव लड़ना होगा।' नीट छात्रा रेप-हत्या मामले में अनंत सिंह से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। बेऊर जेल से अनंत सिंह को एंबुलेंस से विधानसभा लाया गया था। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, 'तबीयत ठीक नहीं होने की वजह से शपथ लेने में देरी हुई।'

जब उनसे पूछा गया कि वो मोकामा की जनता से कब मिलेंगे। इस पर उन्होंने कहा, 'जब जज साहब चाहेंगे तब ही ना जेल से बाहर आएंगे। मैंने बेल के लिए अप्लाई किया है।' जानकारी के मुताबिक, कोर्ट ने अनंत सिंह को केवल शपथ ग्रहण के लिए अनुमति दी है। दुलारचंद यादव हत्याकांड में उन्हें फिलहाल जमानत नहीं मिली है।

प्रगति ने संभाली बिहार महिला क्रिकेट टीम की कमान

छपरा, एजेंसी। सीमित संसाधनों और ग्रामीण चुनौतियों के बीच पले-बढ़े सपनों को हकीकत में बदलने की मिसाल सारण जिले के सोनपुर प्रखंड अंतर्गत पहाड़ी चक गांव की बेटी प्रगति सिंह ने पेश की है। ललन सिंह की पुत्री प्रगति सिंह को बिहार स्टेट वूमेंस क्रिकेट टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जो आगामी प्रतियोगिता में भुवनेश्वर में टीम का नेतृत्व करेंगी।

यह उपलब्धि केवल खेल के क्षेत्र में सफलता नहीं, बल्कि सामाजिक सोच में बदलाव का प्रतीक भी मानी जा रही है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर अंतर्राज्यीय क्रिकेट में पहचान बनाना और अब राज्य टीम की कमान संभालना, प्रगति की मेहनत और जज्बे को दर्शाता है। सारण ही नहीं, पूरे बिहार के लिए यह एक गर्व का क्षण है।

पिछले पांच वर्षों से सारण जिला क्रिकेट संगठन से जुड़ी प्रगति सिंह ने कठिन परिस्थितियों में निरंतर अभ्यास करते हुए खुद को एक सशक्त ऑलराउंडर के रूप में स्थापित किया है। बाएं हाथ की सधी हुई बल्लेबाजी और प्रभावशाली गेंदबाजी ने उन्हें टीम का भरोसेमंद खिलाड़ी बनाया है। इससे पहले भी वह बिहार टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं, लेकिन कप्तानी की जिम्मेदारी उन्हें पहली बार सौंपी गई है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि प्रगति सिंह का संयमित स्वभाव, अनुशासन और खेल की गहरी समझ टीम को एकजुट रखने में मदद करेगी। उनके नेतृत्व में बिहार महिला क्रिकेट टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। गंगा और गंडक नदी के तट पर बसे सोनपुर के पहाड़ी चक गांव से निकलकर बिहार महिला टीम की कप्तान बनना, उन तमाम ग्रामीण बेटियों के लिए प्रेरणा है जो संसाधनों के अभाव में अपने सपनों को अधूरा मान लेती हैं।

कांग्रेस में नेता चयन का सस्पेंस बरकरार, फिर होगी बैठक

पटना, एजेंसी। पटना के एक होटल में आज कांग्रेस की बड़ी बैठक हुई है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू सहित बिहार के सभी 6 विधायक मौजूद रहे। कल बजट जारी होने के बाद सरकार को किस तरीके से घेरना है इस पर रणनीति बनी है। विधायक दल के नेता को लेकर अंतिम मुहर लगनी थी, पर वो नहीं लगी। विधायक दल के नेता को लेकर आगे फिर मीटिंग होगी। पार्टी के 6 विधायकों के बीच इस पर आपस में सहमति नहीं बन पाने के कारण अब तक यह मामला अटका हुआ है। सूत्रों के हवाले से सभी 6 विधायक को सदन में तेजस्वी के साथ रहने को कहा गया है। महागठबंधन की एकजुटता को दिखाने की बात कही गई है। कल शाम 5:00 बजे महागठबंधन की तेजस्वी आवास पर बैठक होगी। महागठबंधन के सभी विधायक इसमें मौजूद रहेंगे। विधानसभा चुनाव परिणाम के 2 महीने बाद भी कांग्रेस प्रदेश में विधायक दल का नेता नहीं चुन पाई है। इस बीच विधानसभा का एक सत्र बीत चुका है और आज से बजट सत्र शुरू है। 23 जनवरी को दिल्ली में बिहार कांग्रेस की बड़ी बैठक थी। ऐसे में दिल्ली तलब किए गए विधायकों की मौजूदगी में आलाकमान बिहार में विधायक दल के नेता पर अंतिम मुहर लगाने की बात थी। मगर तब भी बात नहीं बनी। प्रदेश नेतृत्व की ओर से सदाकत आश्रम में बुलाई गई बैठकों में कई विधायक मौजूद नहीं रहे थे। उनकी गैरमौजूदगी के बाद अब दिल्ली में क्राइसिस मैनेजमेंट की कवायद की गई है। मनरेगा आंदोलन के लिए बुलाई गई बैठक में कांग्रेस के 2 विधायक मौजूद नहीं थे।

थानाध्यक्ष पर व्यवसायी से थाने में मारपीट का आरोप,

एसएसपी ने एसडीपीओ को दिया जांच का निर्देश

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में बेंता थानाध्यक्ष हरेंद्र कुमार पर महिला डॉक्टर से गाली-गलौज का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि अब कुशेश्वरस्थान थानाध्यक्ष अंकित चौधरी और एसआई मनोज कुमार शर्मा पर एक दवा व्यवसायी से थाने में मारपीट का गंभीर आरोप सामने आया है। इस मामले में व्यवसायी ने एसएसपी से लिखित शिकायत कर जांच की मांग की है।

दवा व्यवसायी आनंद खेतान ने एसएसपी को दिए आवेदन में कहा है कि थाने में हुई पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड है। उन्होंने फुटेज की जांच कर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। शिकायत मिलते ही एसएसपी ने मामले की जांच का निर्देश बिरौल एसडीपीओ प्रभाकर चौधरी को दे दिया है।

आवेदन के अनुसार, आनंद खेतान एक फरवरी को दो दिन पूर्व कटे चालान के संबंध में जानकारी लेने कुशेश्वरस्थान थाना पहुंचे थे। उस समय थानाध्यक्ष मौजूद नहीं थे। वहां तैनात एसआई अंशु कुमारी से पूछताछ के दौरान कथित तौर पर बदतमीजी का सामना करना पड़ा, जिसके बाद वह बिना कोई विवाद किए अपनी दुकान लौट गए।

कुछ देर बाद थानाध्यक्ष के आने की सूचना मिलने पर आनंद खेतान फिर थाना पहुंचे। आरोप है कि उन्हें देखते ही एसआई अंशु कुमारी ने अभद्र व्यवहार किया और

चौकीदार से उनका मोबाइल जब्त करवा लिया। घटना की जानकारी मिलने पर उनके भाई सतीश खेतान भी थाना पहुंच गए।

व्यवसायी का आरोप है कि इसके बाद एसआई मनोज कुमार शर्मा और थानाध्यक्ष अंकित चौधरी ने दोनों भाइयों के साथ गाली-गलौज करते हुए उन्हें कम्प्यूटर रूम में बंद कर मारपीट की। बाजार के अन्य व्यवसायियों के जुटने पर पीआर बांड बनाकर दोनों को छोड़ा गया।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि थाने से निकलते समय एसआई मनोज कुमार शर्मा और एसआई अंशु कुमारी ने धमकी दी कि यदि इस घटना की शिकायत किसी अधिकारी या मीडिया से की गई तो महिला एसआई के कपड़े फाड़ने का आरोप लगाकर जेल भेज दिया जाएगा। इस पूरे मामले पर एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने कहा है कि आरोपों की जांच बिरौल एसडीपीओ प्रभाकर चौधरी को सौंपी गई है। जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

छपरा होटल गोलीबारी का खुलासा, पुरानी रंजिश वजह

छपरा, एजेंसी। छपरा शहर के भगवान बाजार थाना क्षेत्र की वीआईपी गली स्थित ललित होटल के समीप रविवार देर शाम हुई गोलीबारी का सारण पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना आपसी वर्चस्व, पुरानी रंजिश और मारपीट का परिणाम थी। वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी दी। पीएनबी एटीएम के पास दोनों पक्षों में हुई थी कहासुनी

पुलिस को 1 फरवरी को शाम करीब 6:38 बजे होटल के बाहर गोली चलने की सूचना मिली थी। अनुसंधान में पता चला कि घायल पंकज कुमार पाण्डेय और आरोपी सोनू सिंह व कालू सिंह के बीच पहले से विवाद चल रहा था। इसी पुराने विवाद को लेकर भगवान बाजार थाना क्षेत्र के पीएनबी एटीएम के पास दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी। इसके बाद पंकज होटल की ओर चला गया।

घटना की जानकारी मिलने पर पंकज का छोटा भाई अभिषेक कुमार पाण्डेय मौके पर पहुंचा। उसने सोनू, कालू सिंह और रितिक सिंह को गाली-गलौज की। जब अभिषेक होटल पहुंचा, तो रितिक सिंह को गाली दिए जाने की बात पता चली। इसी रंजिश में रितिक सिंह ने होटल के पास जाकर अभिषेक पर गोली चला दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मारपीट के दौरान पंकज भी जख्मी हो गया।

दोनों घायलों, अभिषेक कुमार पाण्डेय और पंकज कुमार पाण्डेय, को तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल,

छपरा में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने उनकी स्थिति सामान्य बताई है। इस मामले में घायल पंकज कुमार पाण्डेय के बयान पर भगवान बाजार थाना कांड संख्या 87/26 दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी रितिक सिंह और घायल पंकज दोनों पहले भी जेल जा चुके हैं तथा उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सदर-1 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान दल का गठन किया गया है। टीम द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है।

पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत हेल्पलाइन नंबर 9031036406 या नजदीकी थाने को दें। फिलहाल क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य बताई गई है।

जेपीयू स्नातक प्रथम सेमेस्टर के फॉर्म भरने की तिथि जारी

छपरा, एजेंसी। छपरा स्थित जयप्रकाश विश्वविद्यालय (जेपीयू) ने स्नातक सीबीसीएस सत्र 2025-29 के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा के लिए फॉर्म भरने की तिथियां घोषित कर दी हैं। विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, सभी संबद्ध महाविद्यालयों में 5 फरवरी से 15 फरवरी 2026 तक परीक्षा फॉर्म भरे जाएंगे। छात्रों को निर्धारित तिथि के भीतर ही आवेदन करना अनिवार्य होगा।

परीक्षा फॉर्म भरने के लिए 600 रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। यह शुल्क छात्रों को ऑनलाइन माध्यम से सीधे जयप्रकाश विश्वविद्यालय के खाते में जमा करना होगा। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि के बाद किसी भी छात्र को फॉर्म भरने का दोबारा मौका नहीं दिया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा फॉर्म से संबंधित सभी विस्तृत दिशा-निर्देश अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिए हैं। छात्रों को सलाह दी गई है कि वे फॉर्म भरने से पहले वेबसाइट पर उपलब्ध नियमों और निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि से बचा जा सके।

परीक्षा विभाग ने यह भी निर्देश दिया है कि फॉर्म भरने से पहले छात्र अपना पंजीयन प्रमाण पत्र, अंक प्रमाण पत्र और प्रवेश पत्र की छायाप्रति संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य से अभिप्रमाणित करा लें। यह प्रक्रिया अनिवार्य है।

मुंगेर में ऑटो चालकों के विवाद में गोलीबारी:एक महिला घायल, आरोपी ऑटो चालक अरेस्ट

मुंगेर, एजेंसी। मुंगेर के सफियासराय थाना क्षेत्र के प्रेम टोला फरदा गांव में सोमवार शाम करीब 5 बजे दो पड़ोसी परिवारों के बीच हुए विवाद में गोलीबारी हुई। इस घटना में बीच-बचाव करने आईं 60 वर्षीय वंदना देवी के दाहिने जांघ में गोली लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों ने तुरंत वंदना देवी को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद, डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए बेगूसराय रेफर कर दिया। परिजन उन्हें बेगूसराय ले गए हैं।

घायल वंदना देवी के भतीजे सुगन यादव ने सदर अस्पताल में बताया कि विवाद ऑटो चलाने को लेकर शुरू हुआ था। सोमवार दोपहर करीब 2 बजे सूर्यगढ़ा बाजार में उनके पड़ोसी ऑटो चालक मनु यादव ने उनकी ऑटो में टक्कर मार दी थी। इस पर दोनों के बीच विवाद हुआ और मनु यादव ने अपने सहयोगियों के साथ सुगन से मारपीट की।

सुगन यादव के अनुसार, इस घटना के बाद वह अपने गांव लौट आए। शाम को नशे में धुत मनु यादव उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए उनके घर पहुंचा। जब परिवार के

अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, तो मनु यादव ने सुगन के दाहिने हाथ पर लोहे के सरिये से वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। इसके बाद मनु यादव ने हथियार निकालकर सुगन पर फायरिंग कर दी। हालांकि, गोली सुगन की बड़ी मां वंदना देवी के दाहिने जांघ में जा लगी, जो बीच-बचाव करने सामने आई थीं। घटना के तुरंत बाद, सुगन के परिवार के सदस्यों ने मनु यादव को पकड़ लिया और उसे सदर अस्पताल ले जाकर स्थानीय कोतवाली थाना पुलिस के हवाले कर दिया।

मनु गांव के रंजीत मंडल का ऑटो भाड़ा में चलाता था, जब मारपीट और गाली गलौज की घटना हुई तो रंजीत मंडल ने उसका ऑटो छीन लिया जिसको मनु ने धमकी देते हुए कहा की तुम्हे गोली मार देंगे। उन्होंने कहा मनु प्रदेश में मजूदरी का काम करता है और कुछ दिन पहले गांव आया था। वही नशे में धुत गिरफ्तार युबक ने बताया की हम उड़ीसा में मजदूरी का काम करते है और रविवार को अपने गांव आये थे। वही सोमवार की दोपहर पड़ोसी सुगन यादव का परिवार ने हमारे परिवार के साथ गाली गलौज किया था और हमलोगों के द्वारा समझाने के बाद भी वे लोग नहीं माने।

उन्होंने कहा की दोनों परिवार के बीच विवाद हुआ इस दौरान गोली किसने चलायी मुझे मालुम नहीं है। वही जब मनु से पुलिस ने पूछा की तुम नशे में क्यों हो तो उसने बताया की वह हावड़ा से शराब लेकर आया था और घर में पिया था। उन्होंने कहा की तीन साल से उड़ीसा में मजदूरी का काम करते हैं।

उन्होंने अपने बचाव में कहा कि हमारे ऊपर जो भी आरोप लगाया जा रहा है वह गलत है। आरोपी मनु ने सुगन यादव यादव पर आरोप लगाते हुए कहा कि हमारे साथ उनलोगों ने मारपीट के दौरान मेरा तीस हजार का मोबाईल गायब कर दिया है।

वही घटना के संबंध में सफियासराय थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया की सूर्यगढ़ा बाजार में मनु यादव और सुगन यादव के बीच विवाद हुआ था। वही यह विवाद घर तक पहुंचा जहां दोनों पड़ोसी के बीच मारपीट हुई। जिसमें एक बुजुर्ग महिला को गोली लगी है। उन्होंने कहा इस मामले में एक व्यक्ति मनु यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित पक्ष द्वारा अब तक आवेदन नहीं मिला है। पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है।

यमुना प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई : हेरिटेज सिटी व राया अर्बन सेंटर क्षेत्र में 25 हेक्टेयर भूमि अतिक्रमण से मुक्त, अवैध होटल ढाबे और कॉलोनियां ध्वस्त

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए एक व्यापक ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर प्राधिकरण की टीम ने 4 फरवरी 2026 को बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए हेरिटेज सिटी और राया शहरी केंद्र क्षेत्र में फैले अवैध निमार्णों को हटाया। इस अभियान के दौरान लगभग 25 हेक्टेयर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब एक हजार करोड़ रुपये बताई जा रही है। प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार यह भूमि ग्राम पिपरौली खादर, अरूवा खादर और पानी गांव खादर क्षेत्र में स्थित है, जहां लंबे समय से अवैध निर्माण और कब्जे की शिकायतें मिल रही थीं। कार्रवाई के दौरान निमार्णाधीन अवैध होटल, ढाबे और अन्य व्यावसायिक ढांचे गिराए गए। यमुना नदी के किनारे करीब दो हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी पर भी बुलडोजर चलाया गया और वहां किए गए प्लॉटिंग व निर्माण कार्य को ध्वस्त कर दिया गया। हेरिटेज सिटी के कोर क्षेत्र में अरूवा खादर और पिपरौली खादर गांव की

जमीन पर दो बड़ी अवैध कॉलोनियां बसाई जा रही थीं। प्राधिकरण ने इन्हें नियमों के विरुद्ध मानते हुए मौके पर ही तोड़फोड़ की कार्रवाई की। अधिकारियों का कहना है कि बिना स्वीकृति नक्शा और बिना वैधानिक अनुमति के किसी भी प्रकार का निर्माण स्वीकार नहीं किया जाएगा। हेरिटेज सिटी को प्रदेश सरकार की प्राथमिकता वाली परियोजना माना जा रहा है। इस क्षेत्र को योजनाबद्ध तरीके से विकसित करने की तैयारी है, लेकिन इसके बीच अवैध रूप से होटल, भोजनालय और अन्य व्यावसायिक ढांचे खड़े किए जा रहे

थे, जिससे परियोजना की रूपरेखा प्रभावित हो रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए प्राधिकरण ने सख्त कदम उठाया। पूरा अभियान विशेष कार्य अधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाया गया। उनके साथ डिप्टी कलेक्टर शिव अवतार सिंह, अभिषेक शाही और कृष्ण गोपाल त्रिपाठी भी मौजूद रहे और मौके पर रहकर कार्रवाई की निगरानी करते रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने पहले से चिन्हित स्थलों पर एक साथ कार्रवाई कर अवैध निमार्णों को हटवाया।ट जिला प्रशासन की ओर से भी व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। उपजिलाधिकारी मांट रितु सिरोही और क्षेत्राधिकारी पी. सिंह के नेतृत्व में 11 थानों की पुलिस, बड़ी संख्या में पुलिस बल और प्रांतीय सशस्त्र बल की टुकड़ियां तैनात रहीं। सुरक्षा घेरे के बीच पूरी कार्रवाई शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न कराई गई। किसी प्रकार के विरोध या अवरोध की स्थिति न बने, इसके लिए पहले से तैयारी की गई थी। अभियान सुबह से शुरू होकर शाम लगभग छह बजे तक लगातार चलता रहा। इस दौरान कई स्थानों पर जेसीबी मशीनों और अन्य उपकरणों की मदद से अवैध ढांचों को हटाया गया। प्राधिकरण की टीम ने जमीन की सीमांकन रेखाएं भी स्पष्ट कराईं ताकि दोबारा कब्जा न हो सके। प्राधिकरण अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी अवैध अतिक्रमण और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ इसी प्रकार कठोर अभियान जारी रहेगा। बिना अनुमति कॉलोनी बसाने, भूखंड काटने या व्यावसायिक निर्माण करने वालों पर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। लोगों से अपील की गई है कि किसी भी भूमि या परियोजना क्षेत्र में निवेश से पहले प्राधिकरण से वैधता की जांच अवश्य करा लें, ताकि बाद में नुकसान से बचा जा सके।

भनौता में अवैध बसावट पर प्राधिकरण की कड़ी कार्रवाई, 10 हजार वर्ग मीटर भूमि अतिक्रमण मुक्त

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) अधिसूचित क्षेत्र के गांव भनौता में अवैध निर्माण और अनधिकृत भूखंड कटान की कोशिशों पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़े पैमाने पर ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। प्राधिकरण की टीम ने मौके पर पहुंचकर करीब 10 हजार वर्ग मीटर जमीन पर किए गए अवैध निर्माण और घेराबंदी को गिरा दिया। मुक्त कराई गई भूमि का अनुमानित मूल्य लगभग 20 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में सुरक्षा कर्मी मौजूद रहे, जिससे पूरे क्षेत्र में प्रशासनिक सख्ती का संदेश गया। यह कार्रवाई प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर की गई। परियोजना विभाग के कार्य वृा दो की टीम ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया। जांच में सामने आया कि संबंधित खसरा संख्या 135 की भूमि पर कुछ कालोनाइजर अवैध रूप से बाउंड्री कर भूखंड तैयार करने और कॉलोनी बसाने की तैयारी में थे। बिना स्वीकृत नक्शा और अनुमति के निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा था। प्राधिकरण के

सहायक मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव ने स्पष्ट कहा कि अधिसूचित क्षेत्र में किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य बिना विधिवत अनुमति स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि नियमों की अनदेखी कर निर्माण करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी तरह कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने आम नागरिकों से भी सावधानी बरतने की अपील की और कहा कि कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण के भूलेख विभाग से सत्यापन अवश्य करा लें, ताकि अवैध कॉलोनियों के जाल में फंसने से बचा जा सके। महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह के अनुसार प्राधिकरण को उक्त भूमि पर अवैध निर्माण की शिकायत प्राप्त हुई थी।

शिकायत के सत्यापन के बाद टीम ने स्थल का निरीक्षण किया और अनियमितता पाए जाने पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही तय की गई। निर्धारित योजना के तहत दल ने मौके पर पहुंचकर अवैध ढांचे, अस्थायी निर्माण और प्लॉटिंग से जुड़ी संरचनाओं को हटवा दिया। अधिकारियों ने यह भी कहा कि जिन लोगों ने दोबारा कब्जा या निर्माण करने का प्रयास किया, उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध बसावट रोकने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है और ऐसे मामलों में तुरंत अभियान चलाया जाएगा। इस कार्रवाई के बाद आसपास के क्षेत्रों में भी अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप की स्थिति देखी

पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, दो मोबाइल छीनने वाले पकड़े गए, पुलिस की गोली से एक बदमाश घायल

बिजनौर (शिखर समाचार) नगर कोतवाली क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों की जांच के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच हुई आमने सामने की भिड़ंत के बाद दो मोबाइल छीनने वाले युवकों को पकड़ लिया गया। कार्रवाई के दौरान चली गोलियों में एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसे तत्काल सरकारी अस्पताल पहुंचाकर उपचार कराया जा रहा है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल और छीना गया मोबाइल भी बरामद कर लिया है। नगर क्षेत्राधिकारी संग्राम सिंह ने बताया कि जलालपुर मार्ग पर पुलिस दल नियमित गश्त और वाहनों की जांच कर रहा था। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक तेजी से आते दिखाई दिए। जब पुलिसकर्मियों ने उन्हें रुकने का संकेत दिया तो दोनों ने रफ्तार बढ़ाकर निकलने का प्रयास किया। संदेह होने पर पुलिस ने उनका पीछा किया और आगे रास्ता रोककर घेराबंदी कर दी। घिरने पर आरोपियों ने खुद को बचाने के लिए पुलिस पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। जवाब में पुलिस ने भी

आत्मरक्षा के तहत गोली चलाई। जवाबी कार्रवाई में एक युवक के पैर में गोली लग गई, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा। उसके साथी को भी भागने का मौका नहीं मिला और उसे भी दबोच लिया गया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने दोनों को कब्जे में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पकड़े गए युवकों की पहचान राघवपुरम निवासी आकाश और गांधी मार्केट निवासी मंथन के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने 30 जनवरी को चक्कर रोड चौराहे के पास एक युवती से मोबाइल छीन लिया था और उसके बाद से लगातार छिपकर रह रहे थे। पुलिस अब दोनों से अन्य घटनाओं के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। अधिकारियों के अनुसार नगर क्षेत्र में मोबाइल छीनने और राह चलते लोगों से सामान लूटने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य मार्गों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लगातार निगरानी और जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पकड़े गए आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है तथा उनके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से पूर्व प्रधान की मौत, गांव में शोक की लहर

जेवर/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) जेवर क्षेत्र के गांव गोपालगढ़ में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में पैदल जा रहे बुजुर्ग व्यक्ति की जान चली गई। तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें तुरंत उपचार के लिए स्थानीय निजी चिकित्सालय लेकर पहुंचे, लेकिन हालत अधिक बिगड़ने के कारण उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोपालगढ़ निवासी सुखबीर (67), जो गांव के पूर्व प्रधान भी रह चुके थे, सुबह के समय रोज की तरह अपनी दुकान की ओर पैदल जा रहे थे। वह गांव में खल-बिनोला बेचने का कार्य करते थे। बताया जाता है कि वह मुख्य मार्ग के किनारे कच्चे हिस्से से होकर गुजर रहे थे। इसी दौरान जेवर की दिशा से आ रहे तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें सामने से टक्कर मार दी और चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि सुखबीर सड़क किनारे दूर जा गिरे और गंभीर रूप से जख्मी हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया तो परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्हें तुरंत वाहन की सहायता से कस्बे के एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने काफी प्रयास किया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए शव परीक्षण के लिए भेज दिया है। परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई गई है। पुलिस का कहना है कि अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास लगे निगरानी कैमरों और स्थानीय लोगों से पूछताछ के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में तेज गति से चलने वाले वाहनों पर रोक लगाने और सड़क किनारे सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

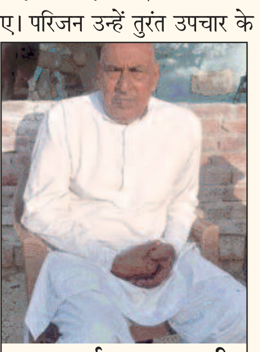

मृतक पूर्व प्रधान सुखबीर सिंह का फाईल फोटो

बादलपुर में घर घर कचरा संग्रहण व्यवस्था लागू, शून्य अपशिष्ट गांव बनाने की मुहिम तेज

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के बादलपुर गांव में स्वच्छता को नई दिशा देने के उद्देश्य से घर घर कूड़ा उठान व्यवस्था की शुरूआत कर दी गई है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने गांव को शून्य अपशिष्ट और आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के तहत यह अभियान शुरू किया है। इस व्यवस्था के लागू होने से अब ग्रामीणों को इधर-उधर कचरा फेंकने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और पूरे गांव में साफ सफाई की स्थिति बेहतर होने की उम्मीद है। कचरा एकत्र करने के लिए विशेष वाहन की व्यवस्था की गई है, जो प्रतिदिन घरों से अपशिष्ट सामग्री उठाएगा। इस योजना को लागू करने के लिए प्राधिकरण ने एक सामाजिक संस्था के सहयोग से विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। हाल ही में स्वास्थ्य विभाग और संस्था के प्रतिनिधियों की बैठक में यह तय किया गया कि गांव से जुटाए गए कचरे को छंटाई केंद्र पर ले जाकर अलग अलग किया जाएगा। वहां सूखे कचरे और पुनः उपयोग योग्य सामग्री को छांटकर पुनर्चक्रण की

प्रक्रिया से गुजारा जाएगा। इससे न केवल कचरे की मात्रा घटेगी बल्कि बेकार समझी जाने वाली वस्तुओं से उपयोगी उत्पाद भी तैयार किए जा सकेंगे।

गांव में बनाए गए अपशिष्ट पुनर्प्राप्ति केंद्र पर कूड़े को श्रेणियों में बांटने, छांटने और दोबारा उपयोग लायक बनाने की पूरी व्यवस्था विकसित की जा रही है। अधिकारियों का मानना है कि यदि यह व्यवस्था सुचारु रूप से चलती रही तो बादलपुर क्षेत्र स्वच्छता प्रबंधन का आदर्श उदाहरण बन सकता है। इसके साथ ही खुले स्थानों पर कूड़े के ढेर और उससे फैलने वाली गंदगी व बीमारियों पर भी रोक लगेगी। अभियान की सफलता के लिए जनसहभागिता को सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसी क्रम में टीमों ने गांव में घर-घर जाकर लोगों से संपर्क किया और उन्हें गीले तथा सूखे कचरे को अलग अलग रखने की जानकारी दी। ग्रामीणों को समझाया गया कि रसोई से निकलने वाला जैविक कचरा और प्लास्टिक, कागज, धातु जैसे ठोस कचरे को अलग रखने से निस्तारण आसान होता है और पर्यावरण को नुकसान भी कम पहुंचता है। लोगों को स्वच्छ परिवेश, शुद्ध हवा और बेहतर स्वास्थ्य के बीच संबंध भी बताया गया। प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने बताया कि यह पहल केवल एक गांव तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि आगे चलकर अन्य गांवों में भी इसी प्रकार की व्यवस्था लागू करने की योजना है। उनके अनुसार यदि स्थानीय स्तर पर कचरे का सही प्रबंधन हो जाए तो शहर और ग्रामीण क्षेत्र दोनों स्वच्छ और व्यवस्थित बन सकते हैं। प्राधिकरण सहयोगी संस्था और ग्रामवासियों के साझा प्रयास से शुरू हुई यह पहल स्वच्छता की दिशा में एक ठोस कदम मानी जा रही है। अधिकारियों को उम्मीद है कि जागरूकता और नियमित निगरानी के बल पर बादलपुर को शून्य अपशिष्ट गांव के रूप में विकसित किया जा सकेगा और यह मॉडल दूसरे क्षेत्रों के लिए भी मार्गदर्शक बनेगा।

26.34 करोड़ की लागत से बनेगा स्काई वॉक, सांसद डॉ. महेश शर्मा ने रखी आधारशिला

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) शहर में लगातार बढ़ते यातायात दबाव और सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए पैदल यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एक महत्वपूर्ण परियोजना की शुरूआत की गई है। जिसको लेकर बुधवार को सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोलचक्कर पर प्रस्तावित स्काई वॉक निर्माण कार्य का शिलान्यास डॉ. महेश शर्मा, सांसद गौतमबुद्धनगर, द्वारा किया गया। करीब 26.34 करोड़ की लागत से बनने वाला यह स्काई वॉक नोएडा के सबसे व्यस्त चौराहों में से एक मॉडल टाउन गोलचक्कर पर पैदल यात्रियों को सुरक्षित और निर्बाध आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराएगा। इसके निर्माण से नोएडा, गाजियाबाद, वैशाली, इंदिरापुरम एवं दिल्ली की ओर से आने-जाने वाले हजारों पैदल यात्रियों को सड़क पार करने में राहत मिलेगी, वहीं दुर्घटनाओं की आशंका भी

काफी हद तक कम होगी।

18 माह में पूरी होगी परियोजना

परियोजना के तहत प्रस्तावित स्काई वॉक में चार स्थानों पर एंट्री और एग्जिट पॉइंट बनाए जाएंगे। इनमें सेक्टर-62 की ओर एक, सेक्टर-63 की ओर एक तथा एनएच-09 की ओर दो प्रवेश-निकास बिंदु शामिल हैं, जिससे सभी दिशाओं से आने वाले पैदल यात्रियों को समान सुविधा मिल सके। यह स्काई वॉक एम.एस. (माइल्ड स्टील) स्ट्रक्चर से निर्मित किया जाएगा। इसकी कुल लंबाई 530 मीटर होगी, जिसमें 350 मीटर गोलाकार भाग और 180 मीटर सीधा भाग शामिल है। यात्रियों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों

की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इसमें दो लिफ्ट और दो एस्केलेटर लगाए जाने का प्रावधान किया गया है। अधिकारियों के अनुसार इस परियोजना को 18 माह में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यह स्काई वॉक न केवल यातायात सुरक्षा को बढ़ाएगा, बल्कि स्मार्ट सिटी की परिकल्पना के अनुरूप आधुनिक शहरी अवसंरचना को भी मजबूती प्रदान करेगा। इस अवसर पर पंकज सिंह, विधायक नोएडा, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी, सतीश पाल, नोएडा ट्रैफिक सेल के महाप्रबंधक एस.पी. सिंह तथा एस.के. अरोड़ा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

शबे बारात पर इबादत और दुआओं से सराबोर रहा नगर का वातावरण

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) शबे बारात के अवसर पर नगर में आध्यात्मिक और श्रद्धामय वातावरण देखने को मिला। रात ढलते ही मस्जिदों और घरों में इबादत का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर रात तक जारी रहा। लोगों ने पूरे मनोयोग और विनम्रता के साथ अपने पालनहार से रहमत और मगफिरत की दुआएं मांगीं। इस मुबारक रात ने आने वाले रमजान माह की आमद का एहसास भी लोगों के दिलों में ताजा कर दिया।

मुस्लिम समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में मस्जिदों में पहुंचकर नमाज अदा की और पवित्र कलाम का पाठ किया। कई स्थानों पर विशेष इबादती सभाएं आयोजित की गईं, जहां बंदों ने अपने गुनाहों की माफी और बेहतर जिंदगी की कामना की। घरों में भी महिलाओं और बच्चों ने पवित्र ग्रंथ का पाठ कर वातावरण को और अधिक पवित्र बना दिया। इस अवसर पर बड़ी तादाद में लोग कब्रिस्तानों में भी पहुंचे और अपने मरहूम रिश्तेदारों तथा पूर्वजों की कब्रों पर फातिहा पढ़कर उनके लिए दुआएं कीं। कब्रिस्तानों में भी पूरी रात लोगों का आना-जाना लगा रहा। लोगों ने दिवंगत आत्माओं की शांति और मगफिरत के लिए हाथ उठाकर प्रार्थना की। कई लोगों ने शबे बारात के उपलक्ष्य में रोजा भी रखा और दिनभर इबादत तथा नेक कार्यों में समय बिताया। मस्जिदों में इमामों द्वारा शबे बारात की अहमियत पर रोशनी डाली गई और रमजान से पहले आत्मशुद्धि, संयम और भाईचारे का संदेश दिया गया। पूरी रात नगर में अमन, शांति, आपसी सद्भाव और कौमी एकता की दुआएं गूंजती रहीं। लोगों ने देश की तरक्की, समाज में मेलजोल और इंसानियत की मजबूती के लिए विशेष प्रार्थनाएं कीं। शबे बारात की इस पाक रात ने नगर को इबादत, विनम्रता और आध्यात्मिक भावनाओं से भर दिया।

किसान पंजीकरण में तेजी जरूरी, देर करने पर सम्मान निधि की अगली किस्त रुकने की आशंका

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) जिले में किसान अभिलेख पंजीकरण की धीमी प्रगति को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों को सतर्क किया है कि यदि उन्होंने शीघ्र अपना किसान पंजीकरण नहीं कराया तो उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की अगली किस्त मिलने में दिक्कत आ सकती है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार जनपद में कुल 48,112 कृषक पंजीकरण के पात्र हैं, लेकिन अब तक केवल 28,561 किसानों ने ही अपनी प्रविष्टि दर्ज कराकर लाभ की पात्रता सुनिश्चित की है। करीब 19,551 किसान अभी भी पंजीकरण से बाहर हैं, जिससे उनके सामने किस्त रुकने का खतरा खड़ा हो गया है। उप कृषि निदेशक गौतमबुद्धनगर राजीव कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि किसानों का पूरा ब्यौरा दर्ज करने के लिए गांव स्तर पर तय कार्यक्रम के अनुसार विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में पहुंचकर किसान अपनी जमीन, फसल और पहचान संबंधी विवरण दर्ज करा सकते हैं। पंजीकरण पूरा होने पर प्रत्येक किसान को एक विशिष्ट पहचान संख्या दी जा रही है, जिसके माध्यम से उसकी पूरी जानकारी विभाग के अभिलेख तंत्र में सुरक्षित हो जाती है। उन्होंने बताया कि यह पूरी प्रक्रिया किसानों का संगठित इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख भंडार तैयार करने की योजना का हिस्सा है। इसके अंतर्गत किसान की पहचान, भूमि का विवरण, बोई जाने वाली फसलों का ब्योरा और संपर्क संबंधी जानकारी एक ही स्थान पर संकलित की जाती है। इससे भविष्य में किसी भी सरकारी योजना का लाभ देने में पारदर्शिता बढ़ेगी और किसानों को बार बार कागजी प्रमाण देने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। कृषि विभाग द्वारा गांव गांव जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। विभागीय कर्मचारी और सहयोगी दल किसानों को शिविरों तक लाने और मौके पर पंजीकरण कराने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसके साथ ही किसानों को यह सुविधा भी दी गई है कि वे अपने नजदीकी जन सुविधा केंद्र पर जाकर स्वयं भी अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

विभाग ने स्पष्ट कहा है कि जिन किसानों की प्रविष्टि अभी तक दर्ज नहीं हुई है, वे इसे टालें नहीं। किसान जन सुविधा केंद्र, कृषि विभाग के कार्यालय, राजस्व विभाग अथवा पंचायत सहायक के माध्यम से जल्द से जल्द अपना किसान पंजीकरण पूरा कराएं, ताकि सम्मान निधि सहित अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के मिलता रहे।

एमिटी विश्वविद्यालय में कैंसर जागरूकता पर निकाली गयी रैली

आज का मुद्दा

नोएडा। एमिटी विश्वविद्यालय के बायोसांइसेस एंव बायोटेक्नोलॉजी एंव हेल्थ एंड एलाइड सांइसेस डोमेन द्वारा विश्व कैंसर जागरूकता दिवस 2026 पर कैंसर से बचाव हेतु जागरूक करने के लिए 'यूनाईटेड बाइ यूनिक थीम पर कैंसर जागरूकता रैली निकाली गई। इस कैंसर जागरूकता रैली में एमिटी विश्वविद्यालय के एडिशनल प्रो वाइस चांसलर डा चंद्रदीप टंडन, एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ मॉलेक्यूलर मेडिसिन एंड स्टेम सेल रिसर्च के चेयरमैन डा बी सी दास सहित हजारों की संख्या में छात्रों और शिक्षकों ने हिस्सा लिया। इस रैली के अंतर्गत छात्रों ने विभिन्न कैंसर जागरूकता के नारे जैसे कैंसर की जांच - जीवन का बचाव और कैंसर को हराना है लगा कर पूरे कैंपस का भ्रमण किया। इस अवसर पोस्टर प्रस्तुती, क्विज प्रतियोगिता और विशेषज्ञ व्याख्यान सत्र का आयोजन भी किया गया। कैंसर जागरूकता व्याख्यान सत्र के अंर्तगत मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पीटल की उपाध्यक्ष डा सना तारिक, फरीदाबाद के मेट्रो कैंसर इंस्टीटयूट के निदेशक डा सुमंत गुप्ता और फरीदाबाद के मेंट्रो कैंसर इंस्टीटयूट एमडी (रैडियेशन ऑकोलॉजी) डा अदिती पुनिया ने जानकारी प्रदान की। इस अवसर एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डा बलविंदर शुक्ला और एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ मॉलेक्यूलर मेडिसिन एंड स्टेम सेल रिसर्च के चेयरमैन डा बी सी दास ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में कैंसर सर्ववाइवर सुश्री काजल प्रसाद ने अपने अनुभव साझा किये। व्याख्यान सत्र का संचालन एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ मॉलेक्यूलर मेडिसिन एंड स्टेम सेल रिसर्च के सहायक निदेशक डा मनोज गर्ग और प्रोफेसर डा पल्लवी अग्रवाल द्वारा किया गया। मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पीटल की उपाध्यक्ष डा सना तारिक ने कहा कि आज कैंसर जागरूकता में एमिटी विश्वविद्यालय और उनके छात्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

चार पहिया वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश, 6 शातिर चोर गिरफ्तार

नोएडा (शिखर समाचार) कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस ने वाहन चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतर्राज्यीय चार पहिया वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। थाना सेक्टर-39 पुलिस और नोएडा सर्विलांस टीम ने संयुक्त ऑपरेशन में छह शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन चोरी की कारें, चोरी में प्रयुक्त आधुनिक उपकरण, दो फर्जी नंबर प्लेट और वारदात में इस्तेमाल की जा रही हुण्डई ओरा कार बरामद की है। नोएडा जोन के डीसीपी यमुना प्रसाद ने जानकारी देते हुए बताया 04 फरवरी को लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के आधार पर सेक्टर-82 कट के पास घेराबंदी कर आरोपियों को दबोचा गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान समीर उर्फ दाऊद उर्फ कुंजा, सालिम, आजाद, सलीम, मोहसीन और मोहम्मद फैसल के रूप में हुई है।

एनसीआर से अन्य राज्यों तक फैला था नेटवर्क

जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी एक टैक्सी हुण्डई ओरा कार के जरिए दिन-रात रैकी करते थे। चिन्हित स्थानों पर खड़ी गाड़ियों को की-प्रोग्रामर से खोलकर चोरी किया जाता था। चोरी की गई कारों में जीपीएस जैमर लगाकर ट्रैकिंग निष्क्रिय कर दी जाती थी, जिसके बाद वाहनों को राजस्थान, हरियाणा के मेवात क्षेत्र सहित अन्य राज्यों में बेच दिया जाता था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो मारुति ब्रेजा और एक मारुति स्विफ्ट बरामद की हैं, जो नोएडा, गाजियाबाद और जयपुर से चोरी की गई थीं। इसके अलावा टी-लॉक ब्रेकर, पेचकस, वायर कटर, की-प्रोग्रामर , जीपीएस जैमर समेत चोरी के कई उपकरण भी बरामद हुए हैं।

लंबा आपराधिक इतिहास

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक मुख्य आरोपी समीर उर्फ दाऊद और आजाद पर दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और राजस्थान में चोरी, लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट से जुड़े दर्जनों मुकदमे पहले से दर्ज हैं। इससे गिरोह की संगठित और पेशेवर कार्यशैली का पता चलता है। आरोपियों के खिलाफ विभिन्न थानों में कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों, खरीदारों और नेटवर्क की कड़ियों को खंगालने में जुटी है। कमिश्नरेट पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वाहन चोरी और संगठित अपराध के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

संपादकीय

क्रिकेट की राजनीतिः पाकिस्तान का T20 वर्ल्ड कप मैच बहिष्कार और दक्षिण एशियाई भावना का संकट

क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं रह गया, यह दक्षिण एशिया में राजनीति, पहचान और राष्ट्रीय भावना का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन चुका है। आज 4 फरवरी 2026 को उसी प्रतीकात्मकता ने एक ऐतिहासिक मोड़ ले लिया है पाकिस्तान ने संभावित रूप से इंडियन क्रिकेट टीम के साथ अपने आगामी ICC T20 वर्ल्ड कप मैच का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है, और यह केवल एक खेल से परे, क्षेत्रीय राजनीति, कूटनीति और समाज के मनोभाव पर गहरा प्रभाव डालने वाला विषय बन गया है। क्ळ्उ ळ20 वर्ल्ड कप, जो इस बार भारत और श्रीलंका में संयुक्त रूप से आयोजित हो रहा है, दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेट टूनामेंटों में से एक है। इस टूनामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच शो-स्टॉपर मैच हमेशा वैश्विक क्रिकेट का आकर्षण रहा है दो पड़ोसी देश जिनके बीच राजनीतिक तनाव के बावजूद क्रिकेट के जरिये कुछ पुल बने रहे हैं। लेकिन इस बार पाकिस्तान सरकार ने अपने खिलाड़ियों को भारत के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच में भाग लेने की अनुमति नहीं देने का संकेत दिया है, जिससे खेल और राजनीति के बीच की रेखाएँ धुंधली होती जा रही हैं। यह निर्णय अचानक नहीं आया। यह उन वर्षों की बढ़ती कूटनीतिक और सुरक्षा चिंताओं का परिणाम है, जिसमें दोनों देशों के बीच सीमा पर तनाव, आतंकवाद के आरोप प्रत्यारोप, और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे क्रिकेट के मैदान तक आ गये हैं। यह वह स्थिति है जहां खेल को राजनीति से अलग रखना लगभग असंभव हो जाता है। इस फैसले का असर सिर्फ दो मैचों पर नहीं पड़ेगा, बल्कि यह दक्षिण एशियाई क्षेत्र की राजनीति, खेल कूटनीति और सार्वजनिक भावना पर दूरगामी प्रभाव डालेगा। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि क्रिकेट दोनों देशों के लिए सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मा और आत्म सम्मान का प्रतीक रहा है। भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच करोड़ों दर्शकों के लिये भावनात्मक महत्व रखते हैं यह भारतीय और पाकिस्तानी दर्शकों दोनों के लिये गर्व, उत्साह और कभी कभी तनाव का संयोजन होता है। ऐसी परिस्थितियों में जब एक मैच के बहिष्कार का निर्णय लिया जाता है, तो यह दोनों देशों की जनता की भावनाओं को प्रभावित करता है, न कि केवल खिलाड़ियों या प्रशासकीय निर्णयों को। यह बहिष्कार पहले से लिखी गई किसी पूर्व कहानी का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह वर्तमान कूटनीतिक तनाव और खेल प्रशासन के बीच एक नई चुनौती पेश करता है। क्रिकेट प्रशासन पर भी दबाव बढ़ जाएगा कि वह राजनीति और खेल के बीच संतुलन कैसे बनाए। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के लिये यह स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है क्योंकि वह खेल की निष्पक्षता और समावेशिता का संदेश देने का दावा करती है। अगर वह इन बड़े मैचों को बिना किसी व्यवधान के आयोजित नहीं कर पा रही है, तो यह संस्थागत विश्वास को भी प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा इस फैसले का आर्थिक प्रभाव भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत पाकिस्तान मैच टी-20 विश्व कप में विज्ञापन, प्रसारण अधिकार, टिकट बिक्री और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में भारी आर्थिक गतिविधियों को उत्प्रेरित करता है। यदि पाकिस्तान टीम इस मैच में हिस्सा नहीं लेती, तो इससे टूनार्मेंट की व्यावसायिक सफलता पर असर पड़ सकता है जैसा कि पिछले मैचों से यह साफ देखा गया है कि इन दो टीमों के आमने सामने होने पर विज्ञापन और दर्शक संख्या में उल्लेखनीय उछाल आता है। भारत के दृष्टिकोण से भी यह मुद्दा महत्वपूर्ण है। भारत क्रिकेट बोर्ड (BCCI) और सरकार के लिये यह एक संवेदनशील स्थिति पैदा करेगा कि कैसे वे इस निर्णय का सामना कर सकते हैं। भारत की क्रिकेट प्रशंसा की विशाल जनता इस बहिष्कार से निराश होगी, और इससे खेल के प्रति भावनात्मक जुड़ाव में कमी आ सकती है। यह केवल खेल हितैषिता का नुकसान नहीं है, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय भावना के एक व्यापक क्षरण का संकेत भी हो सकता है। साथ ही यह घटना खेल और कूटनीति के बीच के इंटरफेस को भी उजागर करती है। हाल के वर्षों में, भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंध केवल खेल तक सीमित नहीं रहे हैं; वे राजनयिक वार्ता का एक अप्रत्यक्ष माध्यम भी बन गये हैं। जब दोनों देशों की सरकारें क्रिकेट के जरिये संवाद को आसान बनाने की कोशिश करती हैं, तो यह एक तरह से कूटनीतिक लाइन को नरम करने का प्रयास होता है। लेकिन जब उसी क्रिकेट का बहिष्कार ऐसे निर्णयों से होता है, तो यह स्पष्ट होता है कि खेल भी देश की राजनैतिक रणनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं से प्रभावित है।

ज्ञान, स्क्रीन और संवेदना का संकट

डॉ. सत्यवान सौरभ

'ज्ञान बढ़ा पर भाव क्या, अब भी मन लाचार'– यह पंक्ति केवल एक दोहा नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी के मनुष्य की सामूहिक आत्मस्वीकृति है। हमने जितना ज्ञान अर्जित किया है, उतना शायद मानव इतिहास के किसी भी कालखंड में नहीं किया गया। सूचनाएँ उँगलियों पर नाच रही हैं, दुनिया एक छोटे से स्क्रीन में सिमट आई है और विज्ञान ने जीवन को सुविधाओं की पराकाष्ठा तक पहुँचा दिया है। इसके बावजूद–या शायद इसी कारण–मनुष्य भीतर से पहले से अधिक असहाय, असंतुलित और बेचैन दिखाई देता है। आज का संकट ज्ञान के अभाव का नहीं, बल्कि विवेक, संवेदना और ठहराव के लुप्त होने का संकट है। स्क्रीन की चकाचौंध ने केवल हमारी आँखों को नहीं, हमारी चेतना को भी प्रभावित किया है। मोबाइल, लैपटॉप और डिजिटल माध्यमों ने सूचना को लोकतांत्रिक तो बनाया, पर सोच को गहराई नहीं दी। हम पहले से कहीं अधिक पढ़ते हैं, पर पहले से कहीं कम समझते हैं। हम देखते बहुत हैं, पर महसूस कम करते हैं। हर पल अपडेट रहना आज सचेत होने की पहचान बन गया है, लेकिन इसी निरंतर अपडेट ने मनुष्य को भीतर से थका और खाली कर दिया है। सोशल मीडिया पर विचार नहीं, प्रतिक्रियाएँ जन्म लेती हैं। वहाँ ठहराव नहीं, केवल तात्कालिक उत्तेजना है। सच और झूठ, गंभीरता और सतहीपन, संवेदना और सनसनी–सब एक ही मंच पर समान महत्व के साथ परोसे जा रहे हैं। ऐसे वातावरण में सत्?विचार, जो समय, मौन और आत्मसंवाद से उपजते हैं, धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे हैं।

आज का मनुष्य ऐसे समय में जी रहा है जहाँ संवाद लगातार हो रहा है, पर संवादहीनता भी उतनी ही गहरी है। मोबाइल के कक्ष में आवाजें चिल्ला रही हैं–कॉल, मैसेज, वीडियो, मीटिंग्स, रील्स–हर ओर शोर है। लेकिन इसी शोर के बीच मनुष्य अपने ही भीतर की आवाज सुनने की क्षमता खो बैठा है। बाहर की बातचीत बढ़ी है, भीतर का संवाद घटा है। जब भीतर की खामोशी को सुना नहीं जाता, तो वह धीरे-धीरे कुंठा, आक्रोश और असंतुलन में बदल जाती है। आज रिश्तों में बढ़ता तनाव, समाज में बढ़ती असहिष्णुता, ऑनलाइन अपमान और वास्तविक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलता–ये सब उसी अनसुनी खामोशी के लक्षण हैं।

हम बोलना जानते हैं, पर सुनना भूल चुके हैं। न दूसरों की पीड़ा सुन पाते हैं, न अपने मन की बेचैनी को समझ पाते हैं। संवाद की यह विफलता केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक भी है। जब समाज सुनना छोड़ देता है, तो असहमति शत्रुता में बदल जाती है और विचार विमर्श के स्थान पर टकराव जन्म लेता है।

विज्ञान ने निस्संदेह मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएँ दी हैं। रोगों पर नियंत्रण, संचार की गति, यात्रा की सरलता और उत्पादन की क्षमता–इन सब क्षेत्रों में विज्ञान ने क्रांति की है। लेकिन इसी विज्ञान से यह अपेक्षा भी जुड़ी थी कि वह मनुष्य को अधिक संतुलित, अधिक संवेदनशील और अधिक जिम्मेदार बनाएगा। दुर्भाग्यवश, ऐसा नहीं हुआ। विज्ञान ने हमें शक्ति दी, पर संयम नहीं सिखाया। गति दी, पर विराम नहीं। साधन दिए, पर मयार्दा नहीं।

आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि हम क्या कर सकते हैं, बल्कि यह है कि हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। तकनीक हमें आगे बढ़ने के असंख्य रास्ते दिखाती है, पर यह नहीं बताती कि कब रुकना है। यह निर्णय विवेक करता है, और विवेक का विकास मशीनों से नहीं, मानवीय मूल्यों से होता है।

हमने ज्ञान को केवल संग्रहण तक सीमित कर दिया है। डिग्रियाँ बढ़ीं, पर दृष्टि संकुचित होती गई। विशेषज्ञता बढ़ी, पर समग्र समझ घटती चली गई। आज का शिक्षित व्यक्ति भीड़ में शामिल होने में तेज है, पर अकेले खड़े होकर सच बोलने में हिचकता है। यह शिक्षा का नहीं, सूचना के बोझ का परिणाम है। ज्ञान जब संवेदना से कट जाता है, तो वह अहंकार बन जाता है। तकनीक जब विवेक से कट जाती है, तो वह नियंत्रण के बजाय वर्चस्व का साधन बन जाती है।

इस स्थिति का समाधान तकनीक को नकारने में नहीं, बल्कि उसे मानवीय मूल्यों के अधीन रखने में है। स्क्रीन से भागना संभव नहीं, पर उसके सामने नतमस्तक होना भी अनिवार्य नहीं। हमें फिर से मौन का महत्व समझना होगा। हमें संवाद को केवल बोलने की प्रक्रिया नहीं, सुनने की कला बनाना होगा। ज्ञान को आत्मचिंतन से जोड़ना होगा और विज्ञान को नैतिकता के साथ संतुलित करना होगा।

परिवार, शिक्षा और समाज–तीनों स्तरों पर यह पुनर्संरचना आवश्यक है। बच्चों को केवल स्मार्ट नहीं, संवेदनशील बनाना होगा। शिक्षा को केवल प्रतिस्पर्धा का मैदान नहीं, बल्कि मानवीय विकास का माध्यम बनाना होगा। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि गति के साथ ठहराव भी उतना ही आवश्यक है।

आज आवश्यकता किसी नए आविष्कार की नहीं, बल्कि पुरानी मानवीय समझ की पुनर्स्थापना की है। तकनीक हमारे जीवन का साधन बने, लक्ष्य नहीं। संवाद शोर नहीं, सेतु बने। और ज्ञान केवल बढ़े नहीं, मनुष्य को बेहतर बनाए। यदि हम यह संतुलन नहीं बना पाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ शायद अत्यंत उन्नत होंगी–पर भीतर से और भी अधिक लाचार।

राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता

ललित गर्ग

नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया।

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मयार्दाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो।

संसद के भीतर अप्रकाशित ह्यसंस्मरणह्व के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मयार्दा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है।

राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनिया एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। जबकि सच्चाई यह है और सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई। कांग्रेस की भूमिका पर भी गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है। एक समय देश को नेतृत्व देने वाली पार्टी आज बार-बार ऐसे प्रसंगों में उलझती दिखती है, जहां बयानबाजी मुद्दों पर भारी पड़ जाती है। राहुल गांधी एक प्रभावशाली वक्ता हैं, जनभावनाओं को छूने की क्षमता रखते हैं और युवाओं में संवाद स्थापित कर सकते हैं। किंतु यही कारण है कि उनसे अधिक जिम्मेदारी की अपेक्षा भी की जाती है। बार-बार ऐसे मुद्दे उठाना जिन्हें सत्ता पक्ष राष्ट्रीय एकता के लिए घातक बताता हो, कांग्रेस की छवि को गैर-जिम्मेदार विपक्ष के रूप में मजबूत करता है। यह धारणा चाहे पूरी तरह सही न हो, लेकिन राजनीति में धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है जितना तथ्य। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो परिपक्व लोकतंत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस के लिए अलग-अलग संसदीय समितियां, बंद सत्र और संस्थागत प्रक्रियाएं होती हैं। सार्वजनिक मंचों पर बयान देते समय नेता प्रायः संकेतों और नीतिगत प्रश्नों तक सीमित रहते हैं, विस्तृत सैन्य विवरणों से परहेज करते हैं। भारत में भी ऐसी परंपरा विकसित होनी चाहिए, जहां विपक्ष सरकार से जवाबदेही मांगे, परंतु सेना और सुरक्षा संस्थानों की साख को राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा न बनाया जाए। यही संतुलन लोकतंत्र को मजबूत करता है। लेकिन राहुल गांधी पूर्व में भी सैन्य बयानों से न केवल सुरक्षा के लिये खतरा बनते रहे हैं बल्कि हमारे जवानों के मनोबल को भी आहत करते रहे हैं। यह भी सच है कि सरकार को पारदर्शिता से घबराना नहीं चाहिए। यदि विपक्ष किसी पुस्तक, रिपोर्ट या बयान का हवाला देता है, तो उसका संस्थागत और तथ्यपरक उत्तर दिया जाना चाहिए।

भारत वसुधैव कुटुम्बकम के भाव के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न कर रहा है

प्रहलाद सबनानी

उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है।

दिनांक 27 जनवरी 2026 को यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के साथ भारत ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है। अब, इस समझौते की शर्तों को इन देशों की संसद द्वारा पारित किया जाएगा, इसके बाद यह मुक्त व्यापार समझौता यूरोपीय यूनियन एवं भारत के बीच होने वाले विदेशी व्यापार पर लागू हो जाएगा। इस मुक्त व्यापार समझौते को 'मदर आफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है। क्योंकि, यह मुक्त व्यापार समझौता विश्व के 28 देशों के उस भूभाग पर लागू होने जा रहा है, जहां विश्व की 30 प्रतिशत आबादी निवास करती है। पृथ्वी के इस भूभाग पर 200 करोड़ से अधिक नागरिकों का निवास है। इन 28 देशों की संयुक्त रूप से विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी (संयुक्त रूप से) अर्थव्यवस्था (यूरोपीय यूनियन - 22 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) एवं चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (भारत - 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) के बीच यह मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न होने जा रहा है। वैश्विक स्तर पर होने वाले विदेशी व्यापार में इन समस्त देशों की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है। पूरी दुनिया में 33 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार होता है, इसमें से 11 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी व्यापार उक्त 28 देशों द्वारा किया जाता है।

उक्त वर्णित मुक्त व्यापार समझौता विश्व का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है। इसके पूर्व, सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते के रूप में चीन एवं 10 आशियान देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते को माना जाता है। यह केवल एक मुक्त व्यापार समझौता नहीं बल्कि यूरोपीय यूनियन के 27 देशों एवं भारत के बीच साझा समृद्धि का एक ब्लूप्रिंट है। इस समझौते में पूरी दुनिया की आर्थिक दशा एवं दिशा बदलने की क्षमता है। उक्त व्यापार समझौता को सम्पन्न करने के प्रयास पिछले 18 वर्षों से हो रहे थे। परंतु, कुछ विपरीत परिस्थितियों के चलते इस समझौते को सम्पन्न होने में इतना लम्बा समय लग गया है, अतः यह अब भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 देशों के बीच एक नए युग की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात वर्ष 2032 तक यूरोपीयन यूनियन के सदस्य देशों एवं भारत के बीच विदेशी व्यापार के दुगना होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसके पूर्व भारत एवं यूनाइटेड किंगडम के बीच भी मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न किया जा चुका है। अब कनाडा के प्रधानमंत्री भी संभवतः मार्च माह में भारत के दौरे पर आने वाले है और भारत एवं कनाडा के बीच भी कुछ क्षेत्रों में व्यापार समझौता सम्पन्न होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अमेरिका मुक्त व्यापार समझौतों को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है, जबकि भारत मानवतावादी दृष्टिकोण को अपनाते हुए विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है ताकि भारत एवं अन्य समस्त देशों में निवासरत नागरिकों को इन समझौतों से लाभ मिले। यह भारतीय संस्कृति के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव को दशार्ता है। भारत की इस नीति के चलते ही विश्व के कई देश अब भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते शीघ्र ही सम्पन्न करना चाह रहे हैं। वैश्विक स्तर पर हाल ही के समय में आर्थिक क्षेत्र में भारी उथल पुथल दिखाई दे रही है। भारत एवं यूरोपीय यूनियन के 27 सदस्य देशों के बीच सम्पन्न हुए मुक्त व्यापार समझौते से इस उथल पुथल में कुछ सुधार आता हुआ दिखाई देगा।

भारत में कृषि एवं डेयरी क्षेत्र अतिसंवेदनशील है। क्योंकि, भारत की कुल आबादी का लगभग 60 प्रतिशत भाग आज भी ग्रामीण इलाकों में उक्त क्षेत्रों पर अपनी आजीविका के लिए निर्भर है। अतः उक्त दोनों क्षेत्रों को मुक्त व्यापार समझौते से बाहर रखा गया है। हां, भारत के समुद्री उत्पाद उद्योग, वस्त्र एवं परिधान उद्योग, जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग, चमड़ा उद्योग, खिलौना उद्योग जो श्रम आधारित उद्योग हैं, को उक्त मुक्त व्यापार समझौते से अधिकतम लाभ होगा क्योंकि यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों द्वारा भारत से उक्त उत्पादों के आयात पर आयात ड्यूटी को शून्य किया जा रहा है। वर्तमान में भारत से समुद्रीय उत्पादों के निर्यात पर 26 प्रतिशत का आयात कर लगाया जाता है, जिसे मुक्त व्यापार समझौता के लागू होने के पश्चात शून्य कर दिया जाएगा। इसी प्रकार, वस्त्र एवं परिधान के आयात पर वर्तमान में लागू 12 प्रतिशत के आयात कर को शून्य किया जा रहा है, खिलौना पर लागू 4.7 प्रतिशत के आयात कर को शून्य, जेम्स एवं ज्वेलरी के आयात पर 4 प्रतिशत से शून्य, केमिकल उत्पादों के आयात पर 12.8 प्रतिशत से शून्य, चमड़ा से निर्मित उत्पादों के आयात पर 17 प्रतिशत से शून्य, फर्नीचर उत्पादों के आयात पर 10.7 प्रतिशत से शून्य आयत कर किया जा रहा है।

यूरोपीय यूनियन के 27 देश, जो विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं, में जन्म दर पिछले कई वर्षों से लगातार गिर रही है एवं कुछ देशों में तो यह शून्य के स्तर पर पहुंच गई है जिससे इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले नागरिकों का इन देशों में नितांत अभाव दिखाई देता है। अतः इन देशों में श्रमबल की भारी कमी है। उक्त मुक्त व्यापार समझौते के सम्पन्न होने के पश्चात भारतीय नागरिकों को यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों में तकनीकी क्षेत्र, चिकित्सा क्षेत्र, निर्माण क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, आदि में रोजगार के भारी मात्रा में अवसर प्राप्त होंगे। इन समस्त देशों द्वारा भारतीय नागरिकों को वीजा प्रदान करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। युनाईटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रान्स आदि जैसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं जैसे देशों में भारतीय इंजिनीयरों एवं डाक्टरों की भारी मांग है। उक्त देशों द्वारा भारतीयों के परिवार के सदस्यों को रोजगार प्रदान करने के अवसर भी प्रदान करने सम्बंधी प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। भारतीय विद्यार्थियों द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों के विश्वविद्यालयों में अपनी शिक्षा समाप्त करने के उपरांत 9 माह से 12 माह तक का समय रोजगार तलाशने के लिए प्रदान किया जाएगा। इस समयावधि तक भारतीय युवाओं को इन देशों में प्रवास की अनुमति प्रदान की जाएगी। भारतीय कारीगरों के लिए अब वैश्विक बाजार खुल रहा है। साथ ही, भारत अब विनिर्माण इकाईयों का वैश्विक केंद्र बन सकता है। क्योंकि, यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हैं एवं वे अपनी सम्पत्ति/पूंजी का निवेश भारत में विनिर्माण इकाईयों में कर सकते हैं एवं कुछ लाभप्रद क्षेत्रों में वे अपनी विनिर्माण इकाईयों की स्थापना भी कर सकते हैं। अधिक उत्पादन इकाईयों की स्थापना से भारत में रोजगार के अधिक अवसर भी निर्मित होंगे। इससे भारत में बेरोजगारी की समस्या का हल भी निकलता हुआ दिखाई दे रहा है।

भारत द्वारा विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को इस दृष्टि के साथ सम्पन्न किया जा रहा है ताकि इससे भारत के किसान, मजदूर, कारीगर, पेशेवर नागरिकों एवं सूक्ष्म, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को विशेष लाभ हो। यूरोपीयन यूनियन के समस्त 27 देशों में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र का आकार 26,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है, इससे भारत से वस्त्र एवं परिधान का निर्यात वर्तमान में 64,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसी प्रकार, चमड़ा उत्पादों का बाजार 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है एवं जेम्स एवं ज्वेलरी का बाजार 7,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। 27 देशों में इस विशाल क्षेत्र में भारतीय वस्त्र एवं परिधान उद्योग एवं अन्य उत्पादों को प्रवेश मिलने से भारत में श्रम आधारित कई सूक्ष्म, छोटी एवं मध्यम इकाईयों को लाभ होने जा रहा है। लगभग इसी प्रकार का लाभ अन्य क्षेत्रों यथा, समुद्री उत्पाद, चमड़ा उत्पाद, खिलोना उत्पाद, जेम्स एवं ज्वेलरी उत्पाद, केमिकल उत्पाद, फर्नीचर उत्पाद आदि, में कार्यरत इकाईयों की भी होने जा रहा है। इन क्षेत्रों में कार्यरत विनिर्माण इकाईयों के व्यापार में वृद्धि का आश्य सीधे सीधे अधिक श्रमबल की आवश्यकता होना भी है, जिसकी पूर्ति आज विश्व में केवल भारत ही कर सकता है।

रक्षा के क्षेत्र में भारत बहुत तेज गति से विकास कर रहा है। इस क्षेत्र में भारत का अंतिम लक्ष्य आत्मनिर्भरता हासिल करने का है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका के ट्रम्प प्रशासन द्वारा यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों को सुरक्षा के सम्बंध में अमेरिका पर निर्भर नहीं रहते हुए अपने पैरों पर खड़े होने की सलाह दी है। अतः यूरोपीय देश अपने सुरक्षा बजट में अत्यधिक वृद्धि करने का विचार कर रहे हैं। भारत के लिए ऐसे समय पर उक्त मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जाना एक सुनहरे अवसर के रूप में सामने आया है। इससे सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादन कर रही भारतीय कम्पनियों को यूरोपीय यूनियन का अति विशाल बाजार मिलने जा रहा है। इसी के साथ ही यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों से सुरक्षा के क्षेत्र में उच्च तकनीकी का हस्तांतरण भारतीय कम्पनियों को सम्भव हो सकेगा। कुल मिलाकर यूरोपीय यूनियन के समस्त 27 देशों के साथ सम्पन्न किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौते से भारत के लिए अतिलाभप्रद स्थिति बनने जा रही है।

स्किन को डल नहीं पड़ने देगा यह स्पेशल विंटर पैक

सर्दियों में संतरा बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है। इसमें मौजूद विटामिन-सी आपकी सेहत और त्वचा दोनों के लिए फायदेमंद होते हैं। संतरे के छिलके और इसका रस दोनों की आपके चेहरे को फायदा पहुंचाता है। अगर आप चेहरे की रंगत निखारना चाहते हैं तो संतरे के रस का इस्तेमाल करें और अगर कहीं आपके चेहरे पर झाइयां है तो संतरे का छिलका फेंकने की बजाय इसका इस्तेमाल करें।

रंगत निखारने के लिए संतरे का रस

अगर आपकी स्किन सर्दियों में डार्क हो जाती है तो आधा चम्मच बेसन में 1 चुटकी हल्दी, 2 चम्मच संतरे का जूस, शहद और जरुरत अनुसार गुलाब जल के इस्तेमाल से एक पैक तैयार कर लें। इस पैक को ताजा बनाकर ही अप्लाई करें। पैक लगाने के बाद सूखने तक इंतेजार करें। जब पैक हल्का सूख जाए तो गीले हाथों के साथ हल्का मसाज करें और सादे या गुनगुने पानी के साथ चेहरा धो लें।

बेदाग और चमकदार चेहरा पाने के लिए इस पैक को हफ्ते में दो बार जरुर अप्लाई करें। शुरुआत में हो सकता है पैक लगाने के बाद हल्की जलन महसूस हो मगर धीरे-धीरे यह ठीक हो जाएगी। असल में संतरे और नींबू जैसे खट्टे फलों में एसिडिक तत्व मौजूद होता है, जिससे इन्हें चेहरे पर लगाने से कुछ जलन महसूस हो सकती है।

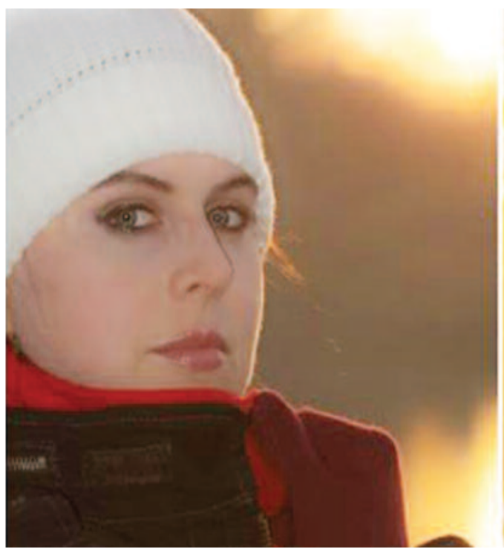

झाइयां दूर करने के लिए संतरे की छिलका

4-5 संतरों के छिलके धूप में सुखाकर मिक्सी में पीस लें। इन्हें तभी पीसें जब छिलके पूरी तरह सूखकर कड़क हो जाएं। उसके बाद तैयार पाऊडर में 1 टीस्पून शहद, 1 टीस्पून बेसन और कच्चा दूध मिलाकर इसे चेहरे पर लगाएं। अगर झाइयां ज्यादा हैं तो आप रोज वॉटक की जगह आलू का रस भी डाल सकती हैं। इस पैक को हफ्ते में एक बार जरूर अप्लाई करें।

रेसिपी

टेस्टी एंड सॉफ्ट ढोकला

सामग्री

- बेसन- 1 कप
- नींबू का रस- 1 टेबलस्पून
- दही- 2 टेबलस्पून
- हरी मिर्च-अदरक का पेस्ट- 1 टेबलस्पून
- ईनो फ्रूट साल्ट- 1 टीस्पून
- हल्दी पाउडर- चुटकीभर
- तेल-1 टीस्पून
- पानी- 3 कप
- नमक- स्वादानुसार

विधि

पहले एक बर्तन में बेसन को छननी से छान लें। अब बेसन में पानी डालते हुए घोल तैयार करें। ध्यान रखें घोल न ज्यादा पतला हो और न ही गाढ़ा) इसमें नींबू का रस, नमक और दही डालकर अच्छी से मिलाएं। अब तैयार मिश्रण को 1-2 घंटे अच्छी तरह फूल जाने के लिए ढक्कर रख दें। अब इसमें हरी मिर्च- अदरक का पेस्ट डालकर अच्छी से फेंट लें। एक बर्तन में तेल लगाकर ग्रीस करें। इसमें ढोकला बेटर डालें। अब कुकर में पानी डालकर तेज आंच पर गैस पर रखें। फिर बेसन के पेस्ट में ईनो फ्रूट साल्ट डालकर 1 मिनट तक या जब तक पेस्ट फूल न जाएं तब तक मिक्स करें। अब कुकर की सीटी निकाल दें और मिश्रण को इसमें रखकर ऊपर से ढक्कन बंद कर दें। मीडियम आंच पर 20-25 मिनट तक भाप में पकाने के बाद कुकर का प्रेशर खत्म होने के बाद ढक्कन खोलें। आप ढोकले में चाकू डालकर चैक भी कर सकते हैं। अगर चाकू साफ है तो ढोकला पक गया है और अगर इसमें पेस्ट का गीलापन लगा है तो इसे थोड़ी देर तक और पकाएं। पकने के बाद ढोकले को कुकर से निकाल लें। तैयार ढोकले को अपने हिसाब से टुकड़ों में काट लें।

क्रिस्पी गुड़ का डोसा

सामग्री

- गेहूं का आटा- एक कप
- गुड़- आधा कप
- नारियल- 2 टेबलस्पून (कद्दूकस किया हुआ)
- चावल का आटा- एक छोटा कप
- इलायची पाउडर- 1 टीस्पून
- घी- आवश्यकतानुसार
- पानी- 1 कप

विधि

सबसे पहले एक पैन में धीमी आंच पर पानी गर्म करें। अब इसमें गुड़ डाल कर अच्छी तरह से पानी में घुलने दें। जब गुड़ घुल जाएं तो गैस बंद कर दें। अब एक बर्तन में गुड़ को ठंडा करके छननी से छान लें। अब इसमें गेहूं का आटा, नारियल, चावल का आटा और इलायची पाउडर डाल कर मिक्स करके और गाढ़ा घोल तैयार करें। मीडियम आंच में एक तवा गरम करने के लिए रख दें। तवे के गरम होने के बाद उसमें घी डालें। एक बड़े चम्मच या कटोरी से तैयार घोल को तवे पर डालते हुए गोल आकार में फैलाएं। अब दोनों तरफ से अच्छी तरह सेंक लें। इसी तरह पूरे घोल के डोसे बना लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-2-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 3791

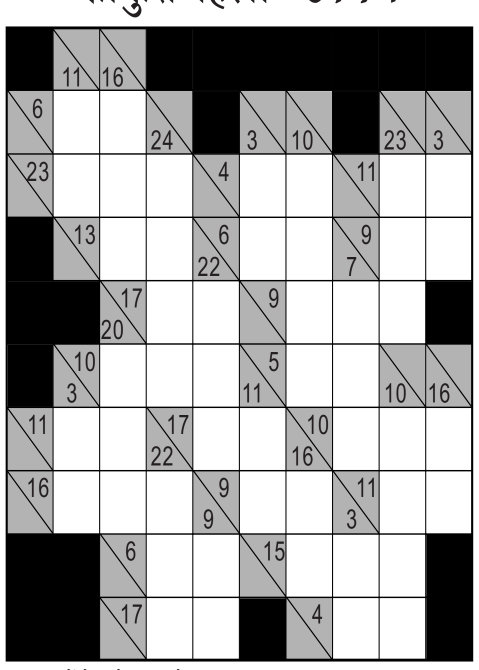

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

11/7	1	2	3	5
1				
2				
4				

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3790 का हल

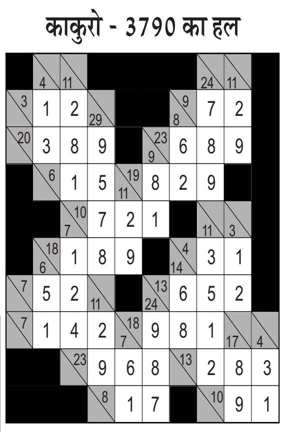

लॉफिंग ज़ोन

एक घर से पति-पत्नी के हँसने की कुछ ज्यादा ही आवाजें आती रहती थीं। मोहल्ले के कई लोग एकत्र होकर उनके यहाँ खुशहाली का राज जानने को पहुँचे।

मोहल्ले वालों की जिज्ञासा को शांत करते हुए पति बोला- बहुत सरल है, हमारे यहाँ मेरी बीबी बेलन, चिमटा आदि फेंककर मारती है। हम लट्ठमार होली खेलते हैं...! अगर मुझे लग जाता है तो वो हँसती और नहीं लगता है तो मैं हँसता हूँ।

□ □ □

एक बार रीमा बन-ठनकर पिक्चर देखने जा रही थी। तभी एक सहेली मिल गई। रीमा का ठाठ-बाट देखकर बोली- 'अ...हा...आ हाथों में हीरों की चूड़ियाँ, कानों में हीरे के टॉप्स, गले में हीरों का हार, यह बनारसी साड़ी क्यों, क्या तुम्हारे पति ने नौकरी कर ली है?'

रीमा बोली- 'नहीं गीता, मैंने पति बदल लिया है।'

□ □ □

चमन (नरेश से)- सुना है तुमने एक उपन्यास लिखा है?

नरेश- हाँ! एक बहुत अच्छा उपन्यास लिखा तो है।

चमन- कुछ बिके भी है?

नरेश- हाँ, बिके है न..। इस उपन्यास को प्रकाशित करने में मेरी अँगूठी, स्कूटर, बीवी की चूड़ियाँ और मंगलसूत्र जैसी कई चीजें बिक गई है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3791

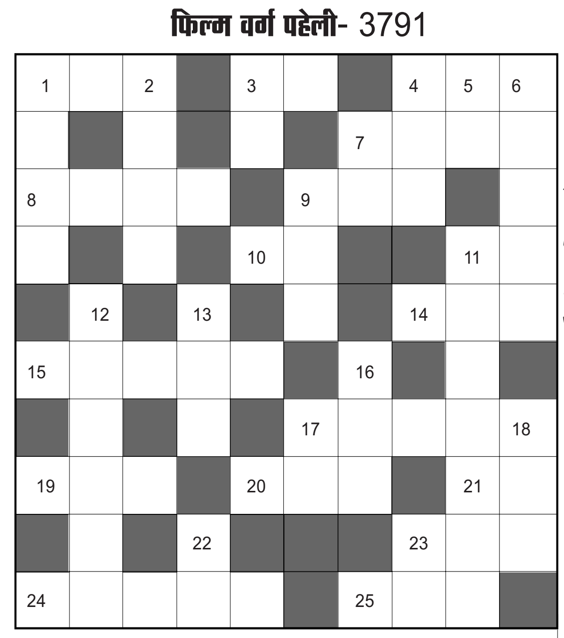

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3790

वि	वा	ह	■	इ	श्क	वि	श्क	■	टा
द्या	■	मे	■	श्क	■	धा	■	फ	र्ज
बा	द	शा	ह	■	शै	ता	न	■	न
ल	■	■	सी	मा	■	■	का	ल	■
न	ज	रा	ना	■	श	बा	ब	■	सं
■	मी	ना	■	ना	रा	ज	■	दा	ता
आ	न	■	का	■	बी	■	ना	दा	न
शि	■	जो	शी	ले	■	फि	जा	■	■
क	शि	श	■	कि	ला	■	य	हू	दी
■	वा	■	डॉ	न	■	आ	ज	■	पा

सूडोकु -3791

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3790 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 3791

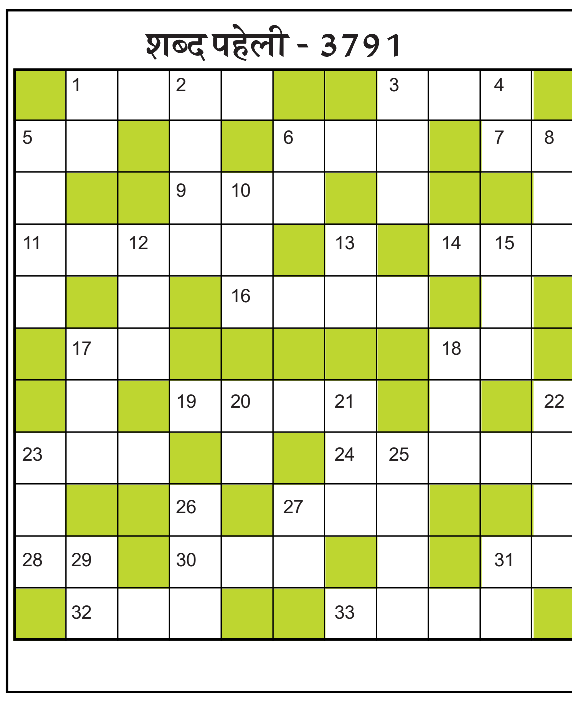

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बुद्धिहीन-4
3.रुई की फसल-3
5.वंश,खानदान-2
6.आह,पीड़ा भरी ध्वनि-3
7.जी,इच्छा,चित्त-2
9.पहनना-3
11.दास,नौकर,सेवक-5
14.अग्नि,आग-3
16.चयनित,स्वीकृत-4
17.जाति,संप्रदाय-2
18.उस समय-2
19.आदत,व्यवहार-4
23.माला का मोती-3
24.लालन-पालन-5
27.पूर्णिमा-3
28.वश,अधीन-2
30.खबर देने वाला-3
31.खदान,माइन-2
32.आश्रय,पनाह-3
33.संपत्ति-4

ऊपर से नीचे

1.घोड़े के पांव में लगने वाला लोहे का टुकड़ा-2
2.धारा के बीच में,अधर में-2,2
3.आफत,आपदा-3
4.एक समान-2
5.गृहपति,चांसलर-4
6.दाना-2
8.प्रतिकृति,प्रतिरूप-3
10.रोकर धनराशि-3
12.प्रेम ,आसक्ति-3
13.नीर,जल-2
15.भाग्य,तकदीर-3
17.जंबुल,जांब-3
18.टेंशन,परेशानी-3
20.काया,बदन-2
21.उष्णता-3
22.नाश होने योग्य-4
23.साम्राज्ञी,रानी-3
25.रमण करने योग्य-4
26.अदा,चोंचला-3
27.पूड़ी,गोलगप्पा-2
29.पिता की बहन-2
31.उर्वरक,गाय के गोबर से बना पदार्थ जो खेत में डाला जाता है-2

शब्द पहेली -3790 का हल

■	श	म	शा	न	■	म	ति	मं	द	■
क	■	■	य	■	वी	■	रं	■	■	शौ
र	■	प	र	व	र	दि	गा	र	■	ता
ता	ड़	ना	■	■	वा	■	■	ज	वा	न
र	■	ह	■	प	र	दा	■	त	री	■
■	नी	■	गै	र	■	म	जा	■	स	■
■	र	वि	■	म	न	न	■	स	■	आ
ग	ज	रा	■	■	फा	■	■	ह	की	म
र	■	म	ह	सू	स	क	र	ना	■	द
म	■	■	रा	■	त	■	खै	■	■	नी
■	सो	म	ना	थ	■	य	ल	गा	र	■

जोमैटो के सह संस्थापक ने कहा, कंपनी बदल चुकी है, उन्होंने खुद भी काफी कुछ सीखा

नई दिल्ली।

जोमैटो के सह-संस्थापक दीपेंद्र गोयल ने हाल ही में एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक भावुक पोस्ट के जरिए अपने पूर्व कर्मचारियों को एटरनल में काम करने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि चाहे किसी ने खुद कंपनी छोड़ी हो या उन्हें जाने को कहा गया हो, सभी को वापस आने का स्वागत है। गोयल ने यह भी बताया कि उनका उद्देश्य यह दिखाना है कि कंपनी समय के साथ बदल चुकी है और सीख रही है। पोस्ट में गोयल ने माना कि पहले जोमैटो का कार्यस्थल सभी के लिए उपयुक्त नहीं था। उन्होंने लीडरशिप, काम का दबाव और अव्यवस्था को चुनौतियों के रूप में बताया। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि समय के साथ कंपनी बदल चुकी है और उन्होंने खुद भी काफी कुछ सीखा है। गोयल के मुताबिक एटरनल में 400 से अधिक कर्मचारी दूसरी या तीसरी बार कंपनी में काम कर रहे हैं और उनमें से कई अब अपने सबसे अच्छे प्रदर्शन में हैं। गोयल ने साफ किया कि भले ही अब वह एटरनल के सीईओ नहीं हैं, पद कभी मायने नहीं रखते। उनका मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को काम करने का अवसर देना और कंपनी

के अगले चरण में उन्हें शामिल करना है। पोस्ट पर सोशल मीडिया पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं आईं। कुछ लोगों ने इसे ईमानदार और प्रेरणादायक बताया, जबकि कुछ ने इसे डैमेज कंट्रोल और नॉस्टैल्जिया की कोशिश करार दिया। कई यूजर्स ने खुले तौर पर लिखा कि वे एटरनल या ब्लिंकिट के साथ दोबारा काम करना चाहते हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में कृषि और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा पर जोर: पीयूष गोयल

- समझौते का पूरा विवरण साझा करने के लिए संयुक्त बयान जल्द

नई दिल्ली।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि भारत ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते में अपने कृषि और डेरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित की है। दोनों देश जल्द ही इस समझौते का पूरा विवरण साझा करने के लिए संयुक्त बयान जारी करेंगे। गोयल ने कहा कि यह करार हर भारतीय के हितों की रक्षा करेगा और नई आर्थिक संभावनाओं के मार्ग खोलेगा। गोयल ने स्पष्ट किया कि भारत डेरी, पोल्ट्री, अनाज, सोया मील और मक्का जैसे संवेदनशील कृषि उत्पादों पर शुल्क में कोई छूट नहीं देगा। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने भी कहा कि भारत कुछ क्षेत्रों को सुरक्षा प्रदान करता है, और अमेरिका वहां पहुंच बढ़ाने पर काम करेगा। कुछ कम संवेदनशील कृषि उत्पादों पर शुल्क शून्य कर दिया जाएगा, जबकि अधिक संवेदनशील उत्पादों पर शुल्क धीरे-धीरे घटाया जाएगा और कोटा तय होगा। ग्रीर ने बताया कि औद्योगिक सामान पर औसत शुल्क 13.5 फीसदी है, और अब 98-99 फीसदी उत्पाद पर शुल्क शून्य किया जाएगा। गोयल ने कहा कि समझौता टेक्सटाइल, प्लास्टिक, कपड़े, होम डेकोर, चमड़ा, फुटवियर, रत्न-आभूषण, ऑर्गेनिक रसायन, रबर के सामान, मशीनरी और विमान कलपुर्जों जैसे श्रम-संवेदनशील क्षेत्रों के लिए बड़े अवसर खोलेगा। इन क्षेत्रों का अमेरिका में निर्यात में हिस्सा एक-तिहाई से अधिक है। शुल्क को 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी किया जाएगा, जिससे भारतीय उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में बढ़त मिलेगी।

पीएलआई योजनाएं: 34 हजार करोड़ स्वीकृत, खर्च हुए 19 हजार करोड़!

- कई योजनाओं में तय राशि का पूरा उपयोग नहीं हो सका

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार की प्रोडक्शन-लिंकड इंसेंटिव (पीएलआई) योजनाओं को लेकर बजट 2026-27 (वित्त वर्ष 27) में मिली-जुली तस्वीर सामने आई है। 14 से अधिक सेक्टरों से जुड़ी इन योजनाओं में कुछ जगह सरकार ने आवंटन बढ़ाया है, जबकि कई योजनाओं में तय राशि का पूरा उपयोग नहीं हो सका। मोबाइल फोन और बड़े पैमाने की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए लागू पीएलआई योजना, जो वित्त वर्ष 26 में समाप्त हो रही है, इसका प्रमुख उदाहरण है। इस योजना के तहत सरकार कुल 19,908 करोड़ रुपए का इंसेंटिव देगी, जबकि कुल स्वीकृत बजट 34,193 करोड़ रुपए था। यानी सिर्फ 58 प्रतिशत राशि ही खर्च हो पाई। मार्च 2025 तक 11,603 करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं, वित्त वर्ष 26 के संशोधित अनुमान में 6,960 करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 27 के लिए 1,345 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। कई कंपनियों के तय उत्पादन लक्ष्य पूरे न होने के कारण पूरा बजट खर्च नहीं हो सका। कुछ अन्य पीएलआई योजनाओं में सरकार का रुख काफी सकारात्मक दिखता है। व्हाइट गुड्स और एलईडी मैन्युफैक्चरिंग के लिए वित्त

वर्ष 27 में 1,003.54 करोड़ रुपए रखे गए हैं, जो वित्त वर्ष 26 के संशोधित अनुमान से तीन गुना से अधिक है। वहीं ऑटो और ऑटो कंपोनेंट पीएलआई योजना के लिए वित्त वर्ष 27 में 5,939.87 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो वित्त वर्ष 26 के आरई से 184 प्रतिशत ज्यादा है।

इससे टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज ऑटो, टीवीएस मोटर और ओला इलेक्ट्रिक जैसी कंपनियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इसके उलट एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल बैटरी पीएलआई योजना अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई है।

18,100 करोड़ रुपए के कुल बजट के बावजूद अब तक सिर्फ ओला इलेक्ट्रिक ने इंसेंटिव का दावा किया है। आईटी हार्डवेयर और टेक्सटाइल पीएलआई योजनाओं में भी वित्त वर्ष 26 में कटौती के बाद वित्त वर्ष 27 में केवल सीमित बढ़ोतरी की गई है, जिससे इन सेक्टरों में अनिश्चितता बनी हुई है।

एडवेंट ने आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस में 2,750 करोड़ का निवेश किया

नई दिल्ली।

प्राइवेट इक्विटी फर्म एडवेंट इंटरनेशनल की इकाई इंद्रिय लिमिटेड ने आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एबीएचएफएल) में 14.3 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है। यह सौदा कुल 2,750 करोड़ रूपए का है, जबकि एबीएएफएल का कुल मूल्यांकन 19,250 करोड़ रूपए आंका गया है। आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड और एबीएचएफएल के बोर्ड ने इस प्राथमिक पूंजी निवेश को मंजूरी दी है। सौदा शेयरधारकों और नियामकों की मंजूरी मिलने के बाद पूरा होगा। एबीएचएएफएल की प्रबंधनीय परिसंपत्ति 31 दिसंबर तक 42,204 करोड़ रूपए थी। कंपनी ने पिछले तीन वर्षों में 48 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से एयूएम बढ़ाई है। इसके अलावा कंपनी ने 0.54 फीसदी ग्रॉस स्टेज 3 और 0.23 फीसदी नेट स्टेज 3 अनुपात बनाए रखकर उच्च पूंजी गुणवत्ता प्रदर्शित की है। एबीएचएफएल इस निवेश का इस्तेमाल मौजूदा कारोबार को गति देने, बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने और आवास वित्त क्षेत्र में अगले विस्तार चरण में प्रवेश करने के लिए करेगी। कंपनी के एक वेरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह निवेश कंपनी को बाजार में मजबूत स्थिति हासिल करने में मदद करेगा।

कीमती धातुओं की जोरदार वापसी, चांदी में सोने से अधिक मुनाफे की उम्मीद

- सोना-चांदी अनुपात निवेश दिशा तय करने में अहम

नई दिल्ली।

सराफा बाजार में पिछले कुछ दिनों की ऐतिहासिक गिरावट के बाद कीमती धातुओं ने फिर जोरदार वापसी की है। वैश्विक बाजार में आई तेजी ने निवेशकों का उत्साह बढ़ा दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 6 फीसदी बढ़कर 4,935 डॉलर प्रति औंस हो गई, जो साल 2008 के बाद की सबसे बड़ी छलांग है। वहीं, चांदी ने 10 फीसदी की उछाल के साथ 87.40 डॉलर प्रति औंस का स्तर छू लिया। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, सोना-चांदी अनुपात निवेश दिशा तय करने में अहम है। यह बताता है कि एक औंस सोना खरीदने के लिए कितनी चांदी की जरूरत होगी। वर्तमान में यह अनुपात 56 है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब यह आंकड़ा 50 से नीचे जाता है, तो चांदी महंगी मानी जाने लगती है। पिछले सप्ताह अनुपात कम होने के बाद कीमतों में सुधार की संभावना स्पष्ट थी। विशेषज्ञों का अनुमान है कि चांदी आने वाले समय में सोने से अधिक लाभ दे सकती है। अगर यह अनुमान सच होता है, तो चांदी जल्द ही 100 डॉलर के स्तर तक पहुंच सकती है, जो मौजूदा कीमत से लगभग 15 फीसदी अधिक है। दूसरी ओर, सोने में 6-7 फीसदी की वृद्धि की उम्मीद है। बाजार के जानकार चांदी को कम समय में तेजी दिखाने वाली धातु मानते हैं, जबकि सोने को मैराथन रनर यानी लंबी अवधि के स्थिर निवेश के रूप में देखते हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.45 पर बंद हुआ। सुबह शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 पैसे टूटकर 90.54 पर पहुंच गया। एक दिन पहले भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति की खबर से आई तेज मजबूती बुधवार को बरकरार नहीं रह सकी। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, बाजार में सकारात्मक माहौल के बावजूद निवेशक अभी सतर्क रुख अपनाए हुए हैं, क्योंकि अब तक कोई आधिकारिक या हस्ताक्षरित व्यापार समझौता सामने नहीं आया है। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 90.35 प्रति डॉलर पर खुला, लेकिन जल्द ही दबाव में आकर 90.54 के स्तर तक फिसल गया। इसके मुकाबले मंगलवार को रुपया 117 पैसे करीब 1.28 फीसदी की रिकॉर्ड बढ़त के साथ 90.32 पर बंद हुआ था और एशियाई मुद्राओं में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बना था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी गिरकर 97.41 पर रहा।

फैक्टल एनालिटिक्स का आईपीओ नौ फरवरी को खुलेगा

- मूल्य दायरा 857-900 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली। कृत्रिम मेधा (एआई) समाधान प्रदाता फैक्टल एनालिटिक्स ने अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 857-900 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने कहा कि आईपीओ सार्वजनिक निवेशकों के लिए 9 फरवरी से खुलकर 11 फरवरी तक उपलब्ध रहेगा। बड़े निवेशक (एंकर) 6 फरवरी को बोली लगा सकेंगे। कंपनी के आईपीओ में कुल 2,833.9 करोड़ रुपए का निर्गम शामिल है, जिसमें 1,023.5 करोड़ नए शेयर और 1,810.4 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकि (ओएफएस) शामिल है। इससे यह स्पष्ट होता है कि आईपीओ का बड़ा हिस्सा मौजूदा शेयरधारकों द्वारा बेचे जाने वाले शेयरों से बनता है। फ्रैक्टल एनालिटिक्स ने पहले अगस्त में आईपीओ के माध्यम से 4,900 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा था। हालांकि, अब तय किया गया आईपीओ आकार पहले की अपेक्षा कम है। कंपनी ने बताया कि आईपीओ से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल फ्रैक्टल यूएसए में निवेश, कर्ज का पुनर्भुगतान, लैपटॉप और नए कार्यालय की खरीद, अनुसंधान एवं विकास, बिक्री और विपणन समर्थन, अधिग्रहण और अन्य रणनीतिक पहलों के लिए किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए भी धन का उपयोग किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि आईपीओ में ओएफएस का बड़ा हिस्सा मौजूदा शेयरधारकों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से है, जबकि नई पूंजी कंपनी के विस्तार और अनुसंधान में निवेश के लिए इस्तेमाल होगी। निवेशकों के लिए यह एआई क्षेत्र में संभावनाओं वाले प्लेटफॉर्म में हिस्सेदारी का अवसर प्रदान करता है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील से भारत को होगा 27,081 करोड़ का फायदः एसबीआई

- अमेरिका से आयातित वस्तुएं सस्ती होंगी और व्यापार में राहत मिलेगी

मुंबई। भारत और अमेरिका के बीच नई ट्रेड डील अंतिम रूप ले चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर लगाए गए 50 फीसदी तक के टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप अमेरिका से आयातित वस्तुएं सस्ती होंगी और व्यापार में राहत मिलेगी। इस डील के तहत अमेरिका ने भारत को वेनेजुएला से कच्चा तेल खरीदने की अनुमति दी है। वेनेजुएला का मेरी 16 हेवी क्रूड अंतरराष्ट्रीय बाजार भाव से लगभग 10-12 डॉलर प्रति बैरल सस्ता उपलब्ध है। यह भारत को रूस पर अत्यधिक निर्भरता घटाने का मौका देता है। एसबीआई के अध्ययन के अनुसार अगर भारत रूस के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदता है, तो सालाना 27,081 करोड़ रुपए (करीब 3 अरब डॉलर) की बचत हो सकती है। यह सीधे तौर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर दबाव कम करने में मदद करेगी। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदा था, जिसकी हिस्सेदारी वित्त वर्ष 25 में 30 फीसदी से अधिक हो गई थी। अब भारत के पास लगभग 40 देशों से तेल खरीदने के विकल्प हैं, जिनमें वेनेजुएला, सऊदी अरब, इराक, यूएई, अमेरिका और पश्चिमी अफ्रीकी देश शामिल हैं। इससे भारत की ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षित और संतुलित रहेगी।

टेस्ला और स्पेसएक्स के संस्थापक एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने

- मस्क की संपत्ति में रिकॉर्ड उछाल, 852 बिलियन डॉलर पार पहुंची नेटवर्थ

नई दिल्ली।

टेस्ला और स्पेस एक्स के संस्थापक एलन मस्क ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। हाल ही में उनकी एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप एआई के मर्जर के बाद मस्क की नेटवर्थ अब 852 बिलियन डॉलर (लगभग 7.7 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच गई है। इस डील से उनकी संपत्ति में लगभग 84 बिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई। फोर्ब्स के अनुसार, मर्जर के बाद मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। मर्जर से पहले स्पेसएक्स की वैल्यू लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर और एक्सएआई की वैल्यू 250 बिलियन डॉलर थी। दोनों कंपनियों को मिलाकर नई संयुक्त कंपनी की कुल वैल्यू 1.25 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है। मर्जर से मस्क की नई हिस्सेदारी लगभग 43 प्रतिशत है, जिसकी कुल वैल्यू 542 बिलियन डॉलर पहुंच गई है। मर्जर से पहले मस्क की स्पेसएक्स में 42 प्रतिशत और एक्सएआई में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। स्पेसएक्स में उनकी हिस्सेदारी की वैल्यू लगभग 336 बिलियन डॉलर, जबकि एक्सएआई में यह 122 बिलियन डॉलर आंकी गई थी। स्पेसएक्स और एक्सएआई के मर्जर का उद्देश्य अंतरिक्ष में एआई कंप्यूटिंग क्षमता को बढ़ाना बताया गया है। इस योजना के तहत बड़ी संख्या में सैटेलाइट्स भेजे जाएंगे, जो डेटा सेंटर की तरह काम करेंगे। यह मर्जर मस्क की कंपनियों का पिछले एक साल में दूसरी बार हुआ मर्जर है; पहले मार्च 2025 में एक्सएआई और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स का मर्जर हुआ था।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 78, निफ्टी 48 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच ही खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान कंज्यूमर, ऑयल एंव गैस और एनर्जी शेयरों में जमकर खरीदारी हुई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 78.56 अंक बढ़कर 83,817.69 और 50 शेयरों वाल एनएसई निफ्टी 48.45 अंक ऊपर आकर 25,776.00 पर बंद हुआ। मुख्य सूचकांकों में निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी ऑयलएंडगैस, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी पीएसई, निफ्टी इन्फ्रा और तेजी के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर निफ्टी आईटी, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी सर्विसेज 0.42 और निफ्टी फार्मा 0.34 की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक उछाल रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 376.50 अंक की तेजी के साथ 59,683.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 216.15 अंक बढ़कर 17,205.10 पर था।सेंसेक्स पैक में एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, मारुति सुजुकी, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक के शेयर लाभ में रहे जबकि इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक के शेयर गिर।

इससे पहले आज सुबह बाजारों में हल्की बढ़त दर्ज की गई। सभी प्रमुख सेक्टरों में खरीदारी देखी गई, हालांकि आईटी शेयरों में गिरावट के कारण बाजार की तेजी सीमित रही। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 44 अंक की बढ़त के साथ 83,783 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 51 अंक चढ़कर 25,778 पर पहुंच गया।

वहीं एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई इंडेक्स फ्लैट रहा और शेनझेन में 0.88 फीसदी की गिरावट आई, जापान का निक्केई 0.6 फीसदी गिरा, और हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.73 फीसदी नीचे आया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.72 फीसदी बढ़ा। पिछले ट्रेडिंग सेशन में अमेरिकी बाजार ज्यादातर हरे निशान में बंद हुए, जबकि नैस्डैक में 1.43 फीसदी की गिरावट आई। एसएंडपी 500 में 0.84 फीसदी की गिरावट आई, और डॉव जोन्स 0.34 फीसदी नीचे आया।

गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 5,236 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयर खरीदे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1,014 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयर खरीदे।

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जनवरी में दो महीने के उच्च स्तर पर

- सर्वेक्षण के अनुसार नए व्यवसाय की मांग में तेजी मुख्य कारण रही

नई दिल्ली।

भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर जनवरी में तेजी से बढ़कर एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई 58.5 पर पहुंच गई, जो पिछले दो महीनों का उच्चतम स्तर है। दिसंबर में यह सूचकांक 58.0 था। पीएमआई में 50 से ऊपर का अंक गतिविधियों में विस्तार का संकेत देता है। इस बढ़त से पता चलता है कि सेवा क्षेत्र मजबूत गति के साथ आगे बढ़ रहा है। सर्वेक्षण के अनुसार नए व्यवसाय की मांग में तेजी मुख्य कारण रही। घरेलू बाजार से ऑर्डर में वृद्धि हुई, जबकि अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर, विशेषकर दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से भी मजबूत रहे। उत्पादन में बढ़ोतरी ने सेवा प्रदाताओं को अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती के लिए प्रोत्साहित किया। प्रतिभागियों ने इंडोनेशिया, केन्या, मलेशिया, ओमान, कतर, श्रीलंका, थाईलैंड और वियतनाम से प्राप्त नए व्यवसाय की जानकारी साझा की। सेवा प्रदाता आने वाले समय के

लिए अधिक आशावादी हैं। नए ऑर्डर और उत्पादन में वृद्धि ने निजी क्षेत्र में **रोजगार सृजन और व्यावसायिक विश्वास** को मजबूत किया। दिसंबर में रोजगार में ठहराव के बाद जनवरी में निजी क्षेत्र में रोजगार बढ़ा, हालांकि दर मामूली रही। कच्चे माल और विक्रय शुल्क में वृद्धि हुई, लेकिन यह मामूली रही। उपभोक्ता सेवा क्षेत्र में लागत का दबाव सबसे अधिक देखा गया, जबकि उत्पादन शुल्क में वित्त और बीमा क्षेत्र में सबसे तेज़ वृद्धि दर्ज की गई।

सिग्नेचर ग्लोबल की तीसरी तिमाही में 45.33 करोड़ का घाटा

- कंपनी की कुल आय 312.76 करोड़ रुपए रही

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने अक्टूबर-दिसंबर 2025 में 45.33 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा दर्ज किया। इसी अवधि में कंपनी की कुल आय 312.76 करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल की समान तिमाही के 862.14 करोड़ रुपए की तुलना में लगभग 64 फीसदी कम है। अक्टूबर-दिसंबर 2024 में कंपनी ने 29.13 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि पहले नौ महीनों में प्रदर्शन स्थिर रहा। उन्होंने रियल एस्टेट बाजार में नरमी के बावजूद यह बताया कि गुणवत्ता वाले प्रोजेक्ट और समय पर डिलीवरी वाले डेवलपर्स के लिए अवसर बने हुए हैं। सिग्नेचर ग्लोबल 2025-26 में 12,500 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य रखती है। हालांकि, गुरुग्राम में आवासीय मांग में सुस्ती के कारण इस लक्ष्य को हासिल करना चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। कंपनी 2024-25 में 10,290 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बिक्री बुकिंग कर चुकी है और देश की शीर्ष रियल एस्टेट कंपनियों में शामिल है।

आय फाइनेंस का 1,010 करोड़ का आईपीओ नौ फरवरी को खुलेगा

- एंकर निवेशक 6 फरवरी को बोली लगा पाएंगे; शेयर 16 फरवरी को सूचीबद्ध

नई दिल्ली। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) आय फाइनेंस का 1,010 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 9 फरवरी से खुलने जा रहा है। कंपनी का उद्देश्य भविष्य में कारोबार वृद्धि और परिसंपत्ति विस्तार के लिए अपने पूंजी आधार को मजबूत करना है। आईपीओ का मूल्य दायरा 122 से 129 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। यह 11 फरवरी को बंद हो जाएगा। बड़े निवेशक या एंकर निवेशक 6 फरवरी को बोली लगा पाएंगे। कुल आईपीओ में 710 करोड़ रुपये के नए शेयर और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 300 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश शामिल है। आय फाइनेंस के शेयर 16 फरवरी को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होंगे।

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में भारत की ईशा ने जीते दो स्वर्ण, पुरुष वर्ग में सम्राट को मिला कांस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की ईशा सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते है। ईशा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा के साथ-साथ टीम इवेंट में भी स्वर्ण पदक हासिल किया ओलंपियन ईशा ने फाइनल में शुरुआत में पीछे होने के बाद भी शानदार वापसी करते हुए 239.8 अंक हासिल कर स्वर्ण पर निशाना लगाया। उन्होंने चीनी ताइपे की चेंग येन चिंग 235.4 और यू ऐ वेन 217.7 को पीछे छोड़ा। इसी के साथ ही ईशा ने सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में दूसरा स्वर्ण जीता है। वहीं भारत की ही सुरुचि सिंह फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं। वहीं ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर सातवें स्थान पर रहीं। क्वालीफाइंग राउंड में सुरुचि ने 576 अंक, जबकि ईशा और मनु ने 575-575 अंक हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में सुरुचि 576, मनु 575 और ईशा 575 की तिकड़ी ने कुल 1726 अंक जुटाकर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। वियतनाम और चीनी ताइपे दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।वहीं पुरुष वर्ग की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भारत के विश्व चैंपियन सम्राट राणा से फाइनल में असफल रहे और 220.3 अंक के साथ कांस्य पदक ही हासिल कर पाये। उज्बेकिस्तान के व्लादिमीर स्वेचनिकोव ने स्वर्ण पदक जीता।पुरुष टीम स्पर्धा में सम्राट राणा 581, श्रवण कुमार 578 और वरुण तोमर 573 ने कुल 1732 अंक हासिल किये।

दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी में आज होगा डब्ल्यूपीएल फाइनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट के फाइनल में गुरुवार को दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। इस मैच में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। अब तक दोनो ही टीमों ने इस टूर्नामेंट में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। दिल्ली ने गुजरात जायंट्स को एलिमिनेटर मुकाबले में सात विकेट से हराकर चौथी बार फाइनल में जगह बनायी है। वहीं लीग की अंकतालिका मे शीर्ष प रहकर आरसीबी ने सीधे फाइनल में प्रवेश किया।

एलीमिनेटर मुकाबले में दिल्ली ने पहले गेंदबाजी करते हुए गुजरात जायंट्स को सात विकेट पर 168 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को 15.4 ओवर में ही तीन विकेट के नुकसान पर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। दिल्ली की ओर से लिजेल ली ने 24 गेंद में 43, शेफाली वर्मा ने 21 गेंद में 31, कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने 23 गेंद में 41 रन और लौरा वोल्वर्डट ने 24 गेंद में नाबाद 32 रन बनाये। वहीं जायंट्स के लिए जॉर्जिया वेयरहम ने दो विकेट लिए।

इस सत्र में आरसीबी ने दमदार खेल दिखाया है। लीग राउंड में आरसीबी ने लगातार 5 मैच जीतकर प्लेऑफ में जगह बनायी थी। सत्र सीजन के 15वें मैच में दिल्ली ने आरसीबी को 7 विकेट से हराया था। वह मुकाबला भी वडोदरा में ही खेला गया था। दोनों टीमों के बीच अभी तक 9 मुकाबले हुए हैं। इसमें दिल्ली ने 6 जीते हैं जबकि आरसीबी ने तीन मैच जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- स्मृति मंधाना (कप्तान), ग्रेस हैरिस, जॉर्जिया वोल, गौतमी नाइक, ऋचा घोष (विकेटकीपर), नादिन डी क्लर्क, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, प्रेमा रावत, सयाली सतघरे, लॉरेन बेल, प्रथ्योषा कुमार, अरुंधति रेड्डी, दयालन हेमलता, पूजा वस्त्राकर, लिन्से स्मिथ।

दिल्ली कैपिटल्स- जेमिमाह रोड्रिग्स (कप्तान),शैफाली वर्मा, लिजेल ली (विकेटकीपर), लौरा वोल्वाड्र्ट, मारिज़ैन कप्प, निकी प्रसाद, स्नेह राणा, लुसी हैमिल्टन, श्री चरणी, नंदनी शर्मा, मिन्नू मणि, तानिया भाटिया, अलाना किंग, चिनेले हेनरी, प्रगति सिंह, एडडला स्रुजाना।

बार्सिलोना ने अल्बासेटे को 2-1 से हराकर कोपा सेमीफाइनल में

मैड्रिड। लामिन यामल और रोनाल्ड अरौजो ने प्रत्येक हाफ में एक-एक गोल किया, जिससे बार्सिलोना ने मंगलवार को दूसरी श्रेणी की टीम अल्बासेटे को 2-1 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अल्बासेटे ने राउंड ऑफ 16 में रियाल मैड्रिड को हराकर सबको चौंका दिया था। बार्सिलोना के सामने भी उसने अच्छी चुनौती पेश की। बार्सिलोना की सभी टूर्नामेंटों में खेले गए पिछले 17 मैचों में यह 16वीं जीत है। वह लगातार चौथी बार कोपा सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड को हराकर खिताब जीता था। बार्सिलोना स्पेनिश लीग में शीर्ष पर है और रियाल मैड्रिड से एक अंक आगे है। कोपा का सेमीफाइनल दो चरणों में खेला जाएगा। फाइनल अप्रैल में सेविला में होगा।

भारत, इंग्लैंड, सहित ये चार टीमें टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंचेंगी : वॉन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार संभावित टीमों के नाम बताये हैं। वॉन के अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलियाई टीमें अंतिम चार में पहुंच सकती हैं। वॉन की इस सूची में पिछले साल की उपविजेता दक्षिा अफ्रीका का नाम नहीं है। वॉन के अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम की संभावनएं काफी कम हैं।

वॉन ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे अनुसार भारत, इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल के प्रबल दावेदार हैं। इस बार टी20 विश्वकप का प्रारुप 2024 संस्करण जैसा ही रहेगा। इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष-10 20 रैंकिंग वाली टीमों में से 9 टीमें हिस्सा लेंगी। वॉन ने लिखा, टी20 विश्व कप 2026 में मेरे अनुसार मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। इस बार कुल 20 टीमें खिताब के लिए उतरेंगी आएंगी। शीर्ष 10 रैंक वाली टीमों में से नौ टीमें खेलेंगी। इस बार बांग्लादेश ने इन टूर्नामेंट का बहिष्कार किया है। ऐसे में उसकी जगह पर स्कॉटलैंड की टीम उतरेगी।

ग्रुप चरण में पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप होंगे। हर ग्रुप से टॉप दो टीमें सुपर 8 चरण में जाएंगी। भारत ग्रुप ए में पाकिस्तान, नीदरलैंड्स, नामीबिया और अमेरिका के साथ है। इसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को अमेरिका के खिलाफ कारेग, उसके बाद 12 फरवरी को नामीबिया और 18 फरवरी को नीदरलैंड्स से खेलेगी। वहीं पाकिस्तान की टीम 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच से बाहर रहेगी। ऐसे में इस मैच में भारतीय टीम को बिना खेले ही वॉकओवर की स्थिति में भारत को पूरे अंक मिलेंगे।

इंग्लैंड को ग्रुप सी में रखा गया है। इंग्लैंड की आठ फरवरी को नेपाल, 11 फरवरी को वेस्टइंडीज , 14 फरवरी को स्कॉटलैंड और 16 फरवरी को इटली से खेलना है। ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में है, जहां उसका सामना आयरलैंड से 11 फरवरी, जिम्बाब्वे से 13 फरवरी, श्रीलंका से 16 फरवरी और ओमान से 20 फरवरी को होगा। न्यूजीलैंड ग्रुप डी में है, जिसमें अफगानिस्तान, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा शामिल। न्यूजीलैंड टीम 8 फरवरी को अफागानिस्तान, 10 फरवरी को यूएई, 14 फरवरी को साउथ अफ्रीका और 17 फरवरी को कनाडा के विरुद्ध खेलेगी।

आईसीसी टी20आई रैंकिंग : ईशान किशन की बड़ी छलांग, टॉप-10 में ये तीन भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत का दबदबा साफ नजर आ रहा है। ताज़ा सूची में अभिषेक शर्मा नंबर-1 पर कायम हैं, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव टॉप-10 में जगह बनाए हुए हैं और तिलक वर्मा भी बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल हैं। इसी बीच, विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार वापसी सीरीज के बाद 32 पायदान की छलांग लगाते हुए बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32वें स्थान पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में बाएं हाथ के ईशान किशन ने महज तीन मैचों में 207 रन बनाए, जिसमें उनका पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक भी शामिल रहा। टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से ठीक पहले जारी हुई इस रैंकिंग ने किशन की मजबूत फॉर्म पर मुहर लगा दी है।

सूर्यकुमार यादव को फायदा, अभिषेक शर्मा कायम शीर्ष पर

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव भी रैंकिंग में आगे बढ़ते हुए पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, युवा ओपनर अभिषेक शर्मा बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष स्थान पर अपना दबदबा बनाए हुए हैं।

साइम अयूब बने नंबर-1 टी20ढ्ढ ऑलराउंडर

पाकिस्तान के ओपनर साइम अयूब ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर टी20ढ्ढ ऑलराउंडर्स रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। पाकिस्तान ने यह सीरीज 3-0 से जीती थी, जिसमें 23 वर्षीय अयूब ने 119 रन बनाने के साथ तीन विकेट भी झटके। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा को शीर्ष स्थान से हटाया।

पाकिस्तानी गेंदबाजों को भी फायदा

पाकिस्तान के मुख्य स्पिनर अब्रार अहमद ने भी बड़ी छलांग लगाते हुए गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल किया। वह शीर्ष पर काबिज वरुण चक्रवर्ती से अब सिर्फ 28 अंक पीछे हैं। ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज, जिन्होंने सीरीज में पांच विकेट लिए थे, गेंदबाजों की सूची में आठ स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए।

अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में बदलाव

इंग्लैंड के लेग-स्पिनर आदिल राशिद दो पायदान चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर आठ स्थान की छलांग के साथ संयुक्त 23वें स्थान पर हैं। बल्लेबाजों की टॉप-10 सूची में भी बदलाव देखने को मिला–इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो बटलर तीसरे स्थान पर पहुंचे, श्रीलंका के पथुम निसांका पांचवें और न्यूजीलैंड के टिम सिफर्ट नौवें स्थान पर पहुंच गए।

दक्षिण अफ्रीका के ओपनर रयान रिकेल्टन ने 42 स्थान की छलांग लगाकर 40वां स्थान हासिल किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन 16 पायदान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गए। शानदार शतक जड़ने वाले क्विंटन डी कॉक को भी फायदा मिला और वह 15 स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गए।

भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल में जीत से शुरुआत की

लानुसिया (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाजों ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 मुक्केबाजी टूर्नामेंट में शानदार जीत के साथ शुरुआत की है। इस टूर्नामेंट में 21 देशों के 214 मुक्केबाज उतरे हैं। इसमें भारतीय मुक्केबाजों ने अपने शुरुआती मुकाबले जीत लिये हैं। भारत के हितेश गुलिया ने पुरुषों के एलीट 70 किग्रा वर्ग में अपने जबरदस्त प्रहारों से नीदरलैंड के फिन बोस को 5-0 से हराया। वहीं महिलाओं के एलीट 54 किग्रा वर्ग में प्रीति ने कजाकिस्तान की अलियास्कर सिम्बैट के खिलाफ 5-0 से आसान जीत दर्ज की। इस टूर्नामेंट में प्रीति के अलावा भारत ही प्राची ने 57 किग्रा और प्रिया ने 60 किग्रा भार वर्ग में स्पेन की वनेसा मोरेल रामिरेज़ और कनाडा की एलेशिया मानसुएटो को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी। भारत की की काजल ने 65 किग्रा भार वर्ग में कजाकिस्तान की असीम तनातार को 4-1 से हराया। वहीं पुरुष वर्ग में हितेश के अलावा सचिन ने 60 किग्रा भार वर्ग में मेजबान स्पेन के ब्रैंडन एलेजांद्रो को 5-0 से हराया जबकि जबकि मोहम्मद हुसामुद्दीन ने 60 किग्रा वर्ग में डेनमार्क के मटियास मेहमत बुयुक्देमिर को 4-1 से पराजित किया। अभिनाश जमवाल 65 किग्रा भार वर्ग में डेनमार्क के क़ालिद उस्मान को एकतरफ मुकाबले में 5-0 से हराने में सफल रहे। इसके अलावपा दीपक, आकाश और अंकुश भी जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गये है। दीपक ने 70 किग्रा भार वर्ग में बेल्जियम के हॉर्नेल आयतेवी को 4-1 से हराया। वहीं आकाश ने 75 किग्रा और अंकुश ने 80 किग्रा भाग वर्ग में भी 4-1 के अंतर से जीत हासिल कर अगले दौर में जगह बनाई।

टी20 विश्वकप में अश्विन का रिकार्ड तोड़ सकते हैं बुमराह और अर्शदीप

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम ने पिछले कुछ समय में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है। उसको देखते हुए टीम को इस बार टूर्नोमेंट में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह पर भी इस टूर्नामेंट में सबकी नजरें रहेंगी। ये दोनो ही इस टूर्नोमेंट में सबसे अधिक विकेट लेने के नये रिकार्ड बना सकते हैं। बूमराह और अर्शदीप का प्रदर्शन पहले भी अच्छा रहा है और इस बार भी ये दोनो नये रिकार्ड बना सकते हैं। इन दोनों के पास इस बार दिग्गज स्पिनर आर अश्विन के सबसे अधिक 32 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का अवसर है।

जसप्रीत बुमराह- बुमराह ने अब तक 5 टी 20 विश्व कप खेले हैं और वह टी20 इतिहास में भारत के तीसरे सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ हैं। बुमराह ने 2016 से 2024 तक टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 18 मैचों में 5.44 की शानदार इकॉनमी से 26 विकेट लिए हैं।

अर्शदीप सिंह- अर्शदीप ने अब तक टी20 विश्वकप के दो संस्करणों में 27 विकेट लिए हैं। अर्शदीप सबसे अधिक विकेट लेने वालों की सूची में कुल मिलाकर 22वें स्थान पर हैं, जहां उनके साथ न्यूज़ीलैंड के ईश सोढ़ी और वेस्टइंडीज़ के ड्वेन ब्रावो भी शामिल हैं। हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था।

आर अश्विन-पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय और स्पिन गेंदबाज़ी के दिग्गज रविचंद्रन अश्विन के नाम आईसीसी टीम विश्वकप इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने भारतीय गेंदबाज हैं। साल 2012 से 2022 तक टूर्नामेंट खेलने वाले अश्विन ने 24 मैचों में 6.49 की इकॉनमी से 32 विकेट लिए हैं। ओवरऑल रैंकिंग में वह मिचेल स्टार्क के साथ संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में भी श्रीलंका को हराकर 3-0 से सीरीज जीती

कोलंबे (एजेंसी)। इंग्लैंड ने यहां तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में भी मेजबान श्रीलंकाई टीम को करीबी मुकाबले में 12 रनों से हराकर 3-0 से सीरीज जीत ली है। पहले दोनों मुकाबले भी श्रीलंकाई टीम हारी थी। टी20 विश्वकप के ठीक पहले मिली इस करारी हार से श्रीलंकाई टीम को करारा झटका लगा है। इससे उसकी विश्वकप के लिए तैयारियों पर भी सवाल उठ रहे हैं। तीसरे टी20 में सैम करन की करन के 48 गेंदों में 58 रनों की सहायता से इंग्लैंड की टीम ने 128 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का सामना करते हुए श्रीलंकाई टीम 19.3 ओवर में 116 रनों पर ही आउट हो गयी और इस प्रकार 12 रनों से मैच हार गयी। इस मैच में इंग्लैंड की टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया पर टीम के बल्लेबाज असफल रहे। पूरी टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 28 रन ही बना पायी।

सैम करन के 58 रनों की पारी के अलावा कई अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पाया। इंग्लैंड की ओर से केवल 3 बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। सैम करन के अलावा जोस बटलर ने 25 और लियाम डॉसन ने 14 रन बनाए। इसके बाद 129 रनों के छोटे से लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई बल्लेबाजी भी ढ़ेर हो गयी। उसके पांच बल्लेबाजों ने दो अंकों को पार किया पर कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। , कुसल मेंडिस ने 26 रन , पथुम निसंका ने 23 जबकि जनित लियानगे ने 17 रन बनाये, कमिंदु मेंडिंस ने 14 जबकि पवन रथनायके ने 13 रन बनाये। दूसरी ओर इंग्लैंड की ओर से जैकब बेथेल ने 4 जबकि विल जैक्स ने 3 विकेट लिए।

पूर्व पाक कप्तान राशिद लतीफ को अब भी भारत-पाक मैच होने की उम्मीद

लाहौर। पाकिस्तान ने जबसे टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की बात कही है। जिसके बाद से ही इस मामले को लेकर क्रिकेट जगत में घमासान मचा है। ये अटकलें लगायी जा रही हैं कि इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) किस प्रकार के कदम उठाता है। वहीं इस सब के बीच ही पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने दावा किया है कि उन्हें अब भी कोलंबो में भारत पाकिस्तान मैच के होने की उम्मीदें हैं। लतीफ ने कहा, मेरा मानना है कि यह फैसला सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईसीसी के काम करने के तरीके पर भी पड़ेगा। यह कोई रूटीन फैसला नहीं है। इसमें बातचीत के बाद बदलाव हो सकते हैं। एक फैसले में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का माहौल बदलने की क्षमताएं हैं। भारत-पाकिस्तान मुकाबला किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट का सबसे रोमांचक मैच माना जाता है, जिसे देखने वालों की संख्या अन्य मैचों से कहीं अधिक होती है। विश्व स्तर पर सबसे अधिक प्रायोजकों की रुचि और प्रसारण राजस्व भी इसी मैच से आता है। लतीफ का मानना है कि अभी जो भी कहा जा रहा है वह अलग बात है पर 15 फरवरी को दोनो के बीच मैच होने की संभावनाएं बनी हुई हैं। साथ ही कहा कि क्रिकेट से कारोबार भी जुड़ा है। इसके फैसले राजनीतिक स्तर पर लिए जाते हैं जिनका पालन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीस) करती है।

शनाका की कप्तानी में टी20 विश्वकप में उतरेगी श्रीलंकाई टीम, मेंडिस की वापसी

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने सात फारवरी से शुरु हो रहे टीम 20 विश्वकप 2026 के लिए दासुन शनाका की कप्तानी में अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में कामिंदु मेंडिस की भी वापसी हुइ है। मेंडिस ने नवंबर 2025 के बाद से ही नहीं खेला है। अब तक खेले गए 35 टी20 मैचों में कामिंदु मेंडिस ने 3 अर्धशतक के साथ ही 540 रन बनाए हैं। चयनकर्ताओं ने पिछले अच्छे प्रदर्शन के आधार पर उन्हें अवसर दिया है। वहीं धनंजय डी सिल्वा को टीम से बाहर कर दिया गया है। वहीं चयनकर्ताओं ने अनुभवी ऑलराउंडर धनंजय डी सिल्वा को टीम में शामिल नहीं किया है। सिल्वा का प्रदर्शन इस साल की शुरुआत से ही अच्छा नहीं रहा है। वह तीन पारियों में केवल 43 रन बना पाए और गेंदबाजी में भी केवल एक ही विकेट ले पाये थे। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में प्रभावित न कर पाने से चयनकर्ताओं ने उन्हें 15 सदस्यीय स्क्वॉड से बाहर रखा है। वहीं शनाकाको को अनुभवी होने के कारण कप्तानी दी गई है। टी20 फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने अब तक 123 टी20 मैचों में 1743 रनों के अलावा 43 विकेट भी लिए हैं। ईशन मलिंगा को भी टीम में शामिल किया है हालांकि उनके खेलने का फैसला फिट होने पर लिया जाएगा। उनकी फिटनेस को लेकर सवाल बने हुए हैं। इस तेज गेंदबाज को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की ञ्20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में कंधे में चोट लगी थी। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। टीम की बल्लेबाजी पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस, चरिथ असलंका और कुसल परेरा पर निर्भर करेगी। इसके अलावा युवा खिलाड़ी पवन रत्नायके को भी टीम में जगह मिली है, जिन्होंने हाल के समय में टी20 में अच्छा प्रदर्शन किया है।

मौजूदा भारतीय टीम टी-20 में दुनिया की सबसे खतरनाक टीम: धोनी

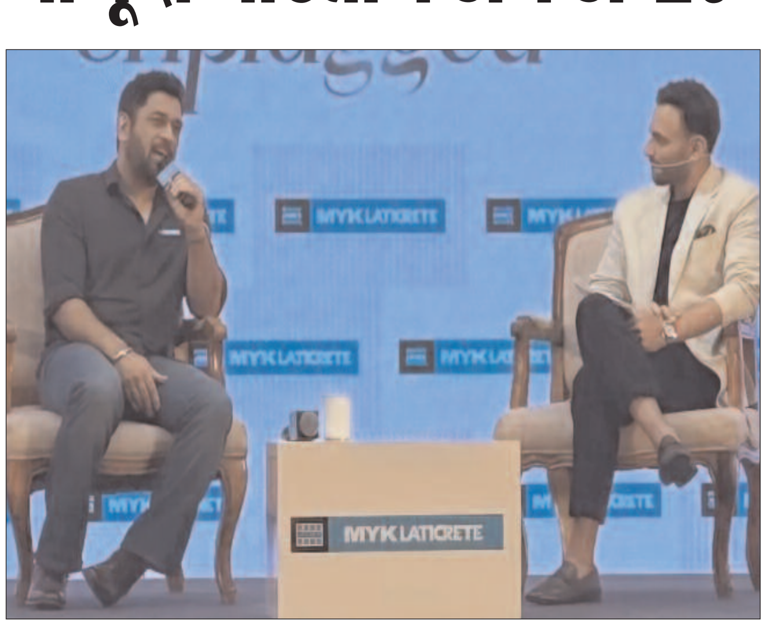

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम की संभावनाओं पर भरोसा जताया है। विश्व कप विजेता कप्तान का मानना है कि टीम इंडिया के पास अनुभव, कौशल और संतुलन का सही मिश्रण है।

धोनी ने इस बात पर जोर दिया कि टीम की ताकत इस बात पर निर्भर करती है कि खिलाड़ी दबाव वाली स्थितियों को कितनी अच्छी तरह से संभालते हैं और उनका रोल कितने अच्छे से तय है। खिलाड़ी हमेशा मैच के लिए तैयार रहते हैं, चाहे वह बैटिंग हो या बॉलिंग, जिससे भारत को अपने प्रतिद्वंद्वियों पर एक महत्वपूर्ण बढ़त मिलती है।

धोनी ने कहा, 'यह सबसे खतरनाक टीमों में से एक है। आप जानते हैं, उन्होंने (भारतीय खिलाड़ी) पहले ही बैटिंग या बॉलिंग शुरू कर दी होगी, लेकिन एक अच्छी टीम में क्या चाहिए? सब कुछ है। उनके पास अनुभव है। खासकर जब इस फॉर्मेट की बात आती है, तो अनुभव बहुत ज्यादा है। उन्होंने दबाव में खेला है। जो भी खिलाड़ी टीम में जो भी भूमिका निभा रहे हैं, वे काफी समय से उस स्थिति में रहे हैं।'

हालांकि धोनी आशावादी नजर आ रहे हैं, लेकिन उनका मानना है कि ओस व्हाइट-बॉल क्रिकेट में सबसे सावधानी से बनाई गई योजनाओं को भी खराब कर सकती है। माही के मुताबिक, ओस परिस्थितियों को काफी प्रभावित कर सकती है। टॉस के फैसलों को महत्वपूर्ण बना सकती है, जिससे मैचों में संभावित रूप से अनुचित फायदे हो सकते हैं।

धोनी ने कहा, 'मुझे किस बात की चिंता है? मुझे ओस से नफरत है। ओस बहुत सी चीजें बदल देती है। इसलिए, जब मैं खेलता था, तो एक चीज जो मुझे सच में डराती थी, वह थी ओस। अगर हम कुछ बेहतरीन टीमों के साथ 10 मैच खेलते हैं, तो हम ज्यादातर बार विजेता बनकर उभरेंगे। अगर स्थितियां न्यूट्रल रहती हैं।'

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान ने यह भी बताया कि टी20 क्रिकेट अप्रत्याशित होता है, जहां एक खराब खेल या विपक्षी टीम का शानदार प्रदर्शन परिणाम को पूरी तरह से बदल सकता है।

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'समस्या तब होती है जब आपके कुछ खिलाड़ी अच्छा नहीं खेलते और विपक्षी टीम का कोई खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करता है। टी20 ग्रुप में ऐसा हो सकता है। तो, यही वह समय है। चाहे यह लीग स्टेज में हो, चाहे यह नॉकआउट स्टेज में हो, यहीं पर दुआओं की जरूरत होती है। आप जानते हैं, किसी को चोट नहीं लगनी चाहिए। जो भी भूमिकाएं दी गई हैं, लोगों को टीम के लिए अपनी भूमिकाएं निभानी चाहिए।'

पर्यटन

केरल राज्य कई नदियों और पर्वत-पहाड़ियों से घिरा हुआ एक अनोखा पर्यटक स्थल है। जहां प्रतिवर्ष लाखों देशी-विदेशी पर्यटक यहां का सौंदर्य निहारने के लिए आते है। खास तौर पर यहां का विशिष्ट वन्य जीवन और जल प्रपात मन को मंत्रमुग्ध कर देते है।

एक अनोखा पर्यटक स्थल

केरल नेशनल पार्क

आइए जानते है केरल के महत्वपूर्ण नेशनल पार्क। जिनमें प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर मुख्य तौर इर्रावीकुलम नेशनल पार्क, पेरियार नेशनल पार्क, साइलेंट वैली नेशनल पार्क, वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क, इडुकी नेशनल पार्क आदि कई छोटे-बड़े नेशनल पार्क आते हैं। गौरतलब है कि विश्व भर में केरल वन्यजीवों की आरामगाह के रूप में भी प्रसिद्ध है।

इर्रावीकुलम

केरल और तमिलनाडु की सीमा पर स्थित इर्रावीकुलम नेशनल पार्क मुख्य रूप से नीलगाय तराह (हेमीट्रेगस हाइलो क्रिकस) के संरक्षण के लिए स्थापित किया गया पार्क है। ज्ञात हो कि नीलगाय तराह एक दुर्लभ पशु है, जो सिर्फ हिमालय के ठंडे इलाकों में पाया जाता है।

वर्ष 1978 में इस वन्यजीव पार्क को नेशनल पार्क का दर्जा प्राप्त हुआ। 97 वर्ग किलोमीटर में फैला पेड़-पौधों से भरपूर, घास के बड़े मैदान से युक्त इर्रावीकुलम पार्क के उत्तरी सिरे को, जो तमिलनाडु राज्य को छूता है, उसे अन्नामलाई के नाम से विश्व में पहचाना जाता है। यहां से अनामुड्डी हिमालय की 2695 मीटर की सबसे ऊंची दक्षिणी चोटी पूरी भव्यता के साथ इस अभयारण्य में दिखाई देती है। यहां नील गिरी लंगूर, लायन टेल्ड मेकाक, चीते, बाघ आदि कई दुर्लभ प्रकार के जीव-जंतु और वनस्पतियां भी पाई जाती है।

साइलेंट वैली

केरल के पश्चिमी छोर पर कुंडलई हिल्स पर साइलेंट वैली नेशनल पार्क स्थित है। मुख्य रूप से हाथी, बाघ और शेर, पूंछ वानर जैसे जीवों के साथ-साथ कई दुर्लभ किस्मों की औषधि और पेड़-पौधों के कारण यह पार्क प्रसिद्ध है। यहां का अनुकूल वातावरण और छोटी-बड़ी नदियां एवं पहाड़ इसे वन्यजीवों के लिए आरामगाह बनाते हैं।

पेरियार = केरल के पश्चिमी छोर पर पेरियार नेशनल पार्क स्थित है। यह मुख्य तौर पर बाघों के संरक्षण के लिए बनाया गया एक नेशनल पार्क है, जो दुनिया भर के नेशनल पार्क में अपना प्रमुख स्थान रखता है। इसे अंग्रेजों द्वारा सन् 1895 में अधिगृहीत किया गया था तथा अंग्रेजों ने उस वक्त यहां एक कृत्रिम झील और बांध का निर्माण भी किया था। पेरियार नेशनल पार्क 777 वर्ग किलोमीटर में फैला एक आरक्षित वन है। इसे प्रसिद्ध प्रोजेक्ट टाइगर के तहत वर्ष 1978 में प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। पेरियार नदी के नाम पर ही इसे पेरियार टाइगर रिजर्व भी कहा जाता है, जो पश्चिमी घाट की ऊंची श्रृंखला पर बसा सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। भारत का यह एकमात्र ऐसा अभयारण्य है, जहां हाथियों को केवल एक नाव की दूरी से देखा जा सकता है और उनकी तस्वीरें भी ली जा सकती हैं। यहां के वन्य जीवन और सुंदरता के कारण यह विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है।

वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी

बाघ और तेंदुए के लिए वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह बांदीपुर नेशनल पार्क का ही हिस्सा है। इस अभयारण्य में हिरण, भालू, हाथी, बाघ-चीते, जंगली-सीएट बिल्ली, बंदर, जंगली कुत्ते, भैंसे ऐसे कई प्रकार के वन्य जीव-जंतु पाए जाते हैं। यहां पर अपार जैव विविधता है। यह अभयारण्य नील गिरी बायोस्फीयर रिजर्व का अविभाज्य भाग है, जिसे इस क्षेत्र की जैविक विरासत को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।

यहां पर विशेष पाए जाने वाले सरीसृप हैं मॉनिटर छिपकली। साथ ही अनेक प्रकार के सांप यहां देखे जा सकते हैं। यहां पक्षियों में खास तौर पर मोर, उल्लू, कठफोड़वा, जंगली फाउल, बैबलर, कुक्कु आदि मुख्य हैं।

इडुकी

केरल के दक्षिण भारतीय राज्य में बसा यहां के सर्वोत्तम स्थानों में से एक है इडुकी नेशनल पार्क। जो वन्य जीवों के लिए मुख्य तौर पर माना जाता है। यहां बाघ, हाथी, भैंस, भालू, जंगली सुअर, सांभर तथा जंगली कुत्ते-बिल्लियां आदि बड़े-बड़े झुंडों में घूमते नजर आते हैं। इस पार्क में जंगली फाउल, काली बुलबुल, लाफिंग थ्रश, कठफोड़वा, मैना आदि कुछ महत्?वपूर्ण पक्षी भी दिखाई पड़ते हैं। यहां पर सांपों की अनेक प्रजातियों में विशेष कोबरा, वाइपर, क्रेट और कई विषरहित साप भी यहां पाए जाते हैं। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि अगर आपने अभी तक केरल के नेशनल पार्क नहीं देखे हैं, तो एक बार जरूर जाइए। यहां के कई प्रजाति के वन्य जीवों को देखकर आप मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रह पाएंगे।

जानिए प्राचीन शहर यरूशलम को

भूमध्य सागर और मृत सागर के बीच इसराइल की सीमा पर बसा यरूशलम एक शानदार शहर है। शहर की सीमा के पास दुनिया का सबसे ज्यादा नमक वाला डेड-सी यानी मृत सागर है। कहते हैं यहां के पानी में इतना नमक है कि इसमें किसी भी प्रकार का जीवन नहीं पनप सकता और इसके पानी में मौजूद नमक के कारण इसमें कोई डूबता भी नहीं है।मध्यपूर्व का यह प्राचीन नगर यहूदी, ईसाई और मुसलमान का संगम स्थल है। उक्त तीनों धर्म के लोगों के लिए इसका महत्व है, इसीलिए यहां पर सभी अपना कब्जा बनाए रखना चाहते हैं। जेहाद और क्रूसेड के दौर में सलाउद्दीन और रिचर्ड ने इस शहर पर कब्जे के लिए बहुत सारी लड़ाइयां लड़ी। ईसाई तीर्थयात्रियों की रक्षा के लिए इसी दौरान नाइट टेम्पलर्स का गठन भी किया गया था।इसराइल का एक हिस्सा है गाजा पट्टी और रामल्लाह। जहां फिलिस्तीनी मुस्लिम लोग रहते हैं और उन्होंने इसराइल से अलग होने के लिए विद्रोह छेड़ रखा है। यह लोग यरूशलम को इसराइल के कब्जे से मुक्त कराना चाहते हैं। अंतत- इस शहर के बारे में जितना लिखा जाए कम है। काबा, काशी, मथुरा, अयोध्या, ग्रीस, बाली, श्रीनगर, जाफना, रोम, कंधहार आदि प्राचीन शहरों की तरह ही इस शहर का इतिहास भी बहुत महत्व रखता है।

प्राचीन और नया शहर

माउंट ऑफ ओलिब्स पर खड़े होकर आप सामने यरूशलम के प्राचीन शहर को देखते हैं, तो उसके मनोरम और भव्य दृश्य का नजारा देख आप मंत्रमुग्ध होकर सोचना बंद कर देते हैं। ओलिब्स पहाड़ी से सुंदर गुंबद और गुंबदों के पीछे दीवार नजर आती है। एक वर्ग किलोमीटर की पहाड़ी दीवारों से घिरा हजारों सालों का इतिहास लिए यह शहर दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी की आस्था का केंद्र हैं।

इतिहास और विवाद

हिब्रू में लिखी बाइबिल में इस शहर का नाम 700 बार आता है। यहूदी और ईसाई मानते हैं कि यही धरती का केंद्र है। राजा दाऊद और सुलेमान के बाद इस स्थान पर बेबीलोनियों तथा ईरानियों का कब्जा रहा फिर इस्लाम के उदय के बाद बहुत काल तक मुसलमानों ने यहां पर राज्य किया। इस दौरान यहूदियों को इस क्षेत्र से कई दफे खदेड़ दिया गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इसराइल फिर से यहूदी राष्ट्र बन गया तो यरूशलम को उसकी राजधानी बनाया गया और दुनिया भर के यहूदियों को पुन- यहां बसाया गया। यहूदी दुनिया में कहीं भी हों, यरूशलम की तरफ मुंह करके ही उपासना करते हैं।

ऐतिहासिक म्यूजियम व स्मारक

धार्मिक स्थलों के अलावा यहां प्राचीन एवं धार्मिक ग्रंथों का द इसराइल म्यूजियम है। इसराइल का होलोकॉस्ट म्यूजियम जिसे याद वशेम कहा जता है जिसका खासा महत्व है। यहां पर यरूशलम के इतिहास से संबंधित दस्तावेज और शहीदों के स्मारक व स्मृति चिह्नों आदि के बारे में जानकारी है। दोनों ही म्यूजियम का इतिहास बहुत पुराना है।

यरूशलम के जंगल

मुस्लिम इलाके में स्थित 35 एकड़ क्षेत्रफल में फैले नोबेल अभयारण्य में ही अल अक्सा मस्जिद, डोम ऑफ द रॉक, फव्वारे, बगीचे, गुंबद और प्राचीन इमारतें बनी हुई हैं। इसके अलावा छोटे से गॉर्डन ऑफ गेथेमिन की खूबसूरती भी देखने लायक है। इसके अलावा याद वशेम का इलाका भी यरूशलम के जंगल के नाम से प्रसिद्ध है।

पवित्र परिसर

किलेनुमा चाहरदीवारी से घिरे पवित्र परिसर में यहूदी प्रार्थना के लिए इकट्ठे होते हैं। इस परिसर की दीवार बहुत ही प्राचीन और भव्य है। यह पवित्र परिसर ओल्ड सिटी का हिस्सा है। पहाड़ी पर से इस परिसर की भव्यता देखते ही बनती है। इस परिसर के ऊपरी हिस्से में तीनों धर्मों के पवित्र स्थल हैं। उक्त पवित्र स्थल के बीच भी एक परिसर है। यरूशलम में लगभग 1204 सिनेगॉग, 158 गिरजें, 73 मस्जिदें, बहुत-सी प्राचीन कब्रें, 2 म्यूजियम और एक अभयारण्य है। इसके अलावा भी पुराने और नए शहर में देखने के लिए बहुत से दर्शनीय स्थल हैं। यरूशलम में जो भी धार्मिक स्थल हैं, वे सभी एक बहुत बड़ी-सी चौकोर दीवार के आसपास और पहाड़ पर स्थित है। दीवार के पास तीनों ही धर्म के स्थल हैं। यहां एक प्राचीन पर्वत है जिसका नाम जैतून है। इस पर्वत से यरूशलम का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है। इस पर्वत की ढलानों पर बहुत-सी प्राचीन कब्रें हैं। यरूशलम चारों तरफ से पर्वतों और घाटियों वाला इलाका नजर आता है।

ओ रोमियो के लिए एविनाश तिवारी ने सीखे फ्लेमेंको मूव्स

लैला मजनू की दर्दभरी शिद्दत हो, मडगांव एक्सप्रेस की कॉमिक टाइमिंग, खाकी- द बिहार चैप्टर की सख़्ती या द मेहता बॉयज़ का ड्रामा ङ्क एविनाश तिवारी ने अपने काम से हर बार ये साबित किया है कि वो इमोशन्स और रेंज के खिलाड़ी हैं. उनकी परफॉर्मेंस हमेशा गहराई और असर के लिए सराही गई है. लेकिन इस बार जो सामने आया, वो थोड़ा हटकर है। विशाल भारद्वाज की आने वाली फिल्म ओ रोमियो की तैयारी में एविनाश ने फ्लेमेंको डांस को भी अपना हथियार बनाया। हाल ही में एविनाश ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो फ्लेमेंको डांस करते नज़र आ रहे हैं. इसी आर्ट फॉर्म के ज़रिए उन्होंने अपने किरदार जलाल को गढ़ा है, जो फिल्म में एक माटाडोर और एंटैगनिस्ट है। जलाल की खतरनाक मौजूदगी सिर्फ हिंसा से नहीं, बल्कि कंट्रोल और ठहराव से आती है। वीडियो में एविनाश की सीधी खड़ी देह, तेज़ फुटवर्क और भीतर दबा तनाव साफ महसूस होता है। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, स्पेन जाने से पहले। भाषा सीखने से पहले। शरीर पहले ही सब जानता था। ओ रोमियो की तैयारी की एक झलक। फिल्म में फ्लेमेंको का हिस्सा भले ही छोटा हो, लेकिन उसकी तैयारी बिल्कुल भी छोटी नहीं थी। एक अहम सीन के लिए एविनाश ने स्क्रीन पर फ्लेमेंको किया, हालांकि वो सीन फिल्म में रहेगा या नहीं, ये अभी देखना बाकी है। इस ट्रेनिंग का मकसद था माटाडोर की बॉडी लैंग्वेज को समझना ङ्क जलाल कैसे ज़मीन पर टिककर खड़ा होता है। कैसे सोच-समझकर आगे बढ़ता है और कैसे ख़ामोशी में भी खतरा बनाए रखता है। इतना तो साफ है कि डांस-ड्रिवन फिल्मों में भी एविनाश की ज़बरदस्त संभावना है, जो उनकी वर्सेटिलिटी की एक और झलक देती है। ओ रोमियो में अपने इस फियरस और ट्रांसफॉर्मेटिव रोल को लेकर पहले से ही चर्चा में बने एविनाश के पास आगे इम्तियाज़ अली की ओ साथी रे और प्रशांत झा की गिन्नी वेड्स सनी 2 भी हैं। ये सब मिलकर उन्हें उनकी पीढ़ी के सबसे भरोसेमंद और एक्साइटिंग एक्टर्स में और मज़बूती से खड़ा करता है।

साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया उसके लिए मैं खुद को खुशनसीब मानती हूं

अभिनेत्री श्रिया सरन अपकमिंग फिल्म दृश्यम 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। उत्तराखंड में जन्मी और हिंदी बोलने वाले परिवार में पली-बढ़ी अभिनेत्री ने साउथ इंडियन सिनेमा में काम किया। उन्होंने साउथ की फिल्मों में तब काम किया जब उन्हें तमिल और तेलुगु बोलना नहीं आता था। 25 साल के अपने करियर में श्रिया ने हिंदी सिनेमा में भी काम किया है। श्रेया ने साउथ इंडियन एक्ट्रेस कहे जाने पर अपनी बात रखी है।

श्रिया सरन ने अपनी जिंदगी में हुए कई बदलावों को लेकर कहा मेरा जन्म हरिद्वार में हुआ था। मैं अपनी जिंदगी के 17 साल वहीं रही। फिर मैं दिल्ली आ गई, ताकि कथक सीख सकूं। फिर मैंने 17 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू की। यह मेरे परिवार के लिए एक बहुत बड़ा कदम था। मेरे पापा इंजीनियर हैं, मां अध्यापक हैं।

साउथ में सीखी ये चीजें

श्रिया सरन का मानना है कि शुरुआती वर्षों ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया। उन्होंने कहा क्योंकि मैं दिल्ली में एक छोटे शहर की लड़की थी, साउथ में जाना और काम करना मेरे लिए हैरान करने वाला था। वहां से जब मैं सेट पर गई, नई भाषाएं सीखी, यह सब, मुझे लगता है कि इसने मुझे जिंदगी के लिए सच में तैयार किया। साउथ ने मुझे जिस तरह का प्यार दिया है, उससे मैं सच में खुद को खुशनसीब मानती हूं। मेरा दिल साउथ इंडियन है।

आप जो मानते हैं आप वही हैं

साउथ इंडियन कहे जाने पर अभिनेत्री ने कहा मैंने जो चीजें सीखीं, उनमें से एक यह है कि आप वही हैं जो आप खुद को मानते हैं। अगर आप बढ़ते रहते हैं और सीखते रहते हैं और जिंदगी को आपको चीजें सिखाने देते हैं, तो आप उसे बेहतर तरीके से जीना शुरू कर देते हैं।

श्रिया सरन का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि श्रिया सरन ने 2001 में तेलुगु फिल्म इष्टम से डेब्यू किया। वह छत्रपति, शिवाजी, पोक्किरी राजा और मनम जैसी कई तमिल और तेलुगु फिल्मों में नजर आईं। इसके साथ ही, उन्होंने हिंदी सिनेमा में भी अपनी लगातार मौजूदगी बनाए रखी है, खासकर दृश्यम फ्रेंचाइजी में। श्रिया सरन 23 जनवरी 2026 को रिलीज हुई सीरीज स्पेस जेन- चंद्रयान में नजर आ रही हैं। वह इस साल के आखिर में दृश्यम 3 में बड़े पर्दे पर भी वापसी करेंगी।

हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में नजर आने वाले हैं पुलकित

पुलकित सम्राट अपने करियर के एक अहम मोड़ पर खड़े हैं। फिलहाल वे अपनी पहली ओटीटी सीरीज़ ग्लोरी के साथ डिजिटल स्पेस में दमदार एंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल हाई-ऑक्टेन स्पोर्ट्स थ्रिलर ग्लोरी में पुलकित एक बिल्कुल नए अवतार यानी एक बॉक्सर के रूप में नजर आनेवाले हैं। हालांकि पुलकित के लिए यह किरदार उनके किसी सपने के सच होने जैसा है। गौरतलब है कि ग्लोरी, एक पेशेवर बॉक्सिंग के साथ प्रतिस्पर्धी दुनिया में सेट एक मशहूर कोच और उसके दो अलग हुए बेटों की कहानी है, जिनके ओलंपिक सपने आपसी टकराव, अधूरे जज़्बात, प्रतिद्वंद्विता और बदले की भावना से टकराते हैं। इस भावनात्मक और रोमांचक कहानी के केंद्र में पुलकित का किरदार है, जो न सिर्फ शारीरिक ताकत बल्कि गहरी भावनात्मक सच्चाई की भी मांग करता है। अपने अनुभव को साझा करते हुए पुलकित मानते हैं कि यह सफर आसान नहीं था। वह कहते हैं, यह प्रक्रिया बेहद इंटेंस रही है, लेकिन उतनी ही एडिक्टिव भी। बता दें कि पुलकित को इस किरदार की तैयारी के लिए कड़ी फिज़िकल ट्रेनिंग से गुजरना पड़ा, साथ ही भावनात्मक स्तर पर भी खुद को पूरी तरह झोंकना पड़ा। एक बॉक्सर की भूमिका निभाना उनके लिए कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलकर खुद को नए सिरे से खोजने जैसा है।

पुलकित यह भी कहते हैं, अगर अभिनेता सेफ खेलते रहें, तो उनकी ग्रोथ रुक जाती है और सब कुछ फॉर्मूला बन जाता है। अब हम इसके लिए तो अभिनेता नहीं बने है न। उनके अनुसार, खुद को चुनौती देना न सिर्फ कलाकार के विकास के लिए ज़रूरी है, बल्कि दर्शकों को कुछ नया देने के लिए भी ज़रूरी है। बीते सालों में पुलकित सम्राट ने अपनी फिल्मोग्राफी में विविधता और प्रयोग के जरिए एक अलग पहचान बनाई है,फिर चाहे वह हल्की-फुल्की एंटरटेनर फिल्में हों, गंभीर हों या परफॉर्मेंस-ड्रिवन रोल्स हों। रही बात ग्लोरी की तो इस फिल्म का किरदार उनके करियर में एक मजबूत परत जोड़ता है। यह एक ऐसा किरदार है, जो अनुशासन, संवेदनशीलता और सच्ची भावनात्मक ईमानदारी की मांग करता है। फिलहाल ग्लोरी के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रख रहे पुलकित एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं, जो जोखिम उठाने के साथ-साथ खुद को नए रूप में गढ़ने और रचनात्मक महत्वाकांक्षा से भरा है। हालांकि ग्लोरी में बॉक्सर के रूप में वह न सिर्फ अपने एक लंबे समय से चले आ रहे सपने को पूरा कर रहे हैं, बल्कि एक ऐसे अभिनेता के रूप में अपनी पहचान और मजबूत कर रहे हैं, जो हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को लगातार विकसित करता जा रहा है।

कोहरा 2 से मोना सिंह ने लिया जिंदगी का सबक

अभिनय की दुनिया में किसी किरदार को जीते-जीते कलाकार कई बार खुद को भी नए सिरे से समझने लगते हैं। अभिनेत्री मोना सिंह के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। वेब सीरीज कोहरा के दूसरे सीजन पर काम करते हुए मोना ने जिंदगी से जुड़ी कई अहम सीख हासिल की। इसे लेकर उन्होंने खुलकर बात की। मोना सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, कोहरा का दूसरा सीजन मेरे लिए सिर्फ एक नई भूमिका नहीं थी, बल्कि यह मेरे निजी जीवन से भी गहराई से जुड़ गया। इस कहानी ने मुझे यह समझने में मदद की कि इंसान कितना संवेदनशील होता है और कैसे हर कोई अपनी-अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ रहा होता है। इस सीरीज पर काम करते हुए मुझे यह एहसास हुआ कि हर चीज पर नियंत्रण रखना न तो संभव है और न ही जरूरी। मोना ने कहा, इस सीरीज से मुझे सबसे बड़ा सबक यह मिला कि जिंदगी में कई बार चीजों को छोड़ देना ही सही रास्ता होता है। जिन बातों, हालातों या भावनाओं का अब कोई मतलब नहीं रह जाता, उन्हें पकड़े रहना खुद को दुख देने जैसा है। हालात जैसे भी हों, उन्हें स्वीकार करना और आगे बढ़ जाना ही मानसिक शांति की कुंजी है। यही सीख मेरे लिए इस सीरीज की सबसे बड़ी देन बन गई।

कोहरा 2 में मोना सिंह की एंट्री कहानी को एक नया मोड़ देती है। इस बार दर्शकों को एक और गहरी, अंधेरी और रहस्यमयी कहानी देखने को मिलेगी। मोना के साथ इस सीजन में बरुन सोबती और रणविजय सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कोहरा 2 की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गरूंडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है। इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गरूंडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है सच तक पहुंचना। जैसे-जैसे वे एक हत्या के मामले की परतें खोलते हैं, वैसे-वैसे उनके अपने अतीत से जुड़े कई दबे हुए राज भी सामने आने लगते हैं। पंजाब की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ती है, लेकिन हर मोड़ पर असर छोड़ती है।

प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के बाद क्या करने वाले हैं अरिजीत सिंह? अनुराग बसु ने दी बड़ी हिंट

मौजूदा वक्त के सबसे पसंदीदा और सुपरहिट सिंगर अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के अपने फैसले से हर किसी को हैरान कर दिया है। इस घोषणा के बाद से अरिजीत सिंह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बने हुए हैं। कई प्रशंसक इसके पीछे का कारण जानने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि, अरिजीत संगीत बनाना जारी रखेंगे। लेकिन अरिजीत सिंह आगे क्या करेंगे, इसको लेकर अब निर्देशक अनुराग बसु ने एक बड़ी हिंट दी है। अनुराग की कई फिल्मों में अरिजीत ने गाने गाए हैं। जानिए अनुराग बसु ने अरिजीत सिंह के फ्यूचर प्लान को लेकर क्या कुछ बताया?

अरिजीत के फैसले का अनुराग को था पहले से ही अंदाजा

अनुराग बसु और अरिजीत सिंह के बीच गहरी दोस्ती है। ऐसे में जब अनुराग बसु से अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के फैसले के बारे में पूछा गया तो निर्देशक ने कोई हैरानी नहीं जताई। बल्कि उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से ही इसका अंदाजा था। बीबीसी हिंदी से बातचीत में अनुराग बसु ने कहा कि अरिजीत सिंह के फैसले से दुनिया सदमे में थी, लेकिन मुझे जरा भी हैरानी या झटका नहीं लगा। मैं अरिजीत को लंबे समय से जानता हूं और मुझे लगता है कि वह बेहद प्रतिभाशाली हैं और सिंगिंग के अलावा भी बहुत कुछ करना चाहते हैं।

फिल्म मेकिंग की अरिजीत को है काफी जानकारी

अनुराग बसु ने आगे बताया कि उन्हें अरिजीत सिंह के फिल्म निर्माण के प्रति जुनून के बारे में पता था। निर्देशक ने कहा कि उन्होंने मुझसे 'बर्फी' में मेरा असिस्टेंट बनने के लिए कहा था। उन्हें फिल्म मेकिंग की काफी गहरी जानकारी है। इसके अलावा अरिजीत बच्चों के लिए एक स्कूल खोलना और उनके साथ समय बिताना भी पसंद करते हैं। उनकी कई योजनाएं हैं।

अरिजीत ने शुरू कर दी पहली फिल्म की शूटिंग

इसके अलावा एक सूत्र ने उसी पोर्टल को बताया कि अरिजीत ने अपनी पहली हिंदी फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। यह एक जंगल एडवेंचर फिल्म होगी, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका में हैं। शूटिंग फिलहाल शांति निकेतन में चल रही है। फिल्म की स्क्रिप्ट अरिजीत और उनकी पत्नी कोयल सिंह ने लिखी है।

सोशल मीडिया पोस्ट में दी प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने की जानकारी

अरिजीत सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ये घोषणा की कि वो अब प्लेबैक सिंगिंग को अलविदा कह रहे हैं। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वो संगीत बनाना जारी रखेंगे, सिर्फ प्लेबैक सिंगर के रूप में अब कोई काम नहीं करेंगे। अरिजीत ने हिंदी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, पंजाबी और अन्य भाषाओं में कई गाने गाए हैं। उन्हें बेस्ट प्लेबैक सिंगर के लिए (पुरुष) के लिए 8 फिल्मफेयर पुरस्कार मिल चुके हैं। अब प्रशंसक यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि गायक आगे क्या करने वाले हैं।

म्यांमार में 5.9 तीव्रता का जोरदार भूकंप, कोलकाता और बांग्लादेश तक महसूस किए गए झटके

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार की रात को म्यांमार में आए 5.9 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने पड़ोसी देशों समेत व्यापक क्षेत्र में दहशत पैदा कर दी। इस भूकंप के तेज झटके भारत के पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश बांग्लादेश के कई हिस्सों में महसूस किए गए। यूरोपीय-मेडिटेरेनियन सिस्मोलॉजिकल सेंटर के आंकड़ों के अनुसार, भूकंप का केंद्र म्यांमार के अक्याब (सिटवे) शहर से लगभग 70 मील पूर्व में स्थित था। हालांकि यह भूकंप जमीन की गहराई में आया था, लेकिन इसकी तीव्रता इतनी अधिक थी कि सतह पर जोरदार कंपन महसूस किया गया। भारत में विशेष रूप से कोलकाता, हावड़ा और उत्तर 24 परगना जैसे इलाकों में इमारतों के हिलने से लोग घबराकर अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। कुछ ऐसी ही स्थिति बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भी देखी गई, जहां लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। राहत की बात यह है कि अभी तक म्यांमार, भारत या बांग्लादेश के किसी भी हिस्से से जान-माल के बड़े नुकसान की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं। विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय यह है कि पिछले 71 घंटों के भीतर म्यांमार में यह तीसरा भूकंपीय झटका है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह क्षेत्र इंडो-ऑस्ट्रेलियन और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर स्थित होने के कारण भूकंप के प्रति बेहद संवेदनशील है। प्लेटों के बीच होने वाली इस हलचल के कारण ही यहां पर लगातार भूकंपीय गतिविधियां दर्ज की जा रही हैं, जिसने भू-वैज्ञानिकों को सतर्क कर दिया है।

घने कोहरे की चादर में लिपटा शहर, ताजमहल ओझल; गिरते तापमान से बढ़ी ठिठुरन

लखनऊ (एजेंसी)। आगरा में फरवरी का मौसम जनवरी जैसा दिखा रहा है। बुधवार की सुबह शहर घने कोहरे की चपेट में रहा, इससे ताजमहल पूरी तरह कोहरे में छिप गया। दृश्यता बेहद कम होने के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम-सी गई और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। कोहरे के साथ हल्की फुहार ने ठंड का अहसास और बढ़ा दिया। सुबह करीब नौ बजे तक घना कोहरा छाया रहा। इसके पहले मंगलवार को भी हालात कुछ इसतरह के ही रहे। सुबह देर तक कोहरा छाया रहा और उसके बाद बादल मंडराते रहे। दिन में कुछ समय के लिए धूप जरूर निकली, लेकिन ठंडी हवाओं के चलते उसका असर बेअसर साबित हुआ। गलन अधिक होने से लोग दिनभर ठिठुरते नजर आए। मौसम विज्ञान विभाग ने पहले ही सुबह कोहरा या धुंध बने रहने की संभावना जाहिर की थी। मंगलवार को दोपहर बाद कुछ समय के लिए धूप निकली, लेकिन तापमान चल रही ठंडी हवाओं के कारण राहत नहीं मिली। तापमान की बात करें तो अधिकतम तापमान 17.5 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानी मो. दानिश के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव धीरे-धीरे कम होगा, जिससे आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने और तापमान में बदलाव की संभावना है।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर गैस टैंकर पलटा, यातायात 12 घंटे से बाधित रहा

पुणे (एजेंसी)। आदोशी टनल के पास मंगलवार देर शाम मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक प्रोपलीन गैस से भरा टैंकर पलट गया। टैंकर मोड़ पर नियंत्रण खो बैठा और पलटने के कारण गैस लीक होने लगी। प्रोपलीन गैस अत्यधिक ज्वलनशील होने के कारण इलाके में गंभीर खतरे की स्थिति पैदा हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुणे से मुंबई जाने वाली लेन को बंद कर दिया गया। एनडीआरएफ, फायर सर्विस, आईआरबी पुलिस और केमिकल विशेषज्ञ तुरंत मौके पर पहुंचे। राहत टीमें गैस लीक को रोकने और टैंकर को सीधा करने में तुरंत जुट गई। इस हादसे के कारण 25 किलोमीटर लंबा जाम लगने से लोगों को मुसीबत का सामना करना पड़ा। बस और ट्रकों के साथ यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। राहत की बात यह रही कि टैंकर पलटने के बावजूद किसी भी व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई। अधिकारियों ने बताया कि सही समय पर सूचना मिलने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया।

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, चुनाव आयोग को कम से कम पूरी तरह से निष्पक्ष दिखाना चाहिए

वाराणसी (एजेंसी)। इनदिनों चर्चा में दिख रहे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने एसआईआर मामले पर अपना बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी नाराज है या कोई नाराज है, हम इस बारे में तो कुछ नहीं कहना हैं, लेकिन हम ये जरूर कहना चाहते हैं कि अगर किसी का वोट काटा जा रहा है या बढ़ाया जा रहा है, तब वहां तर्कसंगत होना चाहिए। इससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्न चिन्ह लगता है। इसलिए चुनाव आयोग को निष्पक्ष रहना चाहिए और अगर कहीं से कोई शिकायत की जा रही है, तब उस पर पूरा ध्यान देकर के तत्काल समस्या को दूर करना चाहिए। शंकराचार्य ने कहा कि अगर चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं दिखाई देगा, तब लोगों को लोकतंत्र के प्रति अश्रद्धा हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में ममता बनर्जी जा रही ठीक है। जिस किसी को भी शिकायत होगी, वहां आगे जाएगा ही। चुनाव आयोग को चाहिए था कि अगर उनकी कोई शिकायत थी, तब उस संतुष्ट करते, लेकिन संतुष्ट नहीं कर पाया तभी, तब आगे गई और अगर उनकी बात में बल ना होता, तब वहां सुप्रीम कोर्ट ना जाती। उसको केवल राजनीतिक रूप से लड़ती लेकिन वहां सुप्रीम कोर्ट है। शंकराचार्य ने कहा कि हमारा यह कहना है कि चुनाव आयोग को कम से कम पूरी तरह से निष्पक्ष दिखना चाहिए। अन्यथा लोकतंत्र में लोगों की चर्चा बहुत कमजोर हो जाएगी जो कि भारत देश के लिए और हमारे स्थापित लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है।

झारखंड में विरोध करने पर पशु तस्कर खुस्तर अंसारी ने ग्रामीणों पर बंदूक तान दी... घटना का वीडियो वायरल

रांची (एजेंसी)। झारखंड के धुरकी जिले में अपराधियों के हौसले बुलंद होते दिख रहे हैं। ताजा मामला धुरकी थाना क्षेत्र का है, जहां पशु तस्करी रोकने पर अपराधियों की टोली ने ग्रामीणों पर बंदूक तान दी। इस पूरी घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है, इससे इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, झारखंड-उत्तर प्रदेश सीमा से सटे इलाके से एक पिकअप से पशुओं की तस्करी की जा रही थी। तभी गांव के सतर्क ग्रामीणों ने वाहन को रोककर मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी।

ट्रेड डील से अमेरिका ने भारत को खरीद लिया, अब किसान क्या आत्महत्या करेगा

सांसद संजय राउत ने केंद्रीय मंत्रियों पर झूठ बोलने के लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस डील के तहत अमेरिका ने भारत को खरीद लिया है। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों पर झूठ बोलने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा है कि सरकार के लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को भारत पर लगाए टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी करने का ऐलान किया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत ने बुधवार को कहा कि पीयूष गोयल समेत सरकार के सभी केंद्रीय मंत्री झूठ बोल रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ जो ट्रेड डील हुई है, वो हमारा देश लगभग अमेरिका के चरणों में डाल दिया है। अमेरिका ने हमको खरीद लिया है। बोलते हैं कि यह बहुत बड़ी हमारी विजय है। कौनसी विजय है भाई। आप बताइये। आप पूरे देश में जश्न मनाने की बात करते हो। उन्होंने कहा कि भारत को आज भी भारी टैरिफ देना पड़ रहा है।

राउत ने कहा कि 18 फीसदी टैरिफ आज भी कायम है, जो पहले 3 फीसदी था। उसके बावजूद अमेरिका के जो कृषि उत्पाद हैं, वो जीरो टैरिफ पर भारत के बाजार में आ जाएंगे, जिसमें सभी धान, फल, फूल, दूध, डेयरी प्रोडक्ट्स होंगे। हमारे किसान खून पसीना बहाकर जो माल बनाते हैं, उससे सस्ते दामों में अमेरिका अपना माल बेचेगा। तो क्या हमारा किसान आत्महत्या करेगा। उन्होंने कहा कि कोई एक रहस्यमय तरीके से हमारे सरकार के तरीके से लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा है...।

बता दें वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा था कि भारत ने अमेरिका के साथ एक अच्छे व्यापार करार पर सहमति बनी है और इसमें कृषि और दुग्ध क्षेत्रों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं किया गया है। गोयल ने अमेरिका के साथ हुए समझौते का विवरण दिए बिना कहा कि व्यापार समझौते अंतिम चरण में है और समझौते की रूपरेखा को स्पष्ट करते हुए जल्द ही भारत-अमेरिका का एक संयुक्त बयान जारी किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगी दलों पर समझौते को लेकर देश को गुमराह करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए उन पर निशाना साधा।

निलंबित अधिकारी अग्निहोत्री का सरकार पर हमला, एससी-एसटी एक्ट के खिलाफ दिल्ली कूच का ऐलान

बरेली (एजेंसी)। यूजीसी बिल और माघ मेले के दौरान स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ हुई कथित अभद्रता के विरोध में इस्तीफा देने वाले चर्चित पीसीएस अधिकारी और पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने एक बार फिर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बरेली पहुंचे अग्निहोत्री ने मीडिया से रूबरू होते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके इस्तीफे के बाद उन्हें निलंबित कर चार्जशीट थमाना उनकी आवाज को दबाने की एक सोची-समझी साजिश है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या किसी के इस्तीफे के जवाब में निलंबन और चार्जशीट की कार्रवाई की जाती है? अग्निहोत्री ने स्पष्ट किया कि वे इस कार्रवाई को स्वीकार नहीं करेंगे और जल्द ही हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाकर अपने निलंबन को चुनौती देंगे। अलंकार अग्निहोत्री ने सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर टिप्पणी करते हुए केंद्र सरकार की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से कर डाली। उन्होंने कहा कि तंत्र का उपयोग उनकी सत्य की आवाज को कुचलने के लिए किया जा रहा है। अपनी भविष्य की रणनीति साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वाराणसी में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का आशीर्वाद लेने और प्रयागराज में वरिष्ठ वकीलों से कानूनी विमर्श करने के बाद वे अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। उन्होंने एससी-एसटी एक्ट को सामान्य वर्ग के लिए काला कानून करार देते हुए केंद्र सरकार को कड़ी चेतावनी दी है। अग्निहोत्री की मांग है कि सरकार इस कानून को समाप्त करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाए। यदि सरकार ऐसा नहीं करती है, तो वे आगामी 7 फरवरी को दिल्ली कूच करेंगे और वहां एक बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। राजनीति में आने की अटकलों पर विराम लगाते हुए पूर्व सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा कि फिलहाल उनका किसी राजनीतिक दल में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि सेवाकाल के दौरान प्रशासनिक पदों पर रहने के कारण सभी दलों के नेताओं और किसान यूनियनों से उनके अच्छे संबंध रहे हैं, लेकिन उनकी वर्तमान प्राथमिकता केवल एससी-एसटी एक्ट को रद्द कराना है। उन्होंने कहा कि वह अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का उपयोग करते हुए दिल्ली में अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

दुनिया के नए ग्लोबल आर्डर में किंग बनकर उभर रहा भारत... अमेरिका-चीन के दबाव में भी ताकत से खड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बीते महीने स्विट्जरलैंड के दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के मंच से कहा था कि दुनिया की पुरानी व्यवस्था 'टूट' रही है। अब मध्यम ताकत वाले देशों को साथ लाकर काम करना होगा। दावोस में अपने भाषण में कार्नी ने न ट्रम्प प्रशासन का नाम लिया और न ही उन अमेरिकी टैरिफ का जिक्र किया, जिसके कारण पुराना ग्लोबल सिस्टम हिल गया। अपने भाषण में उन्होंने सीधे तौर पर भले ही भारत का नाम न लिया हो, लेकिन इशारा साफतौर पर भारत की ओर ही था। दरअसल भारत इस वक्त दो बड़े दबावों के बीच खड़ा है। एक तरफ अमेरिका की बदलती नीतियां हैं। वहीं दूसरी ओर चीन की बढ़ती आक्रामकता। इसके परेशानी भरे हालात में भी भारत अब पारंपरिक साझेदारों से आगे बढ़कर दुनिया के दूसरे हिस्सों में नए दोस्त तलाश रहा है।

इस घटना के ठीक एक हफ्ते बाद, भारतीय पीएम मोदी नई दिल्ली में यूरोपियन (ईयू) की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ खड़े थे। दोनों ने करीब 18 साल से अटके पड़े बड़े व्यापार समझौते की घोषणा की, जिसे उन्होंने 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा। इस डील से करीब 2 अरब लोगों का बाजार तैयार होगा। यह सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि उस नए अंतरराष्ट्रीय सिस्टम का हिस्सा है, जिसमें अमेरिका की भूमिका कमजोर होने के बाद बाकी देश मिलकर नया ढांचा खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं।

आज भारत उन देशों में शामिल है जिनकी राय और फैसले वैश्विक राजनीति को प्रभावित करते हैं। 140 करोड़ की आबादी के साथ यह दुनिया की सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश है। भारत की इकोनॉमी भी जापान और जर्मनी के साथ दुनिया की टॉप-5 में शामिल हो चुकी है, हालांकि प्रति व्यक्ति आय अब भी इन देशों से बहुत कम है। प्रधानमंत्री मोदी की आत्मनिर्भर भारत वाली सोच अब थोड़ी नरम पड़ती दिख रही है। भारत में यह धारणा लंबे समय से रही है कि खुद को सुरक्षित रखने के लिए दूसरे देशों से ज्यादा आर्थिक जुड़ाव नहीं होना चाहिए। लेकिन यूरोप, कनाडा और दूसरे देश यह तर्क देते रहे हैं कि मिलकर व्यापार करने से ही देश मजबूत बनते हैं।

पश्चिम बंगाल में सौ से ज्यादा सीटें जीतने का भाजपा अध्यक्ष नबीन ने बनाया प्लान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों की आधिकारिक घोषणा से पहले ही प्रदेश की राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में सत्ता हासिल करने के लिए एक अत्यंत गोपनीय और रणनीतिक ब्लूप्रिंट तैयार किया है। इसी क्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नितिन नबीन ने सांसदों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें चुनावी रणनीति की बारीकियों और जमीनी हकीकत की समीक्षा की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य केवल चुनावी औपचारिकताओं को पूरा करना नहीं था, बल्कि संगठन की ताकत और वोट बैंक को लेकर एक व्यापक रोडमैप तैयार करना था, ताकि राज्य में सत्ता परिवर्तन की मजबूत नींव रखी जा सके।

रणनीतिकारों के अनुसार, इस बैठक का माहौल काफी गंभीर था, जहां 12 लोकसभा सांसदों और दो राज्यसभा सांसदों के साथ वन-टू-वन चर्चा की गई। बैठक के दौरान हर क्षेत्र की विस्तृत रिपोर्ट ली गई और पार्टी ने राज्य की 100 से अधिक ऐसी विधानसभा सीटों को चिन्हित किया है, जहां बीजेपी जीत की प्रबल स्थिति में है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि यदि संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय किया जाए और स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाए, तो बंगाल की सियासत में एक बड़ा उलटफेर संभव है। इसी रणनीति को पार्टी ने प्लान 100से ज्यादा का नाम दिया है। नितिन ने सांसदों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में केवल ऊपरी प्रचार तक सीमित न रहें, बल्कि हर जोन में कार्यकर्ताओं को संगठित कर स्थानीय समस्याओं पर राज्य सरकार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन खड़ा करें। सांसदों को निर्देशित किया गया है कि वे जनता से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को आक्रामक तरीके से उठाएं। विशेष रूप से बांग्लादेश की सीमा से सटे इलाकों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा गया है, जहां सुरक्षा, घुसपैठ और विकास जैसे मुद्दे चुनावी दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। इन सीमावर्ती क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने के लिए विशेष योजना बनाई गई है। बैठक में यह भी तय किया गया कि केवल सांसदों के फीडबैक तक ही सीमित नहीं रहा जाएगा। आने वाले दिनों में पार्टी अध्यक्ष प्रदेश के विधायकों और वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ भी संवाद करेंगे ताकि रणनीति को और अधिक धार दी जा सके। बीजेपी की इस बढ़ती सक्रियता और प्लान 100 प्लस के कार्यान्वयन ने राज्य के राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। एक तरफ जहां बीजेपी

बूथ स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी है, वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भी अपने गढ़ को बचाने के लिए पूरी तरह सक्रिय है। चुनावी बिगुल बजने से पहले ही बंगाल की यह बिछती हुई राजनीतिक बिसात आने वाले समय में एक बेहद दिलचस्प और कड़े मुकाबले की ओर इशारा कर रही है।

बलिया में अवैध अतिक्रमण हटाने गई टीम पर भारी पथराव, पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

बलिया (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां अवैध अतिक्रमण हटाने गई राजस्व और पुलिस की टीम पर स्थानीय उपद्रवियों ने जानलेवा हमला कर दिया। खेजुरी थाना क्षेत्र के हथौज गांव में तालाब (गडही) की सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने पहुंची टीम पर अचानक हुए पथराव से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस हिंसा में एक लेखपाल, एक कानूनगो और दो सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। स्थिति इतनी बेकाबू हो गई कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल करना पड़ा। घंटों तक चले इस हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद पुलिस ने एक महिला सहित सात लोगों को हिरासत में लिया है। पूरा विवाद हथौज गांव में स्थित तालाब के किनारे बनी अवैध झोपड़ियों और पक्के निर्माण को लेकर है। बताया जा रहा है कि गांव के ही निवासी सिद्धार्थ राय ने इस अतिक्रमण के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में सोमवार को एसडीएम सिकंदरपुर, तहसीलदार और राजस्व टीम भारी पुलिस बल के साथ जेसीबी लेकर अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। जैसे ही टीम ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की, वहां मौजूद भीड़ उग्र हो गई और पुलिस टीम को निशाना बनाकर पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस हमले में लेखपाल अमित राय, कानूनगो राजेश कुमार और सिपाही प्रेम पटेल व शैलेंद्र गुप्ता चोटिल हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश शुक्ला ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि कुछ शरारती तत्वों के बहकावे में आकर ग्रामीणों ने राजस्व टीम और पुलिस पर हमला किया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कई थानों की फोर्स को मौके पर बुलाया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। उपद्रव के बावजूद प्रशासन ने न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए अवैध निर्माण को पूरी तरह जमींदोज कर दिया है। लेखपाल की तहरीर पर खेजुरी पुलिस ने दो नामजद और करीब 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

कर्नाटक में प्रदर्शन कर रहे बीजेपी-जेडीएस विधायकों ने विधानसभा में गुजारी रात

मॉर्निंग वॉक के बाद चाय पी, गाने गाए और मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर लगाए नारे

बेंगलुरु (एजेंसी)। बीजेपी और जनता दल-सेक्युलर (जेडीएस) के विधायकों ने कथित शराब घोटाले को लेकर आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुर के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कर्नाटक विधानसभा में रात गुजारी। बुधवार सुबह भी बीजेपी-जेडीएस विधायकों का प्रदर्शन जारी रहा। कर्नाटक बीजेपी के अध्यक्ष व विधायक बीवाई विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर अशोक समेत कई विधायक विधानसभा परिसर में मॉर्निंग वॉक करते हुए नजर आए। बाद में सभी विधायक एक जगह इकट्ठा हुए, चाय पी और आगे की कार्रवाई पर चर्चा की। कुछ देर बाद विरोध प्रदर्शन फिर से शुरू हुआ, जिसमें बीजेपी और जेडीएस के विधायक विधानसभा के प्रवेश द्वार की सीढ़ियों पर बैठ गए और एक्साइज मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए। उन्होंने गाने भी गाए और भारत माता की जय के नारे लगाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी

विधायक चन्नाबसप्पा ने एक भक्ति गीत भी गाया। विजयेंद्र, अशोक और विधानसभा में विपक्ष के उपनेता अरविंद बेल्लाड समेत अन्य विधायक भी उनके साथ शामिल हुए। कथित शराब घोटाले के मामले में बीजेपी-जेडीएस के विधायक राज्य के आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुर का इस्तीफा मांग रहे हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक ने दावा किया कि कर्नाटक के इतिहास में पहली बार शराब एसोसिएशन ने खुद एक्साइज डिपार्टमेंट में 6,000 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि आबकारी मंत्री हर महीने 250 करोड़ से 300 करोड़ रुपए वसूल रहे थे। उनके मुताबिक हर डिप्टी कमिश्नर की पोस्ट के लिए 2 करोड़ रुपए और कांस्टेबल लेवल की पोस्टिंग के लिए भी 10 लाख रुपए लिए जा रहे थे। अशोक ने एक ऑडियो रिकॉर्डिंग का भी जिक्र किया, जिसमें कथित तौर पर एक डिप्टी कमिश्नर ने कहा था कि मंत्रियों को कट देना पड़ता है। नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि मंत्री के खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत दर्ज की गई है।

अशोका ने आरोप लगाया कि इन सबके बावजूद मंत्री सबूत मांग रहे हैं और सीएम सिद्धारमैया, जिनके पास वित्त मंत्रालय भी है, पूरी सरकार उनका साथ दे रही है। इससे पता चलता है कि कांग्रेस हाईकमान के पास बहुत सारा पैसा पहुंच रहा है। चुनावों के लिए यह भारी भरकम 6,000 करोड़ रुपए का कलेक्शन हुआ है। हम धरना दे रहे हैं और जब तक एक्साइज मंत्री थिम्मापुर इस्तीफा नहीं देते, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

मनीष तिवारी ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर तत्काल चर्चा कराने दिया स्थगन प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर संसद में राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बुधवार को लोकसभा में इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा की मांग करते हुए स्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने लोकसभा के महासचिव को पत्र लिखकर प्रश्नकाल, शून्यकाल और दिन की अन्य सभी कार्यवाहियों को स्थगित कर इस गंभीर सार्वजनिक विषय पर बहस कराने की अनुमति मांगी है।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने अपने पत्र में कहा कि यह मामला राष्ट्रीय हित, आर्थिक सुरक्षा और विदेश नीति से सीधे जुड़ा हुआ है, जिस पर संसद की जानकारी और चर्चा अनिवार्य है। उन्होंने लिखा कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति की ओर से कथित रूप से ऐसा बयान सामने आया है, जिसमें दावा किया गया है कि भारत के प्रधानमंत्री इस व्यापार समझौते की शर्तों पर सहमत हो

गए हैं। तिवारी के अनुसार, यह दावा अत्यंत गंभीर है और इसकी सच्चाई सदन के सामने स्पष्ट की जानी चाहिए।

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि इस कथित समझौते के तहत भारत ने रूसी तेल की खरीद बंद करने, अमेरिका और वेनेजुएला से तेल आयात में भारी वृद्धि करने, भारतीय टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को लगभग शून्य करने तथा 500 बिलियन डॉलर से अधिक के अमेरिकी उत्पाद खरीदने पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा हुआ है तो इसके दूरगामी आर्थिक और सामाजिक प्रभाव पड़ सकते हैं।

तिवारी ने अपने पत्र में यह भी रेखांकित किया कि रूसी कच्चे तेल की खरीद से देश में ईंधन की कीमतों को नियंत्रित रखने में मदद मिली है। यदि इसमें अचानक बदलाव किया गया, तो आम नागरिकों, परिवहन क्षेत्र और उद्योगों पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। इसके साथ ही, बड़े व्यापार समझौते घरेलू विनिर्माण, किसानों और लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) पर नकारात्मक असर डाल सकते हैं।

उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि वह इस पूरे मामले पर तुरंत स्पष्ट बयान दे और संसद में विस्तृत चर्चा की अनुमति दे। तिवारी ने कहा कि व्यापार, ऊर्जा और विदेश नीति जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में बिना पारदर्शिता के लिए गए निर्णय देशहित में नहीं हैं।

सुनेत्रा पवार के डिप्टी सीएम बनने के बाद भी खत्म नहीं हो रहीं एनसीपी गुटों के एक होने की अटकलें

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन ने न केवल राज्य की राजनीति को स्तब्ध कर दिया है, बल्कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भीतर सत्ता और समीकरणों के नए दौर को भी जन्म दे दिया है। अजित पवार के निधन के महज चार दिन बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिला दी गई। इस त्वरित राजनीतिक घटनाक्रम ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, विशेषकर एनसीपी के दोनों गुटों के विलय और पवार परिवार की एकजुटता को लेकर।

अजित पवार के निधन के बाद शुरुआती दिनों में ऐसा लगा था कि शरद पवार और अजित गुट के बीच की दूरियां अब खत्म हो जाएंगी। स्वयं 85 वर्षीय वयोवृद्ध नेता शरद पवार ने मीडिया से कहा था कि अजित की अंतिम इच्छा पार्टी को फिर से एकजुट देखने की थी। दुख की इस घड़ी में पूरा परिवार और दोनों गुटों के कार्यकर्ता एक साथ नजर आए थे। लेकिन यह एकजुटता महज कुछ घंटों की ही साबित हुई। जैसे ही सुनेत्रा पवार ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली, शरद पवार ने सार्वजनिक रूप से यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्हें इस फैसले के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। इस बयान ने स्पष्ट कर दिया कि पर्दे के पीछे की राजनीति ने एक अलग ही करवट ले ली है।

रिपोर्टों के अनुसार, प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे जैसे वरिष्ठ नेता अब अजित पवार की विरासत और पार्टी की कमान को संभालने की पूरी प्रक्रिया को नियंत्रित कर रहे हैं। प्रफुल्ल पटेल ने खुद को अध्यक्ष पद की रेस से बाहर करते हुए घोषणा की है कि पार्टी कार्यकर्ता सुनेत्रा पवार को ही अध्यक्ष के रूप में देखना चाहते हैं। सरकार ने भी सक्रियता दिखाते हुए पुणे और बीड़ जिलों के पालक मंत्री की जिम्मेदारी सुनेत्रा पवार को सौंप दी है, जो पहले दिवंगत अजित पवार के पास थी। प्रफुल्ल पटेल का मानना है कि सुनेत्रा पवार को पार्टी की कमान सौंपना ही अजित दादा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सबसे बड़ी चर्चा एनसीपी के दोनों गुटों के विलय को लेकर थी, जिसे प्रफुल्ल पटेल ने फिलहाल सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थानीय निकाय चुनावों में तालमेल और पार्टी का पूर्ण विलय दो अलग बातें हैं। पटेल ने उन दावों को भी दरकिनार कर दिया जिनमें शरद पवार गुट के साथ दोबारा जुड़ने की बात कही जा रही थी। उन्होंने कहा कि अजित पवार ने स्वयं कभी विलय का कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं रखा था। नेताओं के बीच होने वाली मुलाकातों को उन्होंने केवल पारिवारिक संबंधों तक सीमित बताया।

इस पूरे घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार के लिए एक नई चुनौती खड़ी कर दी है। अपने सबसे भरोसेमंद उत्तराधिकारी को खोने के बाद शरद पवार संभवतः पार्टी और परिवार को एक झंडे के नीचे लाना चाहते थे, लेकिन एनसीपी का नया नेतृत्व उनसे दूरी बनाता दिख रहा है। जिस तरह से सुनेत्रा पवार को आगे बढ़ाया जा रहा है और शरद पवार को निर्णयों से दूर रखा गया है, उससे संकेत मिलते हैं कि एनसीपी के भीतर

अजित पवार का गुट अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए रखने के लिए संकल्पित है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या शरद पवार की पार्टी को फिर से एक करने की अंतिम इच्छा अधूरी रह जाएगी? महाराष्ट्र की राजनीति का यह नया अध्याय अब किस दिशा में मुड़ेगा, इस पर पूरे देश की निगाहें टिकी हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)